10 अगस्त 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

रक्षाबंधन के दिन कोरानसराय प्रमुख चौक पर तीन घंटे तक लगा रहा जाम, परेशान हुए लोग

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध

आपकी आवाज

■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

चुनाव आयोग सख्त: राहुल शपथ पत्र दें या झूठे आरोपों के लिए देश से माफी मांगें

♦ राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में वोट चोरी के गंभीर आरोप लगाए थे

एजेंसी/नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने शनिवार को एक बार फिर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को सख्ती से कहा कि या तो वह नियमों के अनुसार घोषणापत्र दें या मतदाता सूचियों से जुड़े अपने झूठे आरोपों के लिए देश से माफी मांगें। चुनाव आयोग ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप पर फिर कहा कि इस मामले में वह शपथ पत्र दें या देश से माफी मांगे। बता दें कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में वोट चोरी के गंभीर आरोप लगाए थे।

आयोग के सूत्रों ने शनिवार को फिर दोहराया कि राहुल गांधी वोट चोरी का जो भी आरोप लगा रहे हैं, अगर सही हैं तो उसको लेकर वह शपथ पत्र दें और यदि वह ऐसा नहीं करते हैं तो देश से माफी मांगे। आयोग ने पहले भी इसी तरह से राहुल गांधी से शपथ पत्र देने या माफी मांगने के लिए कहा था। उन्हें बेतुके आरोपों के लिए माफी मांगनी

चाहिए' सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से महाराष्ट्र और कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारियों की ओर से जारी घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने को भी कहा है। अगर वह ऐसा नहीं करते तो उन्हें बेतुके आरोपों के लिए माफी मांगने को भी कहा है।

चुनाव आयोग ने कहा, अगर राहुल गांधी अपने विश्लेषण पर विश्वास करते हैं। वह मानते हैं कि आयोग के खिलाफ उनके आरोप सही हैं, तो उन्हें घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। लेकिन राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया था कि वह किसी घोषणापत्र पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। उन्होंने संसद सदस्य के रूप में संविधान की रक्षा करने की शपथ पहले ही ले ली है। इससे पहले राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेजेंटेशन के जरिए वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और वोट चोरी का आरोप लगाया था। राहुल ने कहा कि हमने यहां वोट चोरी का एक मॉडल पेश किया, मुझे लगता है कि इसी मॉडल का प्रयोग देश की कई लोकसभाओं और विधानसभाओं में हुआ। उन्होंने मीडिया के सामने वोट चोरी के पांच तरीकों का खुलासा किया था। जिसके बाद बवाल बढ़ा था।

चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं तो लोक सभा से इस्तीफा दें राहुल: भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है, तो उन्हें नैतिक के आधार पर लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से भी राज्यसभा और लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देने को कहा। भाटिया ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित

संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप (राहुल गांधी) मीडिया के सामने निराधार आरोप लगाते हैं और जब संवैधानिक संस्था सबूत और लिखित घोषणा मांगती है तो देने से इन्कार कर देते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने मांग की कि कांग्रेस शासित कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि उनके शीर्ष नेताओं को चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है। भाटिया ने कहा, जो आपको ठीक लगे, आप स्वीकार करें। जो असुविधाजनक लगे, आप उसे अस्वीकार करें और चुनाव आयोग पर आरोप लगाएं। यह नहीं चलेगा।

साउथ ईस्ट दिल्ली के जैतपुर थाना क्षेत्र में हरि नगर झुग्गी में हुआ बड़ा हादसा

दिल्ली में समाधि स्थल की सौ मीटर ऊंची दीवार गिरने से 8 लोगों की मौत

♦ एनडीआरएफ, दिल्ली पुलिस और डीडीएमए की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य संभाला

♦ रक्षाबंधन के दिन हुआ बड़ा हादसा, मरने वालों में सभी गरीब परिवार से संबंधित

एजेंसी/नई दिल्ली

साउथ ईस्ट दिल्ली के जैतपुर इलाके में समाधि स्थल की 100 फीट लंबी दीवार गिरने से बड़ा हादसा हो गया। मलबे में दबने से 8 लोगों की मौत हो गई। कई झुग्गियां चपेट में आईं। राहत-बचाव कार्य जारी है। रक्षाबंधन के दिन साउथ ईस्ट दिल्ली के जैतपुर थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा हो गया। हरी नगर गांव के पीछे स्थित झुग्गियों पर सुबह में समाधि स्थल की करीब 100 फीट लंबी दीवार अचानक गिर गई। इस हादसे में कई झुग्गियां दब गईं। और मलबे के नीचे फंसे लोगों को बचाने के लिए राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया। दमकल विभाग, एनडीआरएफ, दिल्ली पुलिस और डीडीएमए की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य संभाला। मलबे से अब तक 8 लोगों को बाहर निकाला गया, जिन्हें तुरंत एम्स ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक घायल व्यक्ति अस्पताल में भर्ती है। हादसे में जान गंवाने वालों में तीन पुरुष, दो महिलाएं और दो बच्चियां शामिल हैं। मृतकों की पहचान रुबीना (25 वर्ष), डॉली (25 वर्ष), रुखसाना (6 वर्ष), हसीना (7 वर्ष) के रूप में हुई है वहीं घायल व्यक्ति की पहचान हिशबुल के रूप में हुई है, जिसका इलाज जारी है।

दो बाइकों की टक्कर में जीजा-साले और दो बच्चों समेत चार की मौत

मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में रक्षाबंधन पर दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र के जरगी गांव में हुआ। हादसे में जीजा-साले समेत दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मृतक सिवनी जिले के रजरवाड़ा गांव के रहने वाले थे, सभी बाइक से किसी काम से मंडला की ओर आए थे। इस दौरान महाराजपुर थाना क्षेत्र के जरगी गांव में दो बाइकों की आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई। दोनों बाइकों पर कुल छह लोग शामिल थे। हादस इतना दर्दनाक था कि चार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मंडला जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे में पिता, दो बच्चों और मामा की मौत बताया गया कि घायल शकुन कुशराम का मायका मंडला जिले के सेमिकोल में है। वह अपने पति राजेंद्र कुशराम (38), बेटे सोहेल (10) और रविंद्र (7) और भाई शिवप्रसाद मरावी (27) के साथ रक्षाबंधन मनाने सेमिकोल जा रही थी।

शरद पवार ने महाराष्ट्र में 160 सीट जिताने का किया दावा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार के हालिया दावे पर सवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि दो लोग उनसे मिले और विपक्ष को चुनाव जीताने की पेशकश की। फडणवीस ने पूछा कि पवार अब यह बात क्यों कह रहे हैं और पहले क्यों नहीं। देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि शरद पवार ने दो लोगों की पेशकश का खुलासा अब क्यों किया, जबकि यह घटना पिछले साल के विधानसभा चुनाव से पहले की है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पवार ने पहले कभी राहुल गांधी के ईवीएम हेरफेर के दावों का समर्थन नहीं किया था। फडणवीस ने पवार के बयान को सलिम-जावेद जैसी स्क्रिप्ट बताया।

शरद पवार ने शनिवार को दावा किया कि दिल्ली में उनसे दो लोग मिले थे, जिन्होंने विपक्ष को महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से 160 सीटें जीताने का प्रस्ताव दिया था। पवार ने कहा कि उन्होंने इन लोगों को राहुल गांधी से भी मिलवाया, लेकिन राहुल भी इस बात से सहमत थे कि विपक्ष को इस तरह के काम में शामिल नहीं होना चाहिए। फडणवीस ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग के उस निर्देश का पालन नहीं किया। जिसमें उन्हें अपने बड़े आपराधिक धोखाधड़ी के आरोपों पर शपथपत्र देने को कहा गया था।

महिलाओं को देंगे 70 हजार करोड़ का शगुन : तेजस्वी

एजेंसी/पटना

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने दो पेज का खुला पत्र जारी किया है। अपने पत्र में तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर 70 हजार करोड़ रुपये का घोटाला करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा है कि सत्ता में आने के बाद उनकी सरकार यह पैसा वापस लाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि वसूली के बाद वो पैसा बिहार की बहनों को रक्षाबंधन के मौके पर शगुन की राशि के रूप में दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ह्लसब सोचा जा चुका है, सारा ब्लूप्रिंट तैयार है. तेजस्वी का बिहार की हर बहन से प्रण है कि मैं बेरोजगारी, महंगाई, अपराध, गरीबी, भ्रष्टाचार सेरक्षा करता रहूंगा।

महिलाओं से भावनात्मक अपील : तेजस्वी यादव ने रक्षाबंधन के अवसर पर बिहार की महिलाओं से भावनात्मक अपील की है। उन्होंने बिहार की सभी महिलाओं और छात्राओं को अपनी बहन बताते हुए उनसे तेजस्वी के नाम की भी एक राखी बांधने को कहा है। अपने चुनावी वादे गिनाकर उन्होंने दावा किया है कि उनके तेजस्वी भैया हर घर की हर बहन की समृद्धि के बारे में सोच रहा है और नीतियां बना रहा है। इन्हें लागू करने के लिए उन्हें सभी बहनों के सहयोग की जरूरत है। उन्होंने मौजूदा नीतीश सरकार पर नकारात्मक राजनीति करने का आरोप भी लगाया और कहा कि 17 महीने की महागठबंधन सरकार ने यह समझा दिया था कि असंभव कुछ नहीं होता है।

अपने किये वादये का किया जिक्र : तेजस्वी यादव ने अपने पत्र में महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देनेवाली माई-बहन योजना, बेटी प्रोग्राम, सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1500 रुपये प्रति महीना करने, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, बच्चियों के लिए आवासीय कोचिंग संस्थान, वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स ट्रेनिंग, नौकरी, रोजगार, मुफ्त परीक्षा फॉर्म, पेपर लीक पर लगाम जैसे अन्य चुनावी घोषणाओं का जिक्र किया है।

ऑपरेशन अखल : कुलगाम में 2 जवान शहीद, चार घायल

एजेंसी/जम्मू

जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल जंगल में जारी एनकाउंटर में दो जवान शहीद हो गए। चार जवान घायल हुए थे। इलाज के दौरान लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह की मौत हुई। ऑपरेशन अखल 1 अगस्त से जारी है। 2 अगस्त को 2 आतंकियों के मारे जाने की खबर आई थी। जबकि अब तक 9 जवान घायल हो चुके हैं। इनमें से ही दो की मौत हुई है। 2 अगस्त की सुबह मारे गए आतंकियों में से एक की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई थी, जो उ- कैटेगरी का आतंकी था। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे। उसके पास से एके -47 राइफल, मैगजीन और गोला-बारूद बरामद हुआ था। ऑपरेशन अखल को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ अंजाम दे रहे हैं। जंगल में अभी और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। दोनों ओर से फायरिंग जारी है। इलाके में आतंकी गतिविधि की गुप्त सूचना मिलने के बाद सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था।

बिहार: चुनाव आयोग में नौ दिन बाद भी मतदाता सूची के मसौदे पर किसी दल ने नहीं दर्ज कराई आपत्ति

♦ अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी

♦ 7,252 व्यक्तियों ने मतदाता सूची मसौदे में नाम शामिल करने या हटाने का आग्रह किया

एजेंसी/नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि बिहार मतदाता सूची का मसौदा नौ दिन पहले एक अगस्त को जारी होने के बाद से किसी भी राजनीतिक दल ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई है। आयोग ने कहा कि 1 अगस्त से 9 अगस्त के बीच, किसी भी दल की ओर से नियुक्त किसी भी बूथ-स्तरीय एजेंट ने दावे और आपत्ति प्रक्रिया के तहत चुनाव अधिकारियों से संपर्क नहीं किया है। दूसरी ओर, 7,252 व्यक्तियों ने मतदाता सूची मसौदे में नाम शामिल करने या हटाने के लिए आयोग से संपर्क किया है। यह मसौदा सूची चुनाव आयोग की ओर से बिहार की मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण का हिस्सा है। विपक्षी दलों का दावा है कि इस प्रक्रिया के कारण कई पात्र नागरिक दस्तावेजों के अभाव में अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शनों के कारण 21 जुलाई को मानसून सत्र के बाद से संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही ठप रही है। चुनाव आयोग ने कहा है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित नहीं रहेगा। एक सितंबर तक दावों और आपत्तियों के लिए उपलब्ध रहेगी, जिसके तहत पार्टियां और व्यक्ति छूटे हुए पात्र नागरिकों को शामिल करने और अयोग्य लोगों को बाहर करने की मांग कर सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी।

भारतीय रेलवे ने फेस्टिव सीजन में एक्सपेरिमेंटल बेस पर शुरू की स्कीम

आने-जाने का ट्रेन टिकट बुक करने पर 20 फीसदी का डिस्काउंट

एजेंसी/नई दिल्ली

इंडियन रेलवे ने दिवाली और अन्य फेस्टिवल में घर जाने वालों के लिए एक एक्सपेरिमेंटल बेस पर एक स्कीम शुरू की है। इसमें अगर कोई आने और जाने का टिकट एकसाथ बुक करता है तो रिटर्न टिकट पर 20 फीसद का डिस्काउंट मिलेगा। इससे उन लोगों को फायदा मिलेगा जो घर जाने और वापस आने के लिए ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। रेलवे ने

त्योहारों के समय टिकट के लिए भीड़ और लोगों की परेशानी को देखते हुए यह फैसला एक्सपेरिमेंटल बेस पर लिया है। ट्रेन एक जोड़ी की ही होनी चाहिए। अगर आप अहमदाबाद एक्सप्रेस से पटना जाते हैं, तो इसी जोड़ी की वापसी ट्रेन से रिटर्न टिकट करना होगा। जैसे- अहमदाबाद-बरौनी (19484) से जाते हैं तो रिटर्न इसी जोड़ी की ट्रेन बरौनी-अहमदाबाद (19483) से रिटर्न होना होगा। टिकट डिटेल्स समान होनी चाहिए। टिकट में दी गई सभी डिटेल्स एक समान होनी चाहिए। यानी सोर्स और डेस्टिनेशन (कहां से कहां तक जाना है), यात्री का नाम, उम्र, दूरी और क्लास (स्लीपर, 3 अउ, 2 अउ) जैसी चीजें दोनों टिकट में एक होनी चाहिए। रेलवे के मुताबिक, इस छूट का फायदा लेने के लिए 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 तक के लिए जाने वाले टिकट और वापसी के लिए 17 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 के बीच यात्रा का टिकट बुक करना होगा। बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी।ये छूट फ्लेक्सी फेयर वाली ट्रेनों जैसे- शताब्दी एक्सप्रेस, राजधानी एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस, सुविधा एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस, तेजस एक्सप्रेस ट्रेनों पर लागू नहीं होगी। लेकिन इसके अलावा सभी श्रेणियों और खासकर ऑन डिमांड ट्रेनें छूट के दायरे में शामिल हैं।

वर्षों से जर्जर और तंग प्रखंड कार्यालय में सरकारी कामकाज कराने वाले नागरिकों के इंतजार खत्म

चौसा प्रखंड को मिलेगा नया स्वरूप : 33 करोड़ की लागत से बनेगा आधुनिक भवन सह आवासीय परिसर

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड के लोगों के लिए यह खबर किसी तोहफे से कम नहीं है। वर्षों से जर्जर और तंग प्रखंड कार्यालय में सरकारी कामकाज कराने वाले नागरिकों के इंतजार की घड़ी अब समाप्त होने वाली है। बहुत जल्द यहां लगभग 33 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक और सुसज्जित प्रखंड भवन सह आवासीय परिसर का निर्माण शुरू होने जा रहा है, जो न केवल प्रशासनिक गतिविधियों को नई रफ़्तार देगा बल्कि आमजन के लिए सरकारी सेवाओं तक पहुंच भी आसान बनाएगा।

शनिवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने प्रस्तावित निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भूमि की स्थिति, निर्माण की रूपरेखा और प्रस्तावित ढांचे को बारीकी से परखा। डीएम ने मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा करते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि भवन निर्माण में गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बेहतर सुविधाओं से लैस होगा भवन

यह नया भवन केवल एक दफ्तर नहीं, बल्कि एक संपूर्ण प्रशासनिक केंद्र होगा। इसमें अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवासीय परिसर, विशाल मीटिंग हॉल, अत्याधुनिक रिकॉर्ड रूम, वाहन पार्किंग, प्रतीक्षालय और अन्य जरूरी सुविधाएं शामिल होंगी। डिजाइन इस तरह तैयार किया गया है कि यहां आने वाले नागरिकों को अपने सरकारी कार्य निपटाने में सुविधा और सहजता मिले।

पुराना भवन बना परेशानी का कारण

स्थानीय लोगों और पदाधिकारियों के मुताबिक, चौसा प्रखंड कार्यालय लंबे समय से एक पुराने और जर्जर भवन में संचालित हो रहा था। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकना, बैठने की कमी और फाइलों के सुरक्षित रखने में कठिनाई जैसी समस्याएं आम थीं। इससे न केवल प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो रहा था, बल्कि आम जनता को भी घंटों परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

स्थानीय लोगों में उत्साह

परियोजना को लेकर चौसा के लोगों और जनप्रतिनिधियों में खासा उत्साह है। उनका मानना है कि नए भवन के बनने से सरकारी कार्यों की गति बढ़ेगी, कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा और आमजन की समस्याओं का समाधान भी तेजी से होगा। साथ ही, आधुनिक सुविधाओं से लैस यह भवन चौसा की प्रशासनिक पहचान को भी मजबूत करेगा।

परियोजना से जुड़े लाभ

सरकारी कार्यों के निष्पादन में तेजी आएगी, आम जनता को सुविधाजनक वातावरण मिलेगा। प्रशासनिक पारदर्शिता और दक्षता में वृद्धि होगी तथा चौसा की पहचान में इजाफा होगा। डीएम ने कहा कि भवन निर्माण पूरा होने के बाद चौसा प्रखंड प्रशासनिक दृष्टि से और अधिक सक्षम बन जाएगा, जिससे ग्रामीण विकास कार्यों को गति मिलेगी। यह परियोजना चौसा के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी।

रक्षाबंधन के दिन कोरानसराय प्रमुख चौक पर तीन घंटे तक लगा रहा जाम, परेशान हुए लोग

- कोरानसराय चौक से मठिला व चौगाईं रोड में लगाया गया नाला टूटने से उत्पन्न हुई जाम की स्थिति
- कोरानसराय में अक्सर लगता है जाम, प्रभावित होती है दुकानदारी, स्थानीय निवासियों में गहराया आक्रोश

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय प्रमुख चौक पर शनिवार को भयंकर जाम लग गया। इस दौरान करीब तीन घंटे तक यात्रियों तथा स्थानीय लोगों व दुकानदारों को परेशान होना पड़ा। खास यह कि शनिवार को ही भाई-बहन के पवित्र प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन था, जिस कारण लोगों को जाम का दंश कुछ अधिक ही सहना पड़ा। इस दौरान कई लोग अपने जरूरी काम को समय से नहीं कर पाए तो कई भाई-बहन शुभ मुहुर्त में रक्षाबंधन मनाने से वंचित हो गए। जाम का मुख्य वजह मठिला व चौगाईं रोड में लगाए गए नाला के ट्रकों के भारी दबाव में टूटने को बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार कोरानसराय प्रमुख चौक से मठिला व चौगाईं जाने वाले मार्गों पर नाला लगाया गया था, लेकिन ओवर लोड ट्रकों के भारी दबाव के कारण शुक्रवार की रात ही यह नाला टूट गया था, जिस कारण शनिवार को सुबह से ही जाम लग गया था। इधर रक्षाबंधन का त्योहार होने के कारण बड़ी संख्या में लोग आवाजाही कर रहे थे। कुछ को राखी बंधवाने अपनी बहन के घर जाना था तो कई बहने भी सुबह में तैयार हो अपने भाईयों के कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने निकली थी, लेकिन कोरान सराय चौक पर लगे जाम में उन्हें परेशान होना पड़ा।

जाम लगने से दुकानदारों में है गहराया आक्रोश

स्थानीय दुकानदार मो. सेंपल अंसारी, नंदजी प्रसाद, रामेश्वर सिंह, छोटेलाल साह, जीउत प्रसाद, पिंकू अंसारी, बिपीन कुमार, हरेराम साह आदि ने बताया कि अक्सर कोरानसराय चौक पर जाम लगता है, जिस कारण उनका व्यवसाय प्रभावित होता है। पर्व-त्योहार के दिन जाम लगने से अधिक नुकसान सहना पड़ता है। दुकानदारों का कहना है कि इस समस्या का स्थायी समाधान निकलना चाहिए।

स्थानीय पुलिस ने दिखाई मुश्तैदी

हालांकि, जाम की सूचना मिलते ही कोरानसराय पुलिस ने मुश्तैदी दिखाई। थानाध्यक्ष अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने कड़ी मशक्त से जाम छुड़वाया। इस दौरान करीब तीन घंटे तक जाम लगा रहा।

दोहपर करीब एक बजे जाम में फंसे चौगाईं अंचल कार्यालय के राजस्वकर्मी गौतम कुमार ने बताया कि वे सुबह 11 बजे से जाम में फंसे है, जबकि कई जरूरी कामों को निपटाना है। वहीं, अपनी बहन के घर राखी बंधवाने जा रहे राजकुमार पांडेय, रामाकांत पांडेय, भाई को राखी बांधने के लिए निकली शोभा देवी, मनोरमा देवी, नीतू कुमारी, प्रियंका आदि ने बताया कि कोरानसराय में जाम के कारण शुभ मुहुर्त में रक्षाबंधन का त्योहार नहीं मना सकें। बता दें कि इस बार दोपहर 1.30 बजे तक शुभ मुहुर्त था, लेकिन जाम के कारण शुभ मुहुर्त बीतने के बाद ही लोग अपने निर्धारित गंतव्य तक पहुंचे।

राखी पर लौटते रिश्तों के बीच जाम की दीवार, छह घंटे सड़क पर फंसे लोग

केटी न्यूज/सिमरी

राखी के दिन जब लोग अपने रिश्तों के बंधन को और मजबूत करने के लिए घरों से निकले, तब डुमरांव अनुमंडल के सिमरी क्षेत्र में मुख्य मार्ग पर लगा जाम उनके उत्साह के बीच सबसे बड़ी बाधा बन गया। शनिवार सुबह करीब 8 बजे पुराना भोजपुरदसिमरी मार्ग पर पोल फैक्ट्री के पास एक ट्रैक्टर की ट्रॉली अचानक खराब हो गई। खराबी मामूली नहीं थी, ट्रॉली के पिछले चक्के का गुल्ला टूट जाने से वाहन सड़क के बीचोबीच जाम हो गया। संकरी सड़क होने के कारण दोनों ओर से वाहन फंसते चले गए और देखते ही देखते पुराना भोजपुर चौक से लेकर सिमरी की ओर कई किलोमीटर लंबी कतार लग गई। यात्रियों को मजबूरन अपने गंतव्य तक पैदल ही निकलना पड़ा। जाम का असर सिर्फ यातायात पर ही नहीं, बल्कि त्योहार के रंग पर भी पड़ा। राखी के अवसर पर बहनें भाइयों से मिलने और परिवारजन रिश्तेदारों के घर जाने के लिए सुबह-सुबह ही रवाना हुए थे, लेकिन सैकड़ों लोग घंटों सड़क पर फंसे रहे। सिमरी दुधीपट्टी के रितेश कुमार, नियाजीपुर की साधना कुमारी और मंझवारी के पिंटू कुमार जैसे कई यात्रियों ने बताया कि वे समय पर अपने गंतव्य नहीं पहुंच सके, जिससे उनका त्योहार अधूरा रह गया। सबसे ज्यादा परेशानी उन बुजुर्ग और बच्चों को हुई, जो उमस भरी गर्मी में खुले आसमान के नीचे खड़े रहे। कई लोग वाहन छोड़कर पैदल आगे बढ़े, जबकि दूसरे रास्तों से आने-जाने की कोई सुविधा नहीं थी। जाम को हटाने के लिए दोपहर बाद प्रशासन ने जेसीबी और क्रेन मंगवाई। लगभग छह घंटे की मशक्कत के बाद खराब ट्रैक्टर को सड़क से हटाया गया और यातायात बहाल हो सका। लेकिन तब तक लोगों का धैर्य जवाब दे चुका था और राखी की उमंग ठंडी पड़ चुकी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर बड़े वाहनों की खराबी या दुर्घटनाओं के समय वैकल्पिक रास्तों की व्यवस्था नहीं होने से अक्सर घंटों जाम लग जाता है। प्रशासन से मांग की गई कि त्योहारों और आपात परिस्थितियों में यातायात को तुरंत बहाल करने के लिए पूर्व तैयारी रहे, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके।

कुशलपुर में नहाने के दौरान भैसही नदी में डूबा किशोर, शव की तलाश जारी

- शनिवार की शाम चार-पांच दोस्तों के साथ नहा रहा था युवक, गहरे पानी में चले जाने से गई जानु

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय थाना क्षेत्र के कुशलपुर गांव में भैसही नदी में दोस्तों के साथ नहाने के दौरान एक किशोर नदी में डूब गया। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण गोताखोर तत्काल नदी में उतर लापता किशोर की तलाश शुरू किए, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसका कुछ पता नहीं चल सका था। परिजनों की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घटना स्थल पर एसडीआएफ को बुलाने की मांग की है। हालांकि, देर शाम तक एसडीआरएफ की टीम मौके पर नहीं पहुंच सकी थी। नदी की तेज धारा तथा अंधेरा बढ़ने के कारण स्थानीय गोताखोर आगे किशोर की तलाश में हाथ खड़े कर रहे है। कुशलपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कृष्णा कुमार ने बताया कि लापता किशोर गांव के राजेन्द्र गोंड का 17 वर्षीय पुत्र रवि गोंड है। वह शाम करीब चार बजे अपने चार-पांच दोस्तों के साथ नहाने के लिए भैसही नदी में उतरा था। गांव के बाहर स्थित पुल के समीप ही सभी नदी में नहा रहे थे। इसी दौरान वह गहरे पानी में समा गया तथा देखते ही देखते आंखों से ओझल हो गया। उसे डूबता देख उसके साथ नहा रहे लड़कों में हड़कंप मच गया। वे तुरंत दौड़े भागे गांव में पहुंचे तथा ग्रामीणों को इस घटना की जानकारी दिए। जानकारी मिलते ही ग्रामीण तैराक उसकी तलाश भी किए, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसका कुछ पता नहीं चला पाया है। इधर घटना के बाद से किशोर के स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। नदी के किनारे स्वजनों के क्रंदन चित्कार से माहौल गमगीन हो गया है। वहीं, स्थानीय पुलिस राहत व बचाव कार्य को चला रही है। घटना के बाद से गांव में मायूशी छाई है। गौरतलब हो कि शुक्रवार को भी नया भोजपुर का एक युवक भैसही नदी में ही डूब गया था।

रामपुर में मां काली का वार्षिक पूजनोत्सव धूम-धाम से संपन्न

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के रामपुर गांव स्थित ग्रामीण देवी मां काली का वार्षिक पूजा काफी हर्षो उल्लास से किया गया। मां काली का पुजा प्रतिवर्ष श्रवण पूर्णिमा को यानी रक्षाबंधन के दिन किया जाता है। इससे पहले श्रावण मास के अष्टमी तिथि से ही दुर्गा सप्तशती का पाठ चलता है। जिसमें समस्त ग्रामीण का सहयोग काफी सराहनीय रहता है। इसके तहत श्रावण मास के अष्टमी तिथि से ही मंदिर में दुर्गा सप्तशती का पाठ चल रहा था। जिसका समापन शनिवार को श्रावण मास के पूर्णिमा तिथि को रक्षाबंधन के दिन हुआ। इसमें पूजनोत्सव कार्यक्रम की भूमिका कोरान सराय निवासी आचार्य धनु पंडित व कुलमनपुर निवासी पंडित त्रिभुवन दुबे द्वारा निभाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व अखिलेश पांडे द्वारा किया गया। शनिवार की सुबह श्रद्धालु भक्तों द्वारा मंदिर का साफ सफाई किया गया। उसके बाद विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन हुआ।

डुमरांव में नए एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने ग्रहण किया पदभार

- कानून-व्यवस्था सुधार पर रहेगा फोकस

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल में नए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) के रूप में पोलस्त कुमार ने शनिवार को पुलिस कार्यालय में औपचारिक रूप से योगदान दिया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

पोलस्त कुमार इससे पहले डुमरांव के ही बिसैप-18 में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर कार्यरत थे। इससे पूर्व वे सीवान जिले के महाराजगंज में बतौर एसडीपीओ अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वहां उनके कार्यकाल को पुलिस-पब्लिक के बीच बेहतर तालमेल, त्वरित कार्रवाई और सख्त कानून-पालन के लिए सराहा गया था। उनके काम करने का तरीका जनसंपर्क पर आधारित होने के साथ-साथ अपराध पर कड़ी नजर रखने वाला माना जाता है। डुमरांव में पिछले डेढ़ हफ्ते से एसडीपीओ का पदभार प्रभार में चल रहा था, क्योंकि पूर्व एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी का तबादला हो चुका था। अब स्थायी पदस्थापना होने से स्थानीय लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आश्वस्त दिख रहे हैं। लोगों का मानना है कि अनुभव और सक्रियता के कारण पोलस्त कुमार अपराध नियंत्रण में कारगर साबित होंगे। पदभार ग्रहण करते ही पोलस्त कुमार ने स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता अपराध पर अंकुश लगाना, जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना और पुलिस पर लोगों का भरोसा मजबूत करना होगी। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को बिना डर-झिझक अपनी शिकायत पुलिस तक पहुंचाने का माहौल बनाना जरूरी है। इसके लिए पुलिस टीम को प्रोफेशनल और जनहितकारी रवैये के साथ काम करना होगा।

स्थानीय नागरिक भी नए एसडीपीओ से काफी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। उन्हें भरोसा है कि पोलस्त कुमार की फ्रेंडली नेचर और सक्रिय कार्यशैली से डुमरांव अनुमंडल में न केवल गंभीर अपराधों में कमी आएगी, बल्कि छोटी-बड़ी समस्याओं का समाधान भी तेजी से होगा। साथ ही, पुलिस-पब्लिक के बीच भरोसे और सहयोग का रिश्ता और मजबूत होगा। पोलस्त कुमार के विविध अनुभव और अब तक के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए प्रशासनिक हलकों में भी उनके कार्यकाल को लेकर सकारात्मक उम्मीदें हैं। अब आने वाले समय में यह देखना होगा कि उनकी योजनाएं और कार्यशैली डुमरांव की सुरक्षा व्यवस्था को कितना बदल पाती है।

एक नजर

डुमरांव में पकड़ा गया लाल वारंटी

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक लाल वारंटी व कुर्की जब्ती के वारंटी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार वारंटी नगर के कुरैशी (चिकटोली) मोहल्ले का रहने वाला मो. गयासुद्दीन पिता गफ्फार कुरैशी है। थानाध्यक्ष संजय सिन्हा ने इस संबंध में बताया कि पकड़ा गया आरोपित लाल वारंटी है, उसके खिलाफ न्यायालय से कुर्की जब्ती भी जारी हुआ था। वह, लंबे समय से फरार चल रहा था। उन्होंने बताया कि उसे गुप्त सूचना पर गिरफ्तार कर लिया गया है।

क्या है लाल वारंट : लाल वारंटी ऐसा वारंट है जो किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए जारी की जाती है। यह वारंट आमतौर पर तब जारी की जाती है जब कोई व्यक्ति किसी गंभीर अपराध में शामिल होता है या जब उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस को विशेष अधिकार दिए जाते हैं। पुलिस का कहना है कि आमतौर पर गंभीर अपराधों जैसे कि हत्या, लूट, अपहरण आदि के मामलों में लाल वारंट जारी की जाती है। लाल वारंटी के साथ पुलिस को विशेष अधिकार दिए जाते हैं जिससे वे उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकें।

24 घंटे से चल रहे अखंड हरी नाम कीर्तन का हुआ समापन

केसठ। पूर्णिमा तिथि के अवसर पर मां भवानी मंदिर केसठ में 24 घंटे के लिए अखंड हरी नाम कीर्तन का आयोजन किया गया था। कीर्तन का नेतृत्व मंदिर के मुख्य कार्यकर्ता विश्वनाथ उपाध्याय द्वारा किया गया। कीर्तन गाने के लिए दासियांव गांव से बिपुल दुबे, रघुनाथपुर से त्रिभुवन दुबे के अलावे शिवपुरी बैजनाथपुर से भी कीर्तन मंडली भाग लिए। जिन लोगों द्वारा श्रद्धालु भक्तों को साज बाज के साथ विभिन्न प्रकार के लय में हरी नाम कीर्तन का रसपान कराया गया। कीर्तन समापन शनिवार को हुआ। समापन के बाद विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन हवन किया गया। उसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस कार्य से पूरा वातावरण भक्तिमय रहा। बता दे की प्रत्येक माह पूर्णिमा तिथि को मां भवानी मंदिर में 24 घंटे के लिए अखंड हरी नाम कीर्तन का आयोजन होता है, साथ ही रात्रि में भंडारे का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमेटी के शिव शंकर यादव, मिश्रीलाल प्रसाद, विनोद राय, केश्वर महतो सहित समस्त ग्रामीणों का सहयोग बढ़ चढ़कर रहता है। पूर्वज बताते हैं मां भवानी मंदिर आदि अनादि काल का क्षेत्र का प्रसिद्ध मंदिर है। श्रद्धालुओं के लिए आस्था एवं विश्वास का केंद्र है। दूर दराज से भी लोग माता का दर्शन करने आते हैं। ऐसी मान्यता है कि मां भवानी का पूजा अर्चना करने से हर तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

रक्षाबंधन पर भाई-बहन के रिश्ते में बंधा प्यार

नावानगर। शनिवार को नावानगर प्रखंड क्षेत्र में रक्षाबंधन का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही बहनों ने अपने-अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके दीघार्यु और सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर जीवनभर उनकी रक्षा करने का संकल्प दोहराया। इधर रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में सुबह से ही रौनक देखने को मिली। राखी, मिठाई और उपहार की दुकानों पर भीड़ उमड़ पड़ी। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई इस पावन पर्व में शामिल होकर खुश नजर आया। गांव-गांव में बहनें सजधज कर मायके पहुंचीं। कई जगहों पर दूर-दराज में रहने वाले भाई-बहन एक-दूसरे से मिलने पहुंचे, जिससे मिलन का माहौल भावुक हो उठा। मिठाई की दुकानों पर रसगुल्ला, लड्डू, बर्फी और चॉकलेट की बिक्री चरम पर रही। वहीं रक्षाबंधन के मौके पर कई सामाजिक संस्थाओं ने विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए। क्षेत्रीय पंडितों के अनुसार, इस बार रक्षाबंधन का शुभ मुहूर्त सुबह 4.22 बजे से माना गया। जो पूरे दिन है। हालांकि लोग सुबह से राखी बांधने के लिए उत्सुक रहे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, देलवागी मोड़, डुमरॉव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24×7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
सासारामपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

नगर देवी मां डुमरेजनी का वार्षिकोत्सव धूम धाम से संपन्न, भक्तिमय बना रहा माहौल

- आस्था, इतिहास और भक्ति का अद्भुत संगम मां डुमरेजनी का मंदिर
- श्रावण पूर्णिमा पर हर साल की जाती है वार्षिक पूजा, हजारों श्रद्धालुओं ने किए माता रानी के दर्शन, नगर में भक्ति की गूंज

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक मां डुमरेजनी का वार्षिकोत्सव शनिवार को श्रद्धा, उत्साह और परंपरा के साथ मनाया गया। श्रावण मास की पूर्णिमा पर होने वाला यह आयोजन न केवल नगर बल्कि आसपास के गांवों के लिए भी आस्था का प्रमुख केंद्र है। सुबह से देर शाम तक हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर विशेष पूजा-अर्चना की और मां डुमरेजनी से सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की।मां डुमरेजनी के वार्षिक पूजा को लेकर मंदिर प्रबंधन समिति व स्थानीय प्रशासन द्वारा कई तैयारियां की गई थी। डुमरांव-बिक्रमगंज मुख्य मार्ग से लेकर मंदिर तक आकर्षक तोरण द्वार और रंग-बिरंगी लाइटों से सजावट किया गया था। मंदिर परिसर में दुर्गा सप्तशती और वैदिक मंत्रोच्चारण की गूंज से पूरा नगर भक्तिरस में सराबोर रहा। वहीं, ध्वनि विस्तारक यंत्रों से भजन और जयघोष हो रहा था, जिससे नगर के हर कोने में आस्था की ध्वनि पहुंच रही थी। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर मार्ग पर वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया था। पार्किंग के लिए मुख्य मार्ग पर विशेष व्यवस्था थी। सुरक्षा की दृष्टि से दंडाधिकारियों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

मेले में रौनक और धार्मिक खरीदारी

मंदिर परिसर में लगे मेले में श्रद्धालुओं ने धार्मिक साहित्य, प्रसाद, खिलौने, हस्तशिल्प और ग्रामीण उत्पाद खरीदे। आसपास के गांवों से आए नृत्य एवं भजन-कीर्तन दलों ने अपनी प्रस्तुतियों से भक्ति का रंग और गहरा कर दिया।

श्रावण पूर्णिमा का विशेष महत्व

मंदिर समिति के सदस्यों के अनुसार, श्रावण मास की पूर्णिमा पर शक्ति स्वरूपा की पूजा-अर्चना और दुर्गा सप्तशती पाठ से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। दशकों से इसी तिथि को वार्षिकोत्सव मनाने की परंपरा है।

प्रशासन रहा सतर्क

आयोजन को देखते हुए डुमरांव प्रशासन ने विधि-व्यवस्था की विशेष निगरानी की। दंडाधिकारी और पुलिस बल पूरे कार्यक्रम के दौरान मुस्तैद रहे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मां डुमरेजनी की ऐतिहासिक कथा

हालांकि मंदिर से जुड़ा कोई लिखित या पौराणिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है, लेकिन लोककथाओं व किंवदंतियों में 18वीं सदी की एक मार्मिक कहानी सुनाई जाती है जिसके अनुसार उस समय क्षेत्र में चेरो-खरवार वंश का साम्राज्य था। अरैला गांव की एक बेटी की शादी बलिया जिले में हुई थी। विवाह के बाद ससुराल जाते समय चेरो दस्युओं ने डोली पर हमला कर चार कहारों और दुल्हन बनी मां डुमरेजनी के पति की हत्या कर दी। दस्युओं ने युवती की अस्मत लूटने की कोशिश की, लेकिन वह नागिन की तरह फुफकारते हुए उतरी और अपने मृत पति का सिर गोद में रख सती हो गई। सती होने से पहले उसने साम्राज्य के नष्ट होने का शाप दिया। कहा जाता है कि इसके बाद ही धीरे-धीरे चेरों-खरवारों के साम्राज्य का विनाश हो गया। आज भी उनका कबीला जिसे बावन दुअरियां के नाम से जाना जाता है, वीरान पड़ा है। मंदिर में माता डुमरेजनी के साथ उनके पति और कहारों के चौरे मौजूद हैं, जिन्हें घटना का प्रमाण माना जाता है।

वार्षिकोत्सव में भक्तिभाव की झलक

मां डुमरेजनी के वार्षिकोत्सव को ले पूरे शहर में भक्तिरस की अविरल महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में और पुरुष आस्था से ओतप्रोत भाव से माता नगर देवी की आराधना में लीन रहे।

वहीं, ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल, साइकिल, मोटरसाइकिल और ट्रैक्टर-ट्रॉली से मां डुमरेजनी के वार्षिकोत्सव में शामिल होने पहुंचे।

मंदिर प्रबंधकारिणी समिति द्वारा पेयजल, प्रसाद वितरण, बैठने और विश्राम की व्यवस्था। दिनभर भजन-कीर्तन और दुर्गा सप्तशती पाठ से माहौल भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर मंदिर परिसर के बाहर विशाल मेले का आयोजन किया गया था, जहां बच्चें लुफ्त उठाते नजर आए। वहीं नगर देवी के वार्षिक पूजनोत्सव पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा था। मंदिर जाने वाले सभी मार्गों पर भारी भीड़ देखी गई।

आस्था और विरासत का संगम है मां डुमरेजनी मंदिर

मां डुमरेजनी का वार्षिकोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि डुमरांव की सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक विरासत का भी प्रतीक है। यह वह दिन है जब नगरवासी और प्रवासी सभी एकजुट होकर भक्ति, परंपरा और सामूहिकता का उत्सव मनाते हैं। श्रावण पूर्णिमा पर मां डुमरेजनी का वार्षिकोत्सव डुमरांव के लोगों के लिए आस्था, इतिहास और सामाजिक एकता का अद्वितीय अवसर है। यहां आने वाला हर श्रद्धालु सिर्फ दर्शन ही नहीं करता, बल्कि अपने साथ भक्ति, परंपरा और स्थानीय संस्कृति की अनमोल छवि भी लेकर जाता है।

बक्सर में भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ संपन्न

- पौराणिक काल से चली आ रही है यह परंपरा, बक्सर व डुमरांव के अलावे ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखा उत्साह

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में शनिवार को रक्षाबंधन का पर्व पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा का वचन दोहराया। बाजारों में सुबह से ही चहल-पहल देखने को मिली, मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ उमड़ी और राखियों की दुकानों पर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने अपनी पसंद की राखियां खरीदीं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, रक्षाबंधन का पर्व प्राचीन काल से मनाया जा रहा है। माना जाता है कि इस दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसे संकटों से दूर रहने और जीवन में खुशहाली की कामना करती हैं। महाभारत काल में द्रौपदी द्वारा भगवान कृष्ण को राखी बांधने और संकट में रक्षा करने की कथा आज भी इस पर्व के महत्व को दशार्ती है। इसी तरह ऐतिहासिक प्रसंगों में चित्तौड़ की रानी कर्णावती और मुगल सम्राट हुमायूं की कहानी भी भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की मिसाल मानी जाती है।

शनिवार को जिले भर में मंदिरों, घरों और सामाजिक संस्थानों में भी रक्षाबंधन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थानीय शाखा द्वारा बक्सर मॉडल थाना परिसर में विशेष आयोजन हुआ, जहां संस्था की संचालिका बहनों ने पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर उनकी सुरक्षा और कल्याण की प्रार्थना की। इसी तरह कई स्कूलों, स्वयंसेवी संगठनों और महिला समूहों ने वृद्धाश्रम, अनाथालय और अस्पतालों में जाकर वहां मौजूद लोगों को राखी बांधी और मिठाइयां वितरित कीं। ग्रामीण इलाकों में भी रक्षाबंधन का उल्लास साफ झलकता रहा। गांवों में सुबह से ही महिलाएं पूजा की थाली सजाकर भाइयों के घर पहुंचीं और पारंपरिक विधि से रक्षा सूत्र बांधा। भाईयों ने बहनों को फल, मिठाई, वस्त्र और नगद उपहार देकर खुश किया। इस दौरान घर-घर में पकवान बने और परिवारजनों के साथ मिलकर पर्व की मिठास का आनंद लिया गया।

जिले के प्रमुख बाजार जैसे स्टेशन रोड, मेन रोड, सिविल लाइन, इटाढ़ी बाजार में भी रक्षाबंधन की रौनक देखने को मिली। दुकानों पर रंग-बिरंगी राखियों, सजावटी थालियों और उपहारों की भरमार रही। बच्चों के लिए कार्टून और सुपरहीरो राखियों से लेकर पारंपरिक डिजाइन वाली राखियां खूब बिकीं। रक्षाबंधन का यह पर्व न केवल भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक सौहार्द और पारिवारिक एकता का भी संदेश देता है। बदलते दौर में भले ही त्योहारों के स्वरूप में आधुनिकता आ गई हो, लेकिन रक्षाबंधन की मूल भावना आज भी उतनी ही पवित्र और प्रासंगिक है जितनी सदियों पहले थी। इस तरह बक्सर में रक्षाबंधन का पर्व पारंपरिक श्रद्धा, अपनत्व और खुशियों के माहौल में संपन्न हुआ, जिसने रिश्तों की डोर को और भी मजबूत कर दिया। बक्सर के अलावे डुमरांव, सिमरी, नावानगर, चक्की, ब्रह्मपुर आदि जगहों पर भी भाई-बहन के अनोखे प्रेम के प्रतीक रक्षा बंधन का त्योहर पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान सुबह से ही विभिन्न मंदिरों में भीड़ उमड़ी रही।

क्रांति दिवस पर परिवार और सामजिक कार्यकर्ताओं ने शहीदों को किया याद

- नगर के शहीद पार्क में जाकर शहीदों के तैल्य चित्र पर किया माल्यार्पण

केटी न्यूज/डुमरांव

देश को अजादी दिलाने में बक्सर जिले के ग्रामीण और शहरी लोगों की अहम भूमिका रही है। इस अहम भूमिका में डुमरांव का नाम सबसे उपर आता है। 9 अगस्त से क्रांति की शुरूआत हुई थी, जिसमें नौजवानों ने जमकर हिस्सा लिया था। डुमरांव नगर के ही चार सपूत रामदास लोहार, रामदास कोहार, कपिलमुनी और गोपालजी ने 16 अगस्त को डुमरांव थाना पर झंडा फहराने के दौरान अंग्रेज सरकार सिपाहियों के गोलियों का शिकार हो अमर हो गए थे। उनकी याद में हर साल शहीद दिवस मनाया जाता है। इतना ही नहीं इस शहीद दिवस को सरकार की तरफ से राष्ट्रय समारोह का दर्जा मिला हुआ है, जिसे लोग काफी खुशी के साथ मनाते हुए अपने शहीदों को याद करते हैं।

क्रांति दिवस के अवसर पर आयोजित बैठक में सबसे पहले शहीदों को याद करते हुए उनके तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए माला पहनाया गया। बैठक में शहीद दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करते हुए कार्यक्रम करने पर विचार-विमर्श किया गया। उक्त तिथि को सुबह से ही कार्यक्रमों की धुन रहती है। बच्चे प्रभातफेरी निकालते हैं, जिसमें नगरवासियों का सहयोग रहता है। वहीं इस अवसर पर आयोजित होने वाले राजकीय समारोह पर होने वाले कार्यक्रम को यादगार बनाने पर जो दिया गया। मालूम होकि राजकीय समारोह में सरकार की तरफ से किसी मंत्री को भेजा जाता है, साथ ही जिले के डीएम, डीडीसी, एसडीओ से लेकर प्रखंड स्तर के अधिकारी शामिल रहते हैं। फिर शहीद स्मारक समिति के संयोजक संजय चंद्रवंशी ने कहा कि शहीद पार्क की सफाई व्यवस्था पर प्रशासन कोई ध्यान नहीं देता। पूरे परिसर में जगली घास और पेड़-पौधे निकल आए हैं, इसकी सफाई कराना जरूरी है, इसकी शिकायत एसडीओ, बीडीओ, नप ईओ से की जाएगी।

संपर्क नालियों व मोहल्लों की सफाई सुव्यवस्थित नहीं, होती है परेशानी

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद की मुख्य सड़क स्टेशन रोड तक ही सफाई व्यवस्था सिमट कर रह गई है। उसमें भी इस रोड की सफाई प्रतिदिन नहीं होकर सप्ताह में एक या दो दिन ही हो पाती है। नप के पास शिकायत करने के बाद भी कोई सुनने वाला नहीं है। इस साल मार्च तक सफाई व्यवस्था में प्रतिमाह 46 लाख रूपया खर्च होता था, जो अप्रैल माह से बढ़कर 90 लाख हो चुकी है। सफाई एनजीओ को प्रतिमाह दो गुणा भुगतान की बढ़ोतरी होने के बाद भी सफाई व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ है। नगर के स्टेशन रोड में भी जगह-जगह कूड़े का ढेर जमा, जिसका उठाव नहीं होने से फैलकर नाली में चला जा रहा है। इतना ही नहीं जिस सेंट्रल नाला से सभी नालियों का जुड़ाव है, उसकी स्थिति तो और दयनीय बनी हुई है। सेंट्रल नाला जो शक्ति द्वार से शुरू होकर विभिन्न मोहल्ले को पार करते हुए काव नदी में जाकर मिलता है, कई स्थानों पर जाम हो गया है। इसकी सफाई नहीं होने के कारण उसमें पेड़-पौधे जम गए हैं, इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि इसकी सफाई कितने दिनों से नहीं हुई है। नगरवासी रामेश्वर शर्मा, जदयू नेता गोपाल प्रसाद गुप्ता, राजेन्द्र पाल, मिंटू हाशमी सहित अन्य का कहना है कि पुराना थाना रोड में ऐसी एक नाली है जिसकी सफाई वर्षो से नहीं हुई, जिससे उसमें जमा पानी बदबू देता है। इसकी शिकायत करने के बाद भी नप के द्वारा अनसुनी किया जा रहा है। बरसात के कारण इसकी स्थिति और बदतर हो गई है, लोगों को घर में रहना मुश्किल हो रहा है। नगरवासियों का कहना है कि 46 हजार से एकबार में ही 90 लाख सफाई एनजीओ की महीने की रकम बढ़ा कर दिया गया, इस पर तरह-तरह की बात करते हुए सवाल खड़े किये जा रहे हैं। कई लोगों ने बताया की इसकी शिकायत नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव से की जाएगी। एसडीओ से करने पर उनका कहना है कि बोर्ड ने मुझे प्रवेश करने पर ही रोक लगा दिया है। ऐसे में तरह-तरह के सवाल हवा में तैर रहे हैं।

राहत की खबर : चार दिन बाद चौसा मोहनिया मार्ग पर शुरू हुआ यातायात

केटी न्यूज/बक्सर

गंगा व सहायक नदी कर्मनाशा में आई बाढ़ के कारण पिछले चार दिनों से चौसाझमोहनिया मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप था। सौ गज लंबाई तक सड़क पर करीब तीन फीट पानी चढ़ जाने से प्रशासन ने बैरिकेट लगाकर वाहनों का आवागमन रोक दिया था। इस वजह से चौसा और मोहनिया के बीच यात्रा करने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोग आवश्यक कार्यों के लिए नाव का सहारा ले रहे थे या फिर लंबा चक्कर काटकर वैकल्पिक मार्ग से आवागमन को मजबूर थे।

शुक्रवार शाम को जलस्तर घटने के साथ राहत की खबर आई। गंगा और कर्मनाशा में पानी कम होते ही सड़क पर जमा पानी उतर गया और प्रशासन ने बैरिकेट हटाकर यातायात की अनुमति दे दी। इसके बाद चौसाझमोहनिया मार्ग पर वाहनों की आवाजाही सामान्य होने लगी। सड़क खुलने से स्थानीय दुकानदारों और वाहन चालकों में खुशी देखी गई, क्योंकि अब सामान की आपूर्ति और रोजमर्रा के कामकाज में आसानी होगी।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि बाढ़ का पानी बढ़ने से कई गांवों का संपर्क टूट गया था और लोगों को अतिरिक्त समय व खर्च वहन करना पड़ रहा था। पानी घटने से न केवल आमजन को राहत मिली है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सहारा मिलेगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि सड़क पर हल्का कीचड़ और फिसलन अब भी बनी हुई है, इसलिए यात्री सावधानी बरतें। साथ ही, बाढ़ का खतरा पूरी तरह टलने तक निगरानी जारी रखने की बात कही है।

नेशनल फार्मास्युटिकल्स प्राइसिंग अथॉरिटी ने इमरजेंसी इस्तेमाल की 4 अहम दवाओं मूल्य तय कर दिए

मनमानी : दवाओं पर अधिक कीमत लागू कर लूटने वाली कंपनी पर सरकार ने की कार्रवाई

केटी न्युज। रोहतास

केंद्र सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जरूरी दवाओं की कीमतों पर अंकुश लगा दिया है । अब कंपनियां इन दवाओं को मनमाने दामों पर नहीं बेच पाएंगी, जिससे मरीजों की जेब पर पड़ने वाला एक्स्ट्रा बोझ कम होगा। नेशनल फार्मास्युटिकल्स प्राइसिंग अथॉरिटी ने इमरजेंसी इस्तेमाल की 4 अहम दवाओं और 37 एंटीबायोटिक, दर्द निवारक व अन्य जरूरी दवाओं के अधिकतम मूल्य तय कर दिए हैं। ये दवाएं संक्रमण, दिल की बीमारी, सूजन, डायबिटीज और विटामिन की कमी जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज में इस्तेमाल होती हैं। एनपीपीए के आदेश के मुताबिक,निमार्ता अब इन दवाओं को तय सीलिंग प्राइस जीएसटी सहित से ज्यादा कीमत पर नहीं बेच सकेंगे । जिन कंपनियों की मौजूदा कीमतें इससे कम हैं, वे वही दाम बरकरार रखेंगी। नई कीमतें लागू होने के बाद बाजार में पारदर्शिता और मरीजों के लिए सस्ती दवा उपलब्धता सुनिश्चित होगी। सरकार द्वारा तय की गई नई कीमतों में इप्राट्रोपियम क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के लिए का दाम ?2.96 प्रति मिलीलीटर सोडियम नाइट्रोप्रसाइड हाई ब्लड प्रेशर की इमरजेंसी में का दाम ?28.99 प्रति मिलीलीटर डिल्टियाजेम यानी हाई बीपी और सीने के दर्द के लिए का दाम ?26.72 प्रति कैप्सूल पोविडोन आयोडीन सर्जरी व घावों की सफाई के लिए का दाम ?6.26 प्रति ग्राम इसके अलावा पैरासिटामोल, एटोरवास्टेटिन, एमोक्सिसिलिन, मेटफॉर्मिन, एसिक्लोफेनाक और ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन जैसी कई दवाओं की कीमतों में भी कटौती की गई है । एनपीपीए ने सभी रिटेलर्स और डीलरों को नई कीमतें प्रमुखता से डिस्प्ले करने का आदेश दिया है । अगर कोई कंपनी या विक्रेता नए रेट्स का पालन नहीं करता है, तो उसके खिलाफ डीपीसीओ और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत सख्त कार्रवाई होगी, जिसमें ब्याज सहित अवैध रूप से वसूली गई रकम की वापसी भी शामिल है ।

एक नजर

सांप के डसने से होमगार्ड जवान की मौत

आरा। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के घोड़ादेई गांव में शनिवार की सुबह विषैले सांप के डसने से एक होमगार्ड जवान की मौत हो गयी. जानकारी के अनुसार मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के घोड़ादेई गांव निवासी स्व इस्लाम अंसारी के 50 वर्षीय पुत्र मुस्लिम अंसारी है. वह होमगार्ड जवान थे. वर्तमान में बिहिया चौरस्ता पर कार्यरत थे. इधर, मृतक के भाई मो शमीम ने बताया कि प्रतिदिन की तरह शनिवार की सुबह भी अपनी ड्यूटी पर बिहिया चौरस्ता जा रहे थे. जाने के क्रम में जैसे ही घर से बाहर निकले, तभी विषैले सांप ने डस लिया. इससे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गयी. उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया. सूचना पर मुफस्सिल थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया. बताया जाता है कि मृतक अपने पांच भाई व तीन बहन में तीसरे स्थान पर थे. उनके परिवार में पत्नी गुलशन आरा, दो पुत्री रूही, रुबीना व दो पुत्र अरबाज एवं आजाद है. घटना के बाद मृतक जवान के घर में हाहाकार मच गया है. मृतक की पत्नी गुलशन आरा एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बड़हरा विधायक ने नाव से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लोगों का हालचाल जाना एवं राहत व्यवस्था का लिया जायजा

केटी न्युज। आरा

बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह लगातार दूसरे दिन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो का निरीक्षण अधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि के साथ किया।

शनिवार को बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने केशोपुर से एसडीआरएफ टीम, अंचल राजस्व अधिकारी,स्थानीय पंचायत जनप्रतिनिधि एवं कार्यकताओं के साथ मोटरवान नाव से नेकनाम टोला बाँध पर पहुंचे। वहाँ उन्होने नेकनाम टोला पंचायत के शालीग्राम एवं नेकनाम टोला गाँव के बाढ़ पीड़ितों से मिलकर उनका हालचाल जाना। उनकी समस्याओं को सुना और उपस्थित अंचल राजस्व अधिकारी को जल्द उनकी समस्या दूर करने का निर्देश दिया। बाढ़ पीड़ित लोगो की मांग पर सामुदायिक किचेन शुरू करने का निर्देश विधायक द्वारा दिया गया। तदोपरांत अंचल राजस्व पदाधिकारी एवं नेकनाम टोला पंचायत मुखिया द्वारा लगभग साढ़े तीन सौ व्यक्तियो को प्लास्टिक सीट एवं राशन वितरण किया गया।

तदोपरांत विधायक ने बखोरापुर, हाजीपुर, दूबे छपरा पहुंच कर बाढ़ की स्थिति की जानकारी लोगो से लिया और उनकी समस्याओं से रूबरू हुए।

बड़हरा विधायक ने कहा कि बड़हरा विधानसभा क्षेत्र मे आए बाढ से जनमाल की क्षति हो रही है। पशुओ के लिए आहार की व्यवस्था की गई है और राशन वितरण के साथ जरूरत मंद लोगो को प्लास्टिक सीट भी प्रदान किया जा रहा है। भोजन की व्यवस्था को देखते हुए सामुदायिक किचेन के लिए भी कहा गया है। उन्होने कहा कि किसी का तबीयत खराब होने पर उन्हे तुरंत चिकित्सीय लाभ प्रदान किया जा रहा है। एसडीआरएफ की टीम हमेशा तैनात है। प्रखंड,अंचल पदाधिकारी एवं मुझसे संपर्क करने पर कोई भी आवश्यक सुविधा तुरंत उपलब्ध कराया जा रहा है। मै लगातार क्षेत्र के लोगो से मिलता रहता हूँ ओर आगे भी मेरा दौरा जारी रहेगा।

साथ मे अंचल राजस्व पदाधिकारी दीवाकर जी,नेकनाम पंचायत मुखिया परमा राय,भाजपा बड़हरा विधानसभा प्रभारी संजय कुमार सिंह,उज्जवल सिंह,पप्पू सिंह,जवाहिर केसरी, रामबाबू पांडेय आदि कार्यकर्ता थे।

12 अगस्त को मुख्यमंत्री बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं से करेंगे संवाद

केटी न्युज। रोहतास

मुख्यमंत्री मुफ्त 125 यूनिट बिजली के फैसले पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 12 अगस्त को बिजली उपभोक्ताओं के साथ संवाद करेंगे। मालूम हो कि सभी घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को प्रतिमाह 125 यूनिट तक निःशुल्क बिजली देने का निर्णय राज्य सरकार ने पिछले दिनों कैबिनेट से लिया था। इसके बाद एक अगस्त 2025 से लोगों को 125 यूनिट तक पूर्ण अनुदान पर बिजली मिल रही है। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया की उपभोक्ताओं को योजना की संपूर्ण जानकारी देने हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिनांक 12 अगस्त को विद्युत उपभोक्ता संवाद कार्यक्रम के माध्यम से बिक्रमगंज सब डिवीजन के उपभोक्ताओं से सीधा संवाद करेंगे। बिजली कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार इस संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य है कि उपभोक्ता इस योजना के विभिन्न पहलुओं को बेहतर ढंग से समझ सकें। कार्यक्रम के संचालन हेतु प्रत्येक विद्युत आपूर्ति प्रशाखा में चार संवाद स्थल निर्धारित किए गए हैं। साथ ही विद्युत आपूर्ति प्रमंडल व जिला स्तर पर भी संवाद स्थलों का चयन किया गया है। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज अंतर्गत 20 स्थानों यथा- अजित ऑडिटोरियम बिक्रमगंज, घुसियाखुर्द, नोनहर, मोहनी, बलिहार, गोशलडीह, शिओबहार, अगरेरखुर्द, भलूनीधाम, गुनसेज, दिनारा फील्ड, गंजभड़सरा, संझौली फील्ड, मथुरापुर, उदयपुर, चांदी इंग्लिश, सेमरी, दावथ, देवढ़ी, सुन्दर मे आयोजित संवाद कार्यक्रम से उपभोक्ताओं के साथ मुख्यमंत्री द्वारा सीधा संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री के संवाद को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने हेतु सभी संवाद स्थलों पर एलईडी स्क्रीन, प्रोजेक्टर व टीवी की व्यवस्था की जा रही है। इस संवाद कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, पंचायती राज संस्थानों के प्रतिनिधिगण, मीडिया प्रतिनिधिगण एवं संबंधित हितधारकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

बिहार पृथ्वी दिवस पर संत जोसेफ स्कूल में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

केटी न्युज। रोहतास

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वाधान में रोहतास वन प्रमंडल सासाराम के द्वारा रक्षा बंधन और बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर बच्चों, वनपाल और वनरक्षियों की सहभागिता के साथ मुख्यालय सासाराम कनोडिया पंप स्थित संत जोसेफ स्कूल परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी को ग्यारह सूत्री संकल्प दिलवाया गया। इस संकल्प का प्रमुख उद्देश्य था–लोगों में पर्यावरण संरक्षण की भावना जगाना, वृक्षों की सुरक्षा को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना, अधिक से अधिक पौधारोपण को प्रोत्साहित करना, जैव विविधता का संरक्षण करना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित भविष्य सुनिश्चित करना। इस कार्यक्रम का शुभारंभ वनपाल अमित कुमार, स्कूल निदेशक सह बिहार पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन जिला अध्यक्ष संतोष कुमार, वनरक्षी पंकज कुमार, अक्षय कुमार एवं स्कूल प्रधानाचार्य शिवानी कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर किया ' स्कूल निदेशक संतोष कुमार ने बताया कि बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों के साथ अधिकारी गण एवं स्कूल के शिक्षकगण स्कूल परिसर में पेड़ को राखी बांधकर पेड़ों की रक्षा का संकल्प लिया ' कार्यक्रम के बाद बच्चों ने कनोडिया पंप स्थित नवनिर्मित स्विमिंग पूल के पास वृक्षारोपण किया ' वही बच्चों ने जनजीवन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण सुरक्षा के बारे में वन अधिकारीगण से जानकारी प्राप्त किया ' मौके पर वाइस प्रिंसिपल के बी सिंहा, एकेडमिक इंचार्ज किरण कश्यप, एक्टिविटी इंचार्ज सुप्रिया पांडे, ऋषिका कुमारी के साथ छात्र-छात्राएं उपस्थित थे ।

करहगर : क्रांति दिवस पर किसान महासंघ ने सांसद और विधायकों का पुतला फूंका

केटी न्युज। रोहतास

क्रांति दिवस पर किसान महासंघ, ने प्रखंड पर जिला के सांसदों तथा विधायकों का पुतला फूंका। ज्ञात हो कि किसान महासंघ सोन नदी पर प्रस्तावित कदवन जलाशय के लिए, पिछले 15 वर्षों से संघर्षरत है तथा पिछले साल 11 नवंबर 2024 से 2 महीना के लिए सासाराम जिला मुख्यालय पर धरना दिया था, जिसमें जिला के किसी भी जनप्रतिनिधि ने साथ नहीं दिया था, बल्कि, जिला के विकास कमेटी की बैठकों में उन्होंने जिला प्रशासन पर धरना को समाप्त करवाने में पूरा जोर लगा दिया। इनमें से कुछ जनप्रतिनिधि तो स्वयं को किसान नेता भी बताते हैं। किसान महासंघ के संस्थापक रामाशंकर सरकार ने बताया कि वर्षा आधारित खेती की अनिश्चितता देखते हुए ही अंग्रेजों ने सोन पर एनीकट बांध बनाकर अनेकों जिलों में नहरों से सिंचाई का पानी पहुंचाया था। बढ़ती जरूरत को देखते हुए बाद की सरकारों ने इंद्रपुरी बैराज बनाया। ये नहर, सिंचाई के अलावा, क्षेत्र में भूमिगत जलस्तर को भी बनाकर रखते थे। लेकिन बढ़ती मांगों के अनुरूप एक बार फिर सरकार ने 1990 में कदवन जलाशय वर्तमान में इंद्रपुरी जलाशय का शिलान्यास किया था। शुरू में कुछ काम होने के बाद पिछले 35 वर्षों से इसमें कोई काम नहीं हुआ। कई बार सरकारों ने फिर से काम शुरू करने की घोषणा की, डीपीआर बनवाने की कवायत हुई। इसमें भी करोड़ों रुपए खर्च कर दिए गए। इन सब का विरोध और कदवन जलाशय के जल्दी निर्माण की मांग कर रहे किसान महासंघ के धरने के टेंट को जिला प्रशासन ने रात में उखड़वा दिया। धरनार्थियों के मानसिक तथा शारीरिक उत्पीड़न, बाजा, टेंट आदि सामानों की जब्ती, उनका ना लौटाया जाना, यह सब जिला के जनप्रतिनिधियों के नाक के नीचे हुआ। जबकि सभी को दो-दो बार धरना की सूचना देते हुए मांग के समर्थन का अनुरोध किया गया था। इस पर भी धरना रुका नहीं। अभी सरकार के आश्वासन पर धरना भले स्थगित है, लेकिन जनप्रतिनिधियों के चेहरे से नकाब हट चुका है। किसान महासंघ आज के पुतला दहन कार्यक्रम के माध्यम से इन जनप्रतिनिधियों के विरोध करने का आह्वान करता है। मौके पर केंद्रीय सचिव कामेश्वर सिंह, जिला मीडिया प्रभार कमलेश सिंह, करगहर प्रखंड अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह, श्याम बिहारी सिंह, शिव मुनि सिंह, श्रीनिवास, कामेश्वर साह, लक्ष्मण भारती, विनोद सिंह, हरिद्वार सिंह, राजेश गुप्ता, राहुल पटेल आदि मौजूद थे।

एक नजर

पुलिस ने महिला को 4 लीटर देसी शराब के साथ दबोचा

संझौली । संझौली थाना क्षेत्र के सियरुआ गांव से पुलिस ने एक महिला को 4 लीटर देसी मशालेदार शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार महिला की पहचान सियरुआ निवासी डोमनी कुंवर के रूप में हुई हैं। पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि महिला अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त है। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसके पास से 4 लीटर देसी मशालेदार शराब बरामद की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार महिला के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच पूरी होने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

यूपी से आई एक लाख की देसी शराब को पुलिस ने किया जब्त, 4 तस्कर गिरफ्तार

रोहतास। डेहरी में एक लाख का देसी शराब जब्त यूपी से लाई गई खेप सहित 4 तस्कर गिरफ्तार दो कार और 50 हजार कैश बरामद डेहरी में पुलिस ने शराब तस्करों पर बड़ी कार्रवाई की है।डालमियानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी किया। इस दौरान एक कार से 51 कार्टून ब्रांडेड देसी शराब जब्त की गई। पुलिस ने चार तस्करों को रंगेहाथ पकड़ लिया। बरामद खेप शराब की कीमत बाजार करीब 1 लाख आंका गया है। इस संबंध में एएसपी अतुलेश झा ने बताया कि यह शराब उत्तर प्रदेश से डेहरी लाई गई थी। जिस मामले में गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ के आधार पर अग्रिम कार्रवाई में पुलिस जुट गई हैं।

दावा आपत्ति प्राप्त हेतु प्रचार-प्रसार रथ को डीएम ने हरी झंडी दिखा किया रवाना

सासाराम। शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी उदिता सिंह के द्वारा समाहरणालय परिसर से मतदाता सूची, विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत दावा आपत्ति प्राप्त करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत यह जागरूकता-रथ रोहतास जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों, गाँवों, टोलों आदि में दावा आपत्ति को लेकर मतदाताओं को जागरूक करेगा। उन्होंने कहा की प्रारूप मतदाता- सूची में यदि कोई त्रुटि हो या किसी का नाम छूट गया हो तो वे 1 सितंबर 2025 तक दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। निर्देश दिया गया है कि दावा या फिर आपत्ति अवधि के दौरान मिशन मोड में कार्य करते हुए विशेष कैंपों का आयोजन किया गया है, जिससे दावा आपत्तियों का त्वरित और पारदर्शित तरीके से निपटारा सुनिश्चित किया जा सके। किसी भी योग्य मतदाता का नाम नहीं छूटे इसके लिए 1 अगस्त से ग्यारह सितंबर 2025 तक जिले के सभी प्रखंड कार्यालय और सभी नगर- निकायों में विशेष कैंप संचालित है। डीएम ने कहा कि 01 जुलाई तक किसी ने 18 वर्ष की उम्र पूरी कर ली है या 01 अक्टूबर तक कर लेंगे, फॉर्म 6 के साथ घोषणा पत्र दें और नाम जुड़वाएं। जो प्रपत्र 6 नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए, प्रपत्र 7 मृत अप्रवासी मतदाताओं के नाम हटाने के लिए, प्रपत्र-8-नाम, पता या अन्य विवरण में सुधार हेतु भरा जा सकता है। नागरिकों से अपील किया गाय है कि वे मतदाता-सूची में अपनी प्रविष्टि की जाँच करें और आवश्यक सुधार या नाम जोड़ने की प्रक्रिया समय रहते पूरा कर लें। अवसर पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी तथा जिला सूचना जन संपर्क पदाधिकारी के साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

समाज की रक्षा के लिए रक्षा सूत्र बांधकर संकल्पित होना ही सही माने में ये दिवस मनाने का महत्व

मुनिश्री विशल्य सागरजी के सानिध्य में वात्सल्य दिवस मनाया गया

केटी न्युज। आरा

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास कर रहे मुनि श्री 108 विशल्य सागर जी महाराज के सानिध्य में भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव एवं वात्सल्य दिवस मनाया गया। प्रातः समय में श्रीजी का भव्य पंचामृत अभिषेक, वृहद शांतिधारा, भगवान श्रेयांसनाथ पूजन, निर्वाण लाडू समर्पण के पश्चात रक्षाबंधन पूजन, मुनिश्री का पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट के उपरांत वात्सल्य दिवस के अवसर पर गुरुवर के पिच्छिका में रक्षा सूत्र बंधन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें प्रथम निर्वाण लाडू समर्पण एवं प्रथम पिच्छिका में रक्षा सूत्र बंधन का सौभाग्य ब्र सुलोचना दीदी को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मुनिश्री विशल्य सागर जी महाराज ने धर्मसभा में बताया कि जैन धर्म में रक्षाबंधन का पर्व इसलिए मनाया जाता है कि आज ही के दिन हस्तिनापुर में 700 मुनिराजो पर आए उपसर्ग को आचार्य श्री विष्णु कुमार महामुनिराज जी ने दूर किया था उसी के उपलक्ष में रक्षाबंधन का त्यौहार जैन समुदाय में वात्सल्य दिवस के रूप मनाया जाता है। वात्सल्य दिवस सही माने में संकल्प दिवस का है जिसमें सिर्फ बहन द्वारा रक्षा के लिए भाई को रक्षा सूत्र बांधने का ही नहीं बल्कि इस त्यौहार को संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए जिसमें सभी का रक्षा हो सके जैसे गुरु-शिष्य, भाई-बहन, पिता-पुत्र, माता-पिता, धर्म, संस्कृति, समाज की रक्षा के लिए रक्षा सूत्र बांधकर संकल्पित होना ही सही माने में ये दिवस मनाने का महत्व है। वात्सल्य का पर्व है ,धर्म धर्मात्मा की विपत्ति को टालने का पर्व है, तीर्थ रक्षा का पर्व है, तीर्थंकर की वाणी की रक्षा का पर्व है, संयम की रक्षा का पर्व है। मीडिया प्रभारी निलेश कुमार जैन ने बताया कि वात्सल्य दिवस के अवसर पर मुनिसंघ के आहारचर्या के लिए कई सौभाग्यशाली जोड़ो के साथ-साथ बच्चें, युवा, पुरुष एवं महिलाओं ने मुनिसंघ का पड़गाहन एवं आहारचर्या सम्पन्न कराया। ब्र अलका दीदी, ब्र भारती दीदी, ब्र अनीश भैया के द्वारा भाव भक्ति किया गया। वात्सल्य दिवस के मौके पर मुनिसंघ के सचिव अजय कुमार जैन, संयोजक डॉ शशांक जैन, अंशु जैन, छवि जैन, मनीष जैन, आलोक किशोर जैन, अभय कुमार जैन, शैलेश कुमार जैन, सुषमा जैन, उषा जैन, नेहा जैन, अलका जैन, रीना जैन, निर्मला जैन, ज्ञानी जैन, वंश जैन, प्रांजल जैन, मन्नू जैन, अशोक जैन, मृगांक जैन, लक्ष्य जैन, डॉ श्वेता जैन, अमूल बंसल, साहू जैन, अरिहंत जैन, रश्मि जैन, मीना जैन के साथ सैकड़ों की संख्या में भक्तगण शामिल थे।

37 हजार किमी से अधिक रोड के मेंटेनेंस का काम पूरा

बिहार में तेजी से बदल रही ग्रामीण सड़कों की तस्वीर

केटी न्युज। आरा

बिहार में ग्रामीण सड़कों की मरम्मती तेजी से हो रही है। 2018 की ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति के तहत अब तक 37 हजार किमी से अधिक सड़कों का रखरखाव पूरा किया गया है। पूर्वी चंपारण सबसे आगे, इसके बाद पश्चिम चंपारण और मुजफ्फरपुर का स्थान। बिहार में ग्रामीण सड़कों की तस्वीर लगातार बदल रही है। बिहार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति 2018 के तहत ग्रामीण कार्य विभाग ने 40 हजार, 252 किलोमीटर सड़कों की मरम्मती और रखरखाव की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। जिसमें से 37 हजार, 026.185 किलोमीटर से भी अधिक सड़कों का अनुरक्षण किया जा चुका है।इस योजना के तहत अबतक 16 हजार, 167 ग्रामीण सड़कों की मरम्मती की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसकी कुल लंबाई 40 हजार, 252.831 किलोमीटर से अधिक है। इस पर 20 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की धनराशि खर्च की जा रही है। इनमें से 15 हजार, 404 सड़कों की प्रारंभिक मरम्मती का काम पूरा किया जा चुका है, जिनकी कुल लंबाई 36 हजार, 574 किलोमीटर से भी अधिक है।बिहार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति 2018 के तहत पूर्वी चंपारण में 2370.42 किलोमीटर से अधिक लम्बाई की सड़कों के अनुरक्षण का कार्य पूरा कर लिया गया है। दूसरे स्थान पर पश्चिम चंपारण है, जहां अब तक 1979 किलोमीटर से अधिक सड़कों का रख-रखाव पूरा हो चुका है। इसके बाद मुजफ्फरपुर में 1644.85 किलोमीटर, सारण में 1570.11किमी, समस्तीपुर में 1399.11 किलोमीटर, रोहतास में 1358.96 किलोमीटर, गया में 1364.88 किलोमीटर, वैशाली में 1351 किलोमीटर, पटना में 1335.81 किलोमीटर, मधुबनी में 1242.03 किलोमीटर सड़कों का रखरखाव किया गया है।बता दें कि बिहार ग्रामीण सड़क अनुरक्षण नीति 2018 के तहत राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क को मजबूत करना है। इस योजना के तहत ग्रामीण सड़कों, पुलों का रख-रखाव और मरम्मती का कार्य किया जाता है। ताकि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में लम्बी अवधि तक संपर्कता प्रदान की जा सके।

खान सर को छात्राओं ने बांधी 10 हजार से ज्यादा राखी, दावत में बनवाए 156 प्रकार के व्यंजन

- सलामती और जल्द रिहाई की दुआ मांगी

एजेंसी/पटना

भाई बहनों के प्रेम का त्यौहार रक्षाबंधन के मौके पर पटना के एस के मेमोरियल हॉल में मशहूर कोचिंग शिक्षक खान सर ने भी मनाया, जहां काफी संख्या में लड़कियों ने खान सर को राखी बांधी. खान सर ने कहा कि यह सिर्फ मुझे ही सौभाग्य प्राप्त है कि इतनी ज्यादा बहनें मुझे राखी बांधती है. कई स्टेट की लड़कियां यहां हमें राखी बांधने आई हैं. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज मेरी कोई छात्रा नहीं है, सभी मेरी बहनें है. मेरी बहनों ने इतनी राखी बांध दी है कि मेरा थोड़ा ब्लड सकुर्लेशन रुक गया है, लेकिन अभी तो यह शुरूआत है. पूरे दिन राखी बांधी जाएगी हमने डॉक्टर को भी बुलाया है. उन्होंने कहा कि हर रक्षाबंधन पर हम अपने छात्राओं को बहन मानकर राखी बंधवाते हैं और हर वर्ष नया रिकॉर्ड टूटता है. पिछले सालों के रिकॉर्ड भी टूटेगा. उन्होंने कहा कि सभी बहनों को खाने-पीने के लिए 156 प्रकार के व्यंजन की व्यवस्था की गई है।

बिहार में मतदाता सूची में लापरवाही का बड़ा खुलासा

एक ही मकान संख्या पर 230 मतदाताओं के नाम, लिस्ट में मृतकों के नाम भी शामिल

केटी न्युज। जमुई

बिहार के जमुई जिले के सदर प्रखंड के चौड़ीहा पंचायत के आमीन गांव में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में भारी गड़बड़ी सामने आई है। वार्ड संख्या 3 में एक ही मकान संख्या (3) पर करीब 230 मतदाताओं के नाम दर्ज कर दिए गए, जिनमें आधा दर्जन से अधिक मृतक भी शामिल हैं। यह खुलासा फर्स्ट बिहार की पड़ताल में हुआ, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। ग्रामीण भी हैरान हैं कि आखिर एक ही मकान में इतने परिवारों के लोग कैसे रह सकते हैं।स्थानीय 70 वर्षीय नूर हसन ने बताया कि बीएलओ गांव में घर-घर निरीक्षण के लिए आए ही नहीं। वे गांव के बाहर एक स्थान पर बैठकर फॉर्म भरते रहे और बिना हस्ताक्षर सत्यापन के फॉर्म भेज दिए। मो. दानिश ने भी आरोप लगाया कि बीएलओ राजीव कुमार और गौतम कुमार गांव में घरों का दौरा किए बिना बाहर ही बैठकर कागजी कार्रवाई निपटा दी, जिससे एक ही मकान में 200 से अधिक मतदाता दर्शा दिए गए।गांव के मो. शाहनबाज ने बताया कि मो. अलीजान की पत्नी कौशल खातून का निधन तीन साल पहले हो चुका था, फिर भी उनका नाम मतदाता सूची में है। जमुई जिले के आमीन गांव में मतदाता सूची संशोधन के दौरान ऐसा खुलासा हुआ है, जिसने स्थानीय लोगों से लेकर प्रशासन तक को कटघरे में खड़ा कर दिया है. एक ही मकान संख्या-3 के पते पर 230 लोगों के नाम दर्ज कर दिए गए, जिनमें से कई लोग 3 से 5 साल पहले ही गुजर चुके थे.गांव के लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार बीएलओ ने घर-घर जाकर सत्यापन करने की बजाय गांव के बाहर बैठकर ही फॉर्म भर दिए और पूरी वोटर लिस्ट में गड़बड़ी फैला दी. गांव के निवासी के मुताबिक, बीएलओ राजीव कुमार और गौतम कुमार गांव तो आए, लेकिन किसी के घर में नहीं गए. वे एक पेड़ के नीचे बैठ गए और वहीं से लोगों को बुलाकर फॉर्म भरने लगे. न तो पते की पुष्टि की, न दस्तखत लिए, और न कोई पूछताछ की. ग्रामीणों को इस गड़बड़ी की जानकारी तब मिली जब उन्हें वोटर लिस्ट की फोटो कॉपी दिखाई गई. तब जाकर पता चला कि सैकड़ों लोगों का पता गलत दर्ज है और मृतक भी ह्लजिंदाह्व हो गए हैं.बीएलओ राजीव कुमार चौधरी ने सफाई देते हुए कहा कि यह सब ह्लसिस्टम की तकनीकी खराबीह्व के कारण हुआ है. उन्होंने माना कि मृतकों के नाम लिस्ट में आना लापरवाही है, लेकिन खुद को दोषी मानने से इनकार किया. उनका कहना है कि वे प्रपत्र-7 के जरिए मृतकों के नाम हटवाएंगे और मकान संख्या की गड़बड़ी तकनीकी स्तर पर सुधारी जाएगी. गांव के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की स्वतंत्र जांच कराई जाए और घर-घर जाकर पुनः सत्यापन किया जाए. साथ ही, चुनाव आयोग को तकनीकी खामियों को दूर करने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की अपील की है।

एक पते पर 230 नाम

जमुई मुख्यालय से लगभग 12 किमी दूर आमीन गांव में मतदाता सूची संशोधन कार्य में चौंकाने वाली लापरवाही सामने आई है. यहां चौड़ीहा पंचायत के वार्ड संख्या-3 को बीएलओ ने मकान संख्या-3 मानकर एक ही पते पर 230 लोगों के नाम दर्ज कर दिए. गांव वालों का कहना है कि उनके यहां किसी भी घर पर मकान संख्या लिखी नहीं होती, सब लोग नाम और पहचान के आधार पर घर जानते हैं. लेकिन बीएलओ ने अपनी मर्जी से सभी को मकान संख्या-3 में दर्ज कर दिया।

मृतक भी सक्रिय मतदाता बने

गांव वालों के मुताबिक, लिस्ट में 10 से 15 ऐसे लोगों के नाम भी शामिल हैं, जिनकी मृत्यु 3 से 5 साल पहले हो चुकी है. जैसे कि मो. अलीजान की पत्नी कौशल खातून, जिनका निधन तीन साल पहले हो गया था, उनका नाम भी नई वोटर लिस्ट में मौजूद है. ग्रामीणों ने इसे न सिर्फ लापरवाही बल्कि मतदाता सूची की साख पर चोट बताया है।

रक्षाबंधन के अवसर पर बिहारशरीफ में मेरा विधायक मेरा परिवार के तहत मंत्री डॉ. सुनील कुमार को 600 महिलाओं ने बांधी राखी

एजेंसी/पटना

पटना। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर बिहारशरीफ में "मेरा विधायक, मेरा परिवार" कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस विशेष अवसर पर 600 से अधिक महिलाओं ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार सरकार के मंत्री एवं स्थानीय विधायक डॉ. सुनील कुमार को राखी बांधी। भावनाओं से भरे इस समारोह में महिलाओं ने मंत्री को राखी बांधकर न सिर्फ भाई का स्नेह जताया, बल्कि अपने सुख-दुख में साथ खड़े रहने का भरोसा भी उनसे पाया। जवाब में डॉ. सुनील कुमार ने सभी बहनों का आशीर्वाद और प्रेम स्वीकार करते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र की हर महिला की सुरक्षा, सम्मान और सहयोग का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बहनों को प्रेम और सम्मान के प्रतीक स्वरूप सुंदर घड़ियां भेंट कीं। इस मौके पर मंत्री ने कहा, रक्षाबंधन सिर्फ एक त्यौहार नहीं, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सुरक्षा का प्रतीक है। मेरे क्षेत्र की हर महिलाओं की रक्षा एवं सम्मान मेरा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आज देश हो या राज्य हर जगह महिलाओं को एनडीए सरकार पर भरोसा है। क्योंकि जो काम कई दशकों में विपक्षी पार्टी की सरकारों ने नहीं किया, वो महिलाओं के हितार्थ वो सभी कार्य देश के यशस्वी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और बिहार में सुशासन के प्रतीक माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी की नेतृत्व वाली सरकार ने कर दिखाया। इसका लाभ बिहारशरीफ में भी माताओं एवं बहनों को मिला। इसलिए आगे भी माताओं एवं बहनों का आशीर्वाद हमें मिलेगा, यह आज इस पावन अवसर पर साफ जाहिर हो रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रक्षाबंधन के इस अनोखे उत्सव ने न केवल रिश्तों को मजबूत किया बल्कि जनप्रतिनिधि और जनता के बीच विश्वास की डोर को भी और सुदृढ़ बना दिया।

पूर्णिया के रेड लाइट एरिया में छापेमारी: देह व्यापार से जुड़ी पांच महिलाएं और 9 ग्राहक हिरासत में

केटी न्युज। मुजफ्फरपुर

जिले के हरदा बाजार स्थित रेड लाइट एरिया में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। सवेरा एनजीओ की सूचना पर की गई इस कार्रवाई में देह व्यापार से जुड़ी पांच महिलाओं और नौ ग्राहकों को हिरासत में लिया गया, जबकि दो नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू किया गया है। बरामद नाबालिगों में एक मुजफ्फरपुर जिले की भी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि देह व्यापार के लिए बाहर से लड़कियों को लाया जा रहा है। इसके बाद एसपी स्वीटी सहरावत के निर्देश पर ट्रैफिक डीएसपी सह प्रभारी सदर एसडीपीओ कौशल किशोर कमल के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम में मरंगा थानाध्यक्ष रूपक रंजन सिंह, महिला थाना पुलिसकर्मी और सादे लिबास में अन्य जवान शामिल थे।पुलिस टीम और सवेरा एनजीओ के सदस्य अचानक हरदा बाजार पहुंचे और कई घरों में छापेमारी की। पुलिस के पहुंचते ही कई लोग भागने लगे, लेकिन खदेड़कर कई लोगों को पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। मरंगा थानाध्यक्ष रूपक रंजन सिंह ने बताया कि छापेमारी में कई महिला और पुरुष हिरासत में लिए गए हैं। सभी से बारीकी से पूछताछ की जा रही है, ताकि देह व्यापार से जुड़े बड़े रैकेट का पदार्फाश किया जा सके।

सुपौल में सरपंच के बेटे की गोली मारकर हत्या

सुपौल। सुपौल जिले के भपटियाही थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर अपराधियों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया. मुरली पंचायत के वर्तमान सरपंच के 45 वर्षीय पुत्र श्रीराम यादव को अज्ञात बदमाशों ने लालगंज चौक पर सिर में गोली मार दी. घटना के बाद बदमाश आराम से फरार हो गए. वहीं गंभीर रूप से घायल श्रीराम को स्थानीय निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रोजाना की तरह श्रीराम यादव चौक पर मौजूद थे, तभी बाइक सवार हमलावर पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी. एक गोली सीधे उनके सिर में लगी, जिससे वे मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े. उसके बाद हमलावर वारदात के बाद बाइक से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग घायल को निजी अस्पताल ले गए।

पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार को राज्य के सभी जिलों में बारिश की संभावना बनी हुई है

बिहार के 9 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, तापमान में गिरावट

एजेंसी/पटना

अगस्त महीने की शुरूआत से ही पूरे बिहार में मॉनसून सक्रिय है. कभी उत्तर बिहार, तो कभी दक्षिण बिहार में लगातार मॉनसून करवटें ले रहा है. तो राजधानी पटना में तीन-चार दिनों बाद, कल शाम से एक बार फिर मॉनसून ने करवट ली है. मौसम पूवार्नुमान के अनुसार, शनिवार (9 अगस्त) को राज्य के सभी जिलों में बारिश की संभावना बनी हुई है और देर रात्रि से ही राजधानी पटना सहित कई जिलों में आज सुबह तक बारिश दर्ज की जा रही है. वहीं, आज 9 जिलों में भारी बारिश के लिए चेतावनी दी गई है. जिन 9 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है, उनमें शिवहर, सीतामढ़ी, भागलपुर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज और कटिहार जिला शामिल हैं. इन जिलों के अधिकांश स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवा के साथ मेघ गर्जन, बिजली चमकने और वज्रपात की बड़ी चेतावनी दी गई है. इसके अलावा, आज उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के सभी जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है. राजधानी पटना में कल शाम से ही मॉनसून ने करवट ले लिया और उसके बाद से देर रात से सुबह तक बारिश दर्ज की जा रही है. मौसम विभाग ने सुबह पटना के अलावा बक्सर, नालंदा, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पश्चिम चंपारण, सीतामढ़ी, वैशाली में सुबह 7 बजे तक लगातार बारिश होने का अलर्ट जारी किया है. वहीं, पटना सहित नालंदा, वैशाली, भोजपुर, बेगूसराय, अरवल, जहानाबाद में आज पूरे दिन बादल बने रहने के साथ रुक-रुक कर बारिश की प्रबल संभावना बन रही है.बीते शुक्रवार को भी कई जिलों में भारी से लेकर मध्यम स्तर की बारिश दर्ज हुई. इसमें सबसे अधिक औरंगाबाद में 120.4 मिलीमीटर, समस्तीपुर में 108, अररिया में 101.6, बक्सर में 75.8, सिवान में 70.4 मिलीमीटर के साथ भारी बारिश हुई. वहीं, दरभंगा में 62.6, मधुबनी में 62.02, लखीसराय में 59.2, शिवहर में 58.2, रोहतास में 55.4, गया में 52, किशनगंज में 49.2, भोजपुर में 48.4, सुपौल में 44, अरवल में 40.2, पटना के अथमलगोला में 37.2 मिलीमीटर के साथ मध्यम स्तर की बारिश हुई।

सुभाषितम्

जीवन का उस दिन अंत होना शुरू हो जाता है जिस दिन हम उन विषयों के बारे में चुप रहना शुरू कर देते है।-मार्टिन लूथर

टैरिफ की धमकी देकर उगाही कर रहे हैं ट्रंप?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर विश्व व्यापार के मंच पर धमकाने की मुद्रा में हैं। उन्होंने चुनाव के पहिले कहा था । दोबारा राष्ट्रपति बने, तो चीन सहित अन्य देशों पर भारी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप की यह कोई नई रणनीति नहीं है। पहले कार्यकाल में भी ट्रंप ने अमेरिका फर्स्ट के नारे के साथ वैश्विक व्यापार में टैरिफ को हथियार की तरह इस्तेमाल किया था। ट्रंप की यह रणनीति विश्व अर्थव्यवस्था के लिए जितनी घातक है, उतनी ही अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों और अमेरिका के नागरिकों के साथ विश्वासघात करने जैसी है। टैरिफ मूलतः किसी देश की घरेलू इकॉनमी को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने का साधन होता है। डोनाल्ड ट्रंप इसे एक राजनीतिक हथियार के रूप मे इस्तेमाल करते हुए राजनीतिक और स्वयं के आर्थिक हितों को साधने का साधन बना रहे हैं। चीन, भारत, यूरोपीय संघ इत्यादि किसी देश मे अगर ट्रंप को अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए मनचाहा मौका नहीं मिलता है। ऐसी स्थिति में वह टैरिफ की धमकी देकर एक तरह से ब्लैकमेल करते हैं। इसे आर्थिक कूटनीति नहीं, बल्कि धमकी की राजनीति से अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों को साधने के लिए वह टेरिफ को साधन बनाते हैं। यह तथ्य ध्यान देने योग्य है, अमेरिका का संविधान राष्ट्रपति को असीमित टैरिफ लगाने की शक्ति नहीं देता है। ट्रंप जिस तरह से दुनिया के देशों के साथ व्यापारिक टकराव खड़ा करते हैं। उससे अमेरिका के हितों को नुकसान हो रहा है। वही ट्रंप के निजी कारोबार को फायदा रहा है। उनका ऐसा करना अमेरिका की विधायी प्रक्रिया और वैश्विक व्यापार अनुबंधों की भावना के विरुद्ध है। व्यापार कोई युद्ध का मैदान नहीं है। व्यापारिक और सामरिक संबंध एक दूसरे के पूरक होते हैं। जो दो देशों की सहमति और सहयोग के लिए जरूरी होता है। किसी भी व्यापार में विश्वास की जरूरत सबसे ऊपर होती है। ट्रंप के वर्तमान व्यवहार से वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता बढ़ी है। सारी दुनिया के देश पहले ही आर्थिक मंदी से जूझ रहे हैं। कंपनियां निवेश को लेकर आशंकित हैं। आपूर्ति श्रृंखला मे टैरिफ के कारण अमेरिका में भी अव्यवस्था फैल रही है। लोगों को जरूरी सामान नहीं मिल पा रहा है। महंगाई बढ़ रही है। लोगों का बजट गड़बड़ा गया है। जिसके कारण अमेरिका की अर्थव्यवस्था भी मंदी की ओर बढ़ रही है। अंततः टैरिफ का बोझ अमेरिका के आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। वही स्थिति दुनिया के अन्य देशों के आम नागरिकों को भी भुगतना पड़ रही है। विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और गंभीर होती है। जो अमेरिकी बाजार पर अधिक निर्भर होते हैं। ट्रंप ने सत्ता में दोबारा लौटने के बाद वही पुरानी टैरिफ-धमकी की नीति अपनाई हैं। टैरिफ वार के कारण जहां एक ओर वैश्विक व्यापार को बड़े पैमाने पर नुकसान हो रहा है। वहीं अमेरिका की प्रतिष्ठा को भी वैश्विक स्तर पर ट्रंप के कारण नुकसान में जा रही है। वैश्विक नेतृत्व धमकी से नहीं, सहयोग और विश्वसनीय विदेश नीति से बनता होता है। अमेरिका को अपने प्रभाव का उपयोग जिम्मेदारी से करना चाहिए। अमेरिका जैसे देश के राष्ट्रपति बनने के बाद इस पर का उपयोग व्यक्तिगत लाभ में बदलने का प्रयास नहीं करना चाहिए। टैरिफ नीति संवेदनशील और संतुलित दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर तैयार की जाती है। नाकि चुनावी लाभ अथवा व्यक्तिगत कारोबारी लाभ के लिए उसे हथियार बनाने में किया जा सकता है। एक समय सोवियत रूस और अमेरिका दो महाशक्तियां थी। 1989 में सोवियत रूस का विघटन होने का कारण उस समय के सोवियत रूस के राष्ट्राध्यक्ष थे। जिसने अपने गणराज्य को अपने ही तरीके से हाँकना शुरू कर दिया था। देखते ही देखते सोवियत रूस बिखर गया। वर्तमान में चीन एक महाशक्ति के रूप में बड़ी तेजी के साथ उभर रहा है । अमेरिका ने रूस और चीन दोनों के साथ प्रतिबंध और टैरिफ का जो खेल खेला जा रहा है ।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं। जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है। थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथ है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी हैं आदिवासी

- ललित गर्ग

विश्व आदिवासी दिवस, 9 अगस्त, केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह सभ्यता की जड़ों और संवेदनशीलता के स्रोत को स्मरण करने का दिन है। यह दिन न केवल आदिवासियों के अस्तित्व, अधिकारों यानी जल, जंगल, जमीन और उनके जीवन की रक्षा का उद्घोष है, बल्कि यह नए भारत के पुनर्निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करने का भी अवसर है। आदिवासी समाज कोई पिछड़ा समूह नहीं, बल्कि वह सांस्कृतिक ऊर्जा का अक्षय स्रोत है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर पर्यावरण रक्षा तक, सामाजिक समरसता से लेकर आध्यात्मिक परंपराओं तक, हर दिशा में क्रांतिकारी भूमिका निभाई है। आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है।"जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है"-यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनौषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही "वनवासी" कहलाए गए, परंतु उनका जीवन दर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल-जंगल-जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज लूट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबरन भूमि अधिग्रहण की घटनाएं केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, संस्कृति, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज ऋण, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें "शरणार्थी" बना दिया है। वे भारत में रहकर भी अपने ही देश में अदृश्य नागरिक बन गए हैं, जिनके पास न राशन कार्ड है, न पहचान पत्र, न ही राजनीतिक प्रतिनिधित्व की शक्ति। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत की कल्पना में अगर "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" का सूत्र वाक्य सार्थक करना है, तो आदिवासी पुनर्जागरण सबसे पहली शर्त है। इस दिशा में गुजरात के प्रसिद्ध जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका जीवन आदिवासी क्षेत्रों के लिए संघर्ष, सेवा और सद्भाव की त्रयी बन गया है। वे वर्षों से आदिवासी समाज के उत्थान हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, रोजगार और संस्कृति संवर्धन के अभियान चला रहे हैं। उनका "सुखी परिवार अभियान" केवल परिवार को नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी समाज को जागृत करने का एक जनांदोलन बन चुका है। वे आदिवासियों में आत्मबल, आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता की भावना जगा रहे हैं। बालिका शिक्षा केंद्र, नैतिक शिक्षा अभियान, युवाओं के लिए स्वावलंबन कार्यशालाएं, महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, आदिवासी ग्रामोद्योग, आदिवासी संस्कृति उन्नयन और स्व-सहायता समूहों का गठन-ये सभी उनके प्रयासों का हिस्सा हैं। वे जनजातीय समाज में अहिंसा, नैतिकता और भारतीय संस्कृति के बीज बो रहे हैं, ताकि वे अपने मूल से कटे नहीं, बल्कि गौरव से जुड़े रहें।

आज आदिवासी समाज को जितना खतरा बाह्य आर्थिक और राजनीतिक शोषण से है, उससे कहीं अधिक सांस्कृतिक अस्मिता के विघटन से है। धर्मान्तरण की गतिविधियां न केवल धार्मिक परिवर्तनों का परिणाम देती हैं, बल्कि उससे जुड़ी मानसिक गुलामी और राष्ट्र-विरोधी मानसिकता भी पनपती है। गणि राजेन्द्र विजयजी इस खतरे को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने धर्मान्तरण के विरुद्ध शांति, संवाद और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का मार्ग अपनाया है। उन्होंने जैन धर्म के मूल्यों के साथ-साथ सभी धर्मों के सकारात्मक मूल्यों को आदिवासी जनजीवन से जोड़ा है ताकि वे किसी भी प्रकार की सांस्कृतिक हिंसा से बचें। गणिजी का स्पष्ट मत है कि हर आदिवासी को अपनी जड़ों में झांकना होगा। उसे यह पहचानना होगा कि वह केवल वनवासी नहीं, अपितु संस्कृति का संवाहक है।"वे आदिवासियों को आत्म निरीक्षण की प्रेरणा देते हैं कि "जो अपने मूल से कट जाता है, वह किसी भी विकास का अधिकारी नहीं बन सकता।" उनकी प्रेरणा से कई आदिवासी युवाओं ने शिक्षा ग्रहण की, रोजगार स्थापित किए, कुटीर उद्योगों की ओर बढ़े और सबसे महत्वपूर्ण, अपने आत्मगौरव को पुनः प्राप्त किया। आज जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन, ड्रोन टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार की ओर अग्रसर हो रही है, तब आदिवासी समाज को भी इस बदलाव की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है। तकनीक उनके जीवन में केवल बदलाव का कारक नहीं, बल्कि संरक्षण और सशक्तिकरण का माध्यम बन सकती है। एआई आधारित भाषाई अनुवाद तकनीकों से उनकी बोली और लोककथाओं को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जा सकता है, जिससे उनकी सांस्कृतिक विरासत विश्व तक पहुंचे। ड्रोन एवं जीआईएस तकनीक से आदिवासी क्षेत्रों के भू-अधिकार सुरक्षित किए जा सकते हैं। मोबाइल हेल्थ यूनिट्स, टेलीमेडिसिन और डिजिटल शिक्षा से वे दुर्गम क्षेत्रों में भी उन्नत जीवन स्तर पा सकते हैं। नवाचार तभी सार्थक होगा जब वह जंगलों में बसे एक युवा को भी ग्लोबल लर्निंग का अवसर प्रदान करे, न कि उसे अपनी जड़ों से काटे। आज की वैश्विक दुनिया "लोकल टू ग्लोबल" की सोच को प्रोत्साहित कर रही है और आदिवासी समाज इसमें एक अनमोल भागीदार बन सकता है। उनका पारंपरिक ज्ञान, जैविक खेती, वन औषधियों की समझ, हस्तशिल्प और पर्यावरण संतुलन की परंपराएं विश्व समुदाय के लिए एक वैकल्पिक जीवनदर्शन बन सकती हैं। इसके लिए जरूरी है कि आदिवासी युवा आधुनिक शिक्षा को अपनाएं, लेकिन अपनी संस्कृति और जीवनमूल्यों से जुड़े रहें। उन्हें अपने उद्यमिता कौशल को पहचानने और विकसित करने की आवश्यकता है, जैसे वनोपज आधारित उद्योग, इको-टूरिज्म, वन-हस्तशिल्प, संगीत-नृत्य उत्सव आदि के माध्यम से वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकते हैं। डिजिटल मार्केट प्लेस के जरिए उनके उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहुंचाया जा सकता है। आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा तभी पूर्ण होगी जब आदिवासी समाज भी अपने भीतर से आत्मनिर्भर बनकर आगे बढ़े। भारत की स्वतंत्रता केवल मैदानों और दरबारों में नहीं, बल्कि जंगलों और पहाड़ियों में भी लड़ी गई थी, जहाँ आदिवासी वीरों ने अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिला दी थी। बिरसा मुंडा जैसे अद्भुत योद्धा और आध्यात्मिक नेता ने न केवल अंग्रेजों के भूमि अधिग्रहण और धर्मान्तरण के विरुद्ध जनजागरण किया, बल्कि एक सशस्त्र संघर्ष को भी नेतृत्व प्रदान किया। झारखंड में चला उनका उलगुलान आंदोलन (महाविप्लव) आदिवासी अस्मिता और स्वाभिमान की एक ऐतिहासिक घोषणा थी। इसी तरह सिद्धू-कान्हू, रानी दुर्गावती, तेलंगाना के कोमराम भीम, भील आंदोलन के गोविंद गुरु, तेनालीराम बावरी, और नारायण सिंह जैसे अनेक आदिवासी सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर यह सिद्ध किया कि भारत की आजादी की चिंगारी सबसे पहले आदिवासी अंचलों में धधकी थी। बिरसा मुंडा और आदिवासी वीरों का आजादी में अविस्मरणीय योगदान रहा लेकिन दुर्भाग्यवश, इतिहास की मुख्यधारा में इनके योगदान को उतनी जगह नहीं मिली, जितनी मिलनी चाहिए थी। आज विश्व आदिवासी दिवस हमें इन भूलाए गए नायकों को स्मरण करने, उनका गौरव गान करने और नई पीढ़ी में उनकी प्रेरणा जगाने का अवसर देता है।

नरेला रक्षाबंधन महोत्सव विश्व का सबसे बड़ा रक्षाबंधन महोत्सव बन चुका है

विश्वास कैलाश सारंग

रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, यह हिंदू दर्शन की वह मजबूत कड़ी है जो रक्षा और स्नेह, कर्तव्य और विश्वास, परंपरा और भविष्य इन सभी को एक सूत्र में पिरोती है। भारतवर्ष की आत्मा उनकी यही हिन्दुत्व संस्कृति, तीज और त्यौहार हैं जिससे हर भारतवासी गर्व और आत्मविश्वास से भर उठता है।

धागे से धर्म तक विराट सनातन संस्कृति में रक्षाबंधन को अत्यंत पावन और शक्तिशाली पर्व माना गया है। यह वो क्षण होता है जब रक्षा-सूत्र केवल बंधता नहीं बल्कि संकल्प बन जाता है। यह केवल भाई-बहन के संबंध तक सीमित नहीं है बल्कि यह समाज में धर्म, कर्तव्य और आत्मीयता की रक्षा के संकल्प का भी प्रतीक है।

हमारे शास्त्रों में वर्णित रक्षाबंधन के प्रसंग हमें यह सिखाते हैं कि यह केवल रक्त संबंध का पर्व नहीं बल्कि संरक्षण और उत्तरदायित्व का बोध भी है।

शिशुपाल के वध के बाद जब द्रौपदी ने श्रीकृष्ण की उंगली से बहते रक्त को देखा तो उन्होंने तुरंत ही अपनी साड़ी से एक टुकड़ा फाड़ा और प्रभु श्रीकृष्ण की उंगली पर लपेट दिया। जिससे उंगली का रक्तस्राव रुक गया। उसी समय प्रभु श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को वचन दिया था कि वे समय आने पर इस पट्टी के एक-एक धागे का ऋण जरूर उतारेंगे। इसके बाद प्रभु श्रीकृष्ण ने चीरहरण के समय अनंत साड़ी देकर उनकी मर्यादा और आत्मसम्मान की रक्षा की।

यह प्रसंग इस बात का साक्षी है कि राखी केवल धागा नहीं बल्कि रक्षा, समर्पण और अटूट विश्वास का प्रतीक है। एक दिव्य संकल्प है; सुरक्षा, सम्मान और स्वाभिमान की जिम्मेदारी का।

राखी का एक सूक्ष्म धागा जब प्रेम, विश्वास और अपनेपन से जुड़ता है, तो वह केवल भाई-बहन का संबंध नहीं बनाता बल्कि धर्म, कर्तव्य और करुणा का सेतु बन जाता है। और यही सेतु नरेला की पावन भूमि पर पिछले 17 वर्षों से हर रक्षाबंधन पर बनता आ रहा है और मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि हर वर्ष लाखों बहनें मुझे रक्षासूत्र बांधती हैं। और मैं गर्व से कहता हूं कि मैं लाखों बहनों का भाई हूं।

यह कोई औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि मेरे दिल से जुड़ा हुआ एक आत्मिक संकल्प है। जो हर वर्ष और अधिक भावनात्मक अधिक व्यापक और अधिक ऐतिहासिक बनता जा रहा है।

जब मैंने 17 वर्ष पहले नरेला विधानसभा में रक्षाबंधन के इस आयोजन की शुरुआत की थी। तब मेरा उद्देश्य केवल एक था। हर बहन को यह विश्वास दिलाना कि मैं उनका भाई हूं, उनका रक्षक हूं और उनकी खुशियों के लिए सदैव समर्पित हूं।

आज यह आयोजन विश्व का सबसे बड़ा रक्षाबंधन महोत्सव बन चुका है, जिसमें लाखों की संख्या में बहनें मुझे रक्षासूत्र बांधती हैं। यह एक मजबूत सामाजिक विश्वास, एक अटूट भावनात्मक संबंध और एक अपार आत्मीयता का प्रतीक बन चुका है। इस वर्ष भी विश्व का सबसे बड़ा नरेला रक्षाबंधन महोत्सव 11 अगस्त से प्रारंभ होने जा रहा है। जिसमें लाखों की संख्या में बहनें मुझे रक्षासूत्र बांधकर अपना अमूल्य आशीर्वाद प्रदान करेंगी।

जब बहनें मुझे राखी बांधती हैं, तो मैं केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि उनके परिवार के एक सदस्य के रूप में उपस्थित होता हूं। हर राखी मेरे कर्तव्यों की याद दिलाती है, हर मुस्कान मुझे प्रेरणा देती है और हर बहन की आँखों में विश्वास मुझे शक्ति देता है।

यह महोत्सव केवल मेरा नहीं, हर नरेलावासी का पर्व बन चुका है। इसमें सामाजिक समरसता, नारी सशक्तिकरण और सनातन संस्कृति के मूल्यों का अद्भुत समावेश होता है।

रक्षाबंधन के इस पावन पर्व पर मैं केवल धागा नहीं बंधवाता बल्कि हर बहन के जीवन में सुरक्षा, स्वावलंबन, सम्मान और स्वाभिमान की गांठ भी बांधता हूं। यह मेरा संकल्प है कि जब तक मेरा जीवन है तब तक हर बहन को यह विश्वास रहेगा कि उसका भाई हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा है।

जब बहनें मुझे राखी बांधने आती हैं। कोई छोटी बच्ची है जो पहली बार राखी बांध रही है, कोई वृद्ध मां तुल्य बहन है जो आंखों में आशीर्वाद और विश्वास लिए आती है। यह दृश्य केवल भावुक कर देने वाला नहीं होता, वह अंतरात्मा को झकझोरता है साथ ही जीवन में सेवा के संकल्पों की दिशा तय करता है।

रक्षाबंधन मेरे लिए एक जिम्मेदारी है, एक आशीर्वाद है और एक संकल्प है। हर राखी मुझे एक स्मरण कराती है कि मेरा जीवन केवल सेवा के लिए है और बहनों के सम्मान और सुरक्षा के लिए है। बहनों द्वारा बांधा गया रक्षासूत्र मेरे लिए सिर्फ कलाई पर बंधा धागा नहीं बल्कि बहनों के सशक्तिकरण का व्रत है।

आज नरेला विधानसभा की पहचान एक विधानसभा के रुप में नहीं बल्कि नरेला परिवार के रुप में है। यहां हर हिन्दू पर्व केवल परंपरा नहीं बल्कि उत्सव और उल्लास की जीवंत धारा बनकर बहता है। यहां दीपावली की रौशनी सिर्फ घरों को नहीं, दिलों को भी जगमगाती है। होली के रंग केवल चेहरे नहीं, आत्माओं को जोड़ते हैं। रक्षाबंधन के रक्षासूत्र, यहां सिर्फ कलाइयों पर नहीं, समर्पण और संस्कार की डोर बनकर बंधते हैं। मैं गर्व के साथ कहता हूं कि नरेला विधानसभा नहीं नरेला मेरा परिवार है। जहां धर्म, संस्कृति और सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

मेरे लिए हर बहन द्रौपदी की छाया है, जिनकी मर्यादा की रक्षा प्रभु श्रीकृष्ण ने की थी। हर बहन माता सीता का प्रतीक है, जिनके सम्मान के लिए प्रभु श्रीराम ने रावण से युद्ध किया और हर बहन भारत माता की बेटी है, जिनके सशक्तिकरण से यह भारत देश समृद्धि होगा। नरेला परिवार की हर बहन मेरी शक्ति है, मेरी प्रेरणा है और मेरी विजय का प्रतीक है। बहनों मैं यह वचन देता हूं कि जब तक मेरे जीवन में श्वास है, जब तक मेरे कर्म में शक्ति है, तब तक हर बहन की रक्षा, सम्मान, सशक्तिकरण और स्वाभिमान के लिए मैं सदैव समर्पित रहूंगा। मैं इस पवित्र पर्व पर एक बार फिर समस्त बहनों को नमन करता हूं और वचन देता हूं कि जब तक आपके भाई विश्वास की कलाई धड़कती रहेगी, तब तक हर बहन की मुस्कान मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। बहनों के विश्वास का यह पर्व मेरे जीवन की अक्षय पूंजी है। बहनों आपका स्नेह, आशीर्वाद और अपनापन ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

एक हथिनी माधुरी के बहाने धर्म का पुनर्पाठ

- स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

नांदणी जैन मठ की गजलक्ष्मी हथिनी माधुरी, जो 35 वर्षों से मठ की सेवा में थी, को पेटा की याचिका पर जामनगर भेजा गया था, जिससे जैन समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची थी। न केवल महाराष्ट्र में बल्कि समूचे जैन समाज में आक्रोश को देखते हुए महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने इसमें दखल दिया और उसकी पहल पर याचिका दायर करने और आपराधिक मामलों को वापस लेने की घोषणा के साथ माधुरी की घर वापसी संभव हो गई है। निश्चित ही यह फडणवीस सरकार का एक संवेदनशील एवं सूझबूझभरा निर्णय है, जिसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। क्योंकि माधुरी, नांदणी जैन मठ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी और जैन समुदाय की भक्ति और समर्पण का प्रतीक थी। "मैं कोई साधारण प्राणी नहीं। मैं उन हजारों श्रद्धालुओं की भावनाओं का मूर्तरूप हूं, जिन्होंने मुझे केवल देखा नहीं, बल्कि पूजा है। मेरा नाम "माधुरी" है, पर मैं नाम से कहीं अधिक हूं। मैं उस मठ की चुप्पी में गूंजती प्रार्थना हूं, जहां मैंने 35 वर्षों तक सेवा, संयम और संस्कृति की छाया में सांस ली।" यदि "माधुरी" बोल सकती, तो शायद यही कहती, क्योंकि उसका मौन, उसका निर्विकार भाव, उसके नेत्रों में बसी करुणा, इन सबने वर्षों तक नांदणी जैन मठ को जीवंत रखा। वह एक जीव नहीं, धर्म की आत्मा बनकर असंख्य श्रद्धालुओं की संवेदनाओं, आस्था एवं भक्ति से जुड़ी थी नांदणी जैन मठ की यह गजलक्ष्मी हथिनी केवल एक वन्य प्राणी नहीं थी, वह जैन धर्म में "जीव मात्र के प्रति करुणा" के अमूल्य सिद्धांत का सजीव प्रतीक थी। उसका मठ में रहना, उसका पूजन, उसकी सेवा, यह सब किसी हिंसक बंधन का परिणाम नहीं था, बल्कि धार्मिक समर्पण की अभिव्यक्ति थी। पेटा जैसी संस्थाएं केवल जीव के शरीर को देखती हैं, उसकी आत्मा, उसके सांस्कृतिक स्थान और परंपरा में निहित गरिमा को नहीं। यही कारण था कि उसकी जबरन वनतारा में रवानगी केवल एक स्थानांतरण नहीं, बल्कि धर्म के हृदय पर आघात था। माधुरी प्रकरण ने एक जटिल प्रश्न को जन्म दिया, क्या धर्म अब भी स्वतंत्र है, या वह राजनीतिक और कानूनी भूलभुलैया में उलझ चुका है? क्या जीवों की सेवा और उनके साथ प्रेम का संबंध, कानून की अंधी परिभाषाओं से परे नहीं देखा जा सकता? राजनीतिक हस्तक्षेप ने बार-बार धर्म की गरिमा को चुनौती दी है। परंतु इस बार महाराष्ट्र सरकार, विशेषतः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने जो निर्णय लिया, वह सराहनीय, साहसी और धर्म-समभाव से प्रेरित प्रतीत होता है। सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका, दर्ज प्रकरणों की वापसी की घोषणा, ये निर्णय केवल न्यायिक नहीं, आध्यात्मिक चेतना से प्रेरित प्रतीत होते हैं। जैन धर्म का मूल आधार है "पर्यावरण के साथ सह-अस्तित्व" और "जीवों के प्रति अहिंसक व्यवहार"। यह दर्शन मात्र प्रवचनों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवनचर्या का अंग है। माधुरी उसी जीवनचर्या की प्रतिछाया थी। उसकी देखभाल, सेवा, पूजा-इन सबके माध्यम से नांदणी मठ ने पीढ़ियों को यह सिखाया कि एक जीव के साथ कैसा प्रेममय आत्मीय रिश्ता हो सकता है। जब उसे वनतारा ले जाया गया, तो यह केवल एक हथिनी का मठ छोड़ना नहीं था, बल्कि पर्यावरण-धर्म की एक जीवित पाठशाला का अवसान था।

आज का राशिफल

मेष कामकाज के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आप कार्यक्षेत्र में पूरी जोश और उत्साह के साथ काम करेंगे।

तुला आज व्यापार के मामले में आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा।

वृषभ आप अपने कामकाज को सही दिशा में आगे बढ़ाने और उन्हें पूरा करने प्रयास में लगे रहेंगे।

वृश्चिक परिस्थिति को बेहतर बनाने अपने काम करने के तरीके में बदलाव लाने की जरूरत होगी।

मिथुन आज दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। अगर आप करियर में बदलाव करने की सोच रहे हैं।

धनु मामले में दिन मिलाजुला रहेगा। आपको लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मेहनत करनी पड़ सकती है।

कर्क दिन कारोबार में अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई नया प्रोजेक्ट प्राप्त हो सकता है।

मकर आज हर कार्य को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

सिंह आज कार्यक्षेत्र में आपके कुछ जरूरी काम अधूरे पड़े हैं, तो उन्हें अब पूरा करने की जरूरत हो सकती है।

कुंभ कार्यक्षेत्र में लंबे समय से काम सही ढंग से नहीं चल रहा था, तो अब उसमें सुधार आ सकता है।

कन्या आज दिन अच्छा रहने वाला है। लेकिन इसके लिए योजना बनाकर हर कार्य करना बेहतर होगा।

मीन आज आपको विपरीत परिस्थितियां देखने को मिल सकती है, जिससे मन परेशान रहेगा।

विशेष

बिहार की कमान शाह के पास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रमुख नवरत्नों में से एक गृहमंत्री अमित शाह अब बिहार की कमान संभालने जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने वहां पर जमीन तैयार कर दी है। अब युद्ध लड़ना बाकी रह गया है। देश में ऐसा कोई नेता नहीं है। जो अमित शाह के साम दाम दंड भेद का मुकाबला कर सके। अमित शाह चक्रव्यूह की रचना करेंगे। विपक्ष का उसमें फसना तय है। जीत तो भाजपा की ही होनी है। इस बार मुख्यमंत्री भी भाजपा का ही होगा। चुनाव आयोग में अमित शाह का चेला मुख्य चुनाव आयुक्त है। चुनाव परिणाम तय हैं।

रूडी के सामने बालियान

कांस्टीट्यूशन क्लब के सेक्रेटरी चुनाव में राजीव प्रताप रूडी के मुकाबले में संजीव बालियान ने फॉर्म भर दिया है। दोनों ही भाजपा के सांसद हैं। बालियान का समर्थन नरेंद्र मोदी और अमित शाह कर रहे हैं। वहीं राजीव प्रताप रूढ़ी का समर्थन अटल बिहारी वाजपेई के समर्थक कर रहे हैं। यह चुनाव ठाकुर बनाम जाट का हो गया है। भाजपा के अंदर इस तरह से पहली बार ठाकुर और जाट आमने-सामने हैं। अब देखना यह है, जीत किसकी होती है। अटल बिहारी वाजपेई के मंत्रिमंडल में मंत्री रहे राजीव प्रताप रूढ़ी कांस्टीट्यूशन क्लब के सेक्रेटरी पद का चुनाव लड़ रहे हैं। इस चुनाव में पराजित सांसद संजीव बालियान भी भाग्य आजमा रहे हैं। संजीव बालियान को अमित शाह का समर्थन है।वहीं राजीव प्रताप रूढ़ी को इंडिया गठबंधन का समर्थन मिल रहा है। अब देखना यह है,जीत किसकी होती है। जो भी जीतेगा वह भाजपा का ही होगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1615: फ्रांस में दूसरा गृहयुद्ध भड़का था. 1683: ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में युद्ध और शांति की घोषणा करने का अधिकार मिला. 1788: गुलाम कादिर ने दिल्ली के शासक शाह आलम द्वितीय की आंखें अपने खंजर से फोड़ दी. 1792: पेरिस में क्रांतिकारी कम्यून की स्थापना हुई थी. 1925: हिन्दूस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने लखनऊ के पास काकोरी में सरकारी खजाना लूट लिया. 1942: अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ. 1945: अमरीका ने जापान के नागासाकी शहर पर परमाणु बम गिराया. 1960: लाओस में सैनिक क्रांति हुई. 1964: राष्ट्र संघ ने युद्ध विराम का निर्देश दिया. 1970: प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी त्रैलोक्यनाथ चक्रवर्ती का निधन. 1971: भारत सोवियत संघ के बीच 20 वर्षीय शांति मैत्री और सहयोग संधि हुई थी.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.11 बजे से
चंद्र	मकर में	कन्या	08.23 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.34 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.49 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.05 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.10 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.56 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.29 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.00 बजे से
		वृष	23.40 बजे से
		मिथुन	01.38 बजे से
		कर्क	03.51 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

2025 वर्ष का 221 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि पूर्णिमा 13.25 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 14.24 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 02.15 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 13.25 बजे तदनन्तर बालव 00.51 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 50'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872431
जूलियन दिन 2460896.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** सफर **तारीख** 14 **विशेष** श्रावण पूर्णिमा, रक्षाबंधन, गायत्री जयंती, नारली पूर्णिमा, ऋग्वेद उपाकर्म, यजुर्वेद उपाकर्म, संस्कृत दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाना तो पांच पड़ोसियों को पटाना होगा, निगम ने नियमो में कर रखा है बड़ा बदलाव

रांची, एजेंसी। नगर निगम चुनाव नहीं होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाना आम लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। पहले वार्ड पार्षद के सत्यापन पर प्रमाण पत्र जारी हो जाता था। लेकिन चुनाव न होने से पार्षदों के पद रिक्त हैं। अब रांची नगर निगम आवेदकों से मृतक और खुद के अलावा पांच पड़ोसियों का आधार कार्ड और शपथ पत्र

मांग रहा है। इन शपथ पत्रों में पड़ोसियों को लिखित रूप से यह प्रमाणित करना पड़ता है कि वे मृतक को 25 वर्षों से जानते हैं, उसकी मृत्यु घर पर हुई है और अंतिम संस्कार श्मशान घाट पर किया गया।

साथ ही यदि दी गई जानकारी गलत पाई गई तो वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए नई प्रक्रिया लोगों के लिए भारी सिरदर्द बन गई है। पड़ोसियों से आधार और शपथ पत्र लेना आसान नहीं है।

इसके अलावा श्मशान घाट या कब्रिस्तान से भी प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य कर दिया गया है। पहले की प्रक्रिया में केवल मृतक और आवेदक का आधार कार्ड, वार्ड पार्षद का सत्यापन और श्मशान घाट का प्रमाण पत्र ही पर्याप्त था। अब पार्षद के स्थान पर पड़ोसियों का प्रमाणन जरूरी कर दिया गया है। मृतक के खून के रिश्तेदारों का आधार कार्ड प्रमाण के रूप में मान्य नहीं कर रहा है। निगम का तर्क है कि इसमें फर्जीवाड़े की संभावना रहती है, इसलिए पड़ोसियों का प्रमाणन जरूरी है।

तालाब में डूबने से युवती की मौत, गुमला में तालाब के पास पैर फिसलने से हुई घटना, खेत से लौट रही थी घर

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र के महूगांव में एक दुखद घटना सामने आई है। गुरुवार की देर शाम 18 वर्षीय युवती संतोषी कुमारी की तालाब में डूबने से मौत हो गई। संतोषी खेत-बारी से काम करके लौट रही थी। इसके बाद वह गांव के तालाब में हाथ-पैर धोने गई थी। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह पानी में डूब गई।

जब परिजनों और ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने युवती को पानी से बाहर निकाला। तब तक काफी देर हो चुकी थी और संतोषी की मौत हो चुकी थी। इस घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है।

तालाब पूरी तरह लबालब भरा हुआ है

मारा सिल्ली पंचायत के मुखिया सुकेश उरांव ने बताया कि बरसात के दिनों में तालाब पूरी तरह लबालब भरा हुआ है। तालाब के किनारे फिसलन भी थी। युवती को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार की सुबह घटना की सूचना मिलने पर भरनो थाना के पुलिस सब इंस्पेक्टर मंटू चौधरी और बिजय लकड़ा पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। उन्होंने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया।

एचईसी सप्लाई कर्मियों की वार्ता फिर हुई विफल, प्रदर्शन जारी

रांची, एजेंसी। रांची। एचईसी सप्लाई कर्मियों का आंदोलन शुक्रवार को 39वें दिन भी जारी रहा। एचईसी के कार्मिक निदेशक मनोज लकड़ा से सप्लाई कर्मियों के प्रतिनिधिमंडल की वार्ता विफल रही। बातचीत के दौरान निदेशक ने अनुरोध किया कि कर्मी काम पर वापस आ जाएं, लेकिन प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि जब तक पुरानी व्यवस्था नहीं उपलब्ध होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। निदेशक ने उनसे कहा कि उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा। इधर सप्लाई कर्मियों ने कहा कि पुरानी व्यवस्था को लागू कर पुराना पंचिंग कार्ड वापस किया जाए। निदेशक ने कहा कि पैसा आने पर रिटायर कर्मियों को ग्रेच्युटी का भी भुगतान किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह वार्ता भी विफल रही और आंदोलन जारी रहेगा। कर्मियों ने कहा कि जिन्हें क्वार्टर खाली करने का नोटिस भेजा गया है, उनका फाइनल सेटलमेंट कर दें। वार्ता के दौरान मनोज पाठक, रंथु लोहरा, वाई त्रिपाठी, उवैस आजाद, विजय साहू, मोइन अंसारी, विकास शाहदेव, शारदा देवी, प्रमोद कुमार शामिल थे। मुख्यालय के समक्ष कर्मियों ने दो घंटे प्रदर्शन भी किया।

रांची। रेल सुरक्षा बल-आरपीएफ ने धनबाद एलेप्पी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13351) से 18.3 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। मुरी स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचने के बाद कोच संख्या एस-3 के गेट के पास दो बैग लावारिस हालत में मिले। यात्रियों से पूछने पर जब कोई जानकारी नहीं मिली तो बैग को खोला गया, जिसमें दो पैकेट में गांजा रखा हुआ था। जब्त गांजा को जीआरपीएस, मुरी को सुपुर्द किया गया है। जब्त गांजा की अनुमानित कीमत 1,83,000 रुपए आंकी गई है। इस कार्रवाई में निरीक्षक संजीव कुमार, उपनिरीक्षक रवि शंकर आदि शामिल थे।

देवघर में बढ़ा मौसमी बीमारियों का खतरा!

अस्पतालों में बढ़ी वायरल फीवर से ग्रसित मरीजों की संख्या

देवघर, एजेंसी। झारखंड के देवघर में सावन के महीने में लगातार हो रही बारिश ने मौसम में बदलाव ला दिया है। इस बदलते मौसम के कारण लोगों को एक साथ गर्मी और ठंड का एहसास हो रहा है। बारिश और मौसमी बदलाव के चलते वायरल फीवर, सर्दी-खांसी, मलेरिया, टाइफाइड और डायरिया जैसी बीमारियों के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है।

अस्पतालों में मरीजों की बढ़ती संख्या- देवघर के जिला अस्पताल में इमरजेंसी और ओपीडी में मरीजों की भीड़ बढ़ गई है। ज्यादातर मरीज वायरल फीवर, सर्दी-खांसी और मौसमी बीमारियों से पीड़ित हैं। बारिश के कारण मच्छरों के प्रकोप से डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड के मामले भी बढ़ रहे हैं। सिविल सर्जन डॉ. युगल किशोर चौधरी के अनुसार, सावन के महीने में वायरल फीवर के मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। गंभीर मरीजों को हायर एंटीबायोटिक्स दिए जा रहे हैं, जो जिले के सभी अस्पतालों में उपलब्ध हैं। सामान्य मरीजों को पेरासिटामोल और सर्दी-खांसी से संबंधित दवाइयां दी जा रही हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में डायरिया और डिसेंट्री का प्रकोप- देवघर के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में डायरिया और डिसेंट्री के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है।

ग्रामीण अस्पतालों में इन बीमारियों से पीड़ित मरीजों की भारी भीड़ देखी जा रही है। बारिश के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से डेंगू और मलेरिया के मामले भी सामने आ रहे हैं। जिला स्वास्थ्य विभाग ने मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए अभियान शुरू किया है। लोगों को घरों में गंदा या साफ पानी जमा न करने की सलाह दी जा रही है। सिविल सर्जन डॉ. युगल प्रसाद चौधरी ने कहा कि सावन का महीना आते ही वायरल फीवर से ग्रसित मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में लोगों को पेरासिटामोल या फिर सर्दी खांसी से संबंधित दवाइयां दी जाती है, जो मरीज वायरल फीवर की वजह से सीरियस हो जाते हैं। वैसे मरीजों को हाइयर एंटीबायोटिक दिए जाते हैं जो जिले के हर अस्पताल में मौजूद है।

अस्पतालों में दवाइयों और कर्मचारियों की कमी

अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीजों के परिजनों का कहना है कि ओपीडी में व्यवस्था संतोषजनक है, लेकिन कई आवश्यक दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं। मरीजों को इलाज के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, क्योंकि कर्मचारियों की कमी साफ तौर पर महसूस की जा रही है। सिविल सर्जन डॉ। युगल किशोर चौधरी ने बताया कि सावन मेला के कारण कई कर्मचारी मेले की ड्यूटी में तैनात हैं, जिससे अस्पतालों में मैनपावर की कमी हो रही है।

सावन मेला और कचरे से बढ़ा बीमारियों का खतरा

सावन के महीने में लाखों कांवरिया देवघर पहुंचते हैं, जिससे शहर में कचरे की मात्रा बढ़ जाती है। इससे बीमारियों के फैलने का खतरा और बढ़ गया है। डॉ। चौधरी ने लोगों को सलाह दी है कि वे बारिश में भीगने से बचें और समय-समय पर गर्म पानी का उपयोग करें ताकि सर्दी-खांसी जैसे बैक्टीरिया से बचा जा सके। उन्होंने यह भी अपील की कि लोग बाहरी और बाजारू भोजन का कम से कम उपयोग करें और अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखें।

स्वास्थ्य विभाग की सलाह

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, मौसमी बुखार और वायरल फीवर से पीड़ित मरीजों की संख्या में 20 से 25प्रतिशत की वृद्धि हुई है। डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि वे बारिश में भीगने से बचें और मच्छरों से होने वाली बीमारियों से सावधान रहें। साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखने से इन बीमारियों को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

सीएम हेमंत नेमरा से संभाल रहे शासन-प्रशासन, अधिकारियों के साथ कार्यों की कर रहे समीक्षा

किसानों के बीच पहुंच ले रहे खेती का हाल

रांची, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने जीवन के सबसे कठिन समय से गुजर रहे हैं। पिता के जाने की शोक, पीड़ा और आंसुओं के बीच वे रामगढ़ जिले के नेमरा स्थित पैतृक आवास से शासन-प्रशासन का संचालन कर रहे हैं। एक ओर परंपरागत विधि-विधान से अंतिम संस्कार से जुड़े रस्म निभा रहे हैं, तो दूसरी ओर राज्य के विकास की गति को बनाए रखने के लिए जरूरी फाइलों का निपटारा भी कर रहे हैं।

राज्यहित में लगातार सक्रिय, कर रहे कार्यों की समीक्षा- गहरे शोक के बावजूद सीएम राज्यहित से जुड़े मामलों पर पूरी तरह सजग हैं। वे नियमित रूप से वरीय अधिकारियों से संवाद कर सरकारी कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिया है कि आम जनता की समस्याओं का तत्काल समाधान हो और किसी भी कार्य में कोताही न बरती जाए। अपर प्रधान मुख्य सचिव अविनाश कुमार जरूरी फाइलों के साथ नेमरा पहुंचे, जिनका मुख्यमंत्री ने त्वरित निष्पादन किया।

जनता से मिली कर्तव्यों के निर्वहन की ताकत

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में राज्य की जनता ने जिस तरह उनके परिवार का साथ दिया, उससे उन्हें अपने कर्तव्यों के निर्वहन की ताकत मिली। उन्होंने याद किया कि बाबा हमेशा कहते थे कि सार्वजनिक जीवन में जनता के लिए खड़ा रहना चाहिए। दिशोम गुरु ने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर झारखंड की पहचान और हक के लिए संसद से लेकर सड़क तक संघर्ष किया।

वादों को निभाने का संकल्प

सीएम ने दोहराया कि बाबा ने राज्य के भविष्य को लेकर उनसे कई वचन लिए थे और वे इन्हें हर हाल में पूरा करेंगे। इधर, शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो भी नेमरा पहुंचे और शिबू सोरेन को नमन किया। उन्होंने कहा कि बाबा की कमी कभी पूरी नहीं हो सकती, लेकिन उनके मार्ग पर चलना ही अब सबका कर्तव्य है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सीएम ने बाबा को भोजन परोसने की रस्म भी निभाई।

किसानों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री

शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने नेमरा में धनरोपनी कर रहे किसानों और महिलाओं से मुलाकात की। उन्होंने किसानों की समस्याएं सुनीं और कहा कि उनका कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों को सरकारी योजनाओं से जुड़ने और खुद को सशक्त बनाने का आग्रह किया। सीएम ने भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से होगा और वे हमेशा किसानों के साथ खड़े रहेंगे।

चाईबासा में नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, सारंडा में तीन बंकर ध्वस्त, भारी मात्रा में नक्सल सामग्री बरामद

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड के चाईबासा जिले के सारंडा जंगल में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। जराईकेला थाना क्षेत्र के हेंडेकुली के आसपास जंगल-पहाड़ी इलाके में तीन नक्सली बंकरों को ध्वस्त किया गया। इन बंकरों से भारी मात्रा में नक्सली सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई हैं।

गुप्त सूचना के आधार पर अभियान- पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक कार्यालय को 6 अगस्त 2025 को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के उग्रवादी जराईकेला थाना क्षेत्र के जंगल-पहाड़ी इलाके में नक्सली सामग्री छिपाकर रखे हुए हैं, ताकि सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाया जा सके। इस सूचना के आधार पर 7 अगस्त को झारखंड पुलिस, कोबरा 209 बटालियन, सीआरपीएफ और झारखंड जगुआर की संयुक्त टीम ने हेंडेकुली क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

तीन नक्सली बंकर ध्वस्त- सुरक्षा बलों ने सघन तलाशी के दौरान हेंडेकुली के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में तीन नक्सली बंकरों का पता लगाया और उन्हें ध्वस्त कर दिया। इन बंकरों से नक्सलियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भारी मात्रा में सामग्री, हथियारों के उपकरण और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने बताया कि बरामद सामग्री की जांच की जा रही है और इस संबंध में आगे की कार्रवाई जारी है।

नक्सलियों के खिलाफ सतत अभियान- पुलिस के अनुसार, प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटू लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा और अन्य नक्सली अपने दस्ते के साथ सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सक्रिय हैं। इनके खिलाफ झारखंड पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम लगातार अभियान चला रही है।

सुरक्षा बलों की रणनीति- चाईबासा पुलिस और सुरक्षा बल नक्सलियों के आखिरी गढ़ को नेस्तनाबूद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सारंडा जंगल, जो लंबे समय से नक्सलियों का सुरक्षित ठिकाना रहा है, में सघन सर्च ऑपरेशन और सैनिटाइजेशन अभियान चलाए जा रहे हैं। इस सफलता को नक्सल विरोधी अभियान में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भैरव सिंह की जमानत पर 13 को होगी अगली सुनवाई

रांची, एजेंसी। न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा की अदालत में शुक्रवार को भैरव सिंह की जमानत याचिका पर आंशिक सुनवाई हुई। इस दौरान भैरव सिंह के अधिवक्ता ने घटनास्थल का सीसीटीवी फुटेज और अपडेट केस डायरी कोर्ट में प्रस्तुत करने की मांग की। अदालत ने आगे की सुनवाई के लिए 13 अगस्त की तारीख निर्धारित की है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट में पक्ष रखते हुए कहा कि घटनास्थल पर भैरव सिंह मौजूद नहीं था। वहीं पीपी ने सोमवार तक सीसीटीवी फुटेज और अपडेट केस डायरी प्रस्तुत करने को कहा । चुटिया थाना क्षेत्र में हुई मारपीट के आरोप में स्थानीय पुलिस ने 19 जुलाई को भैरव सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, तब से वह जेल में है। उस पर पार्किंग का टेंडर को लेकर मारपीट करने का आरोप है। गिरफ्तारी के दूसरे दिन 21 जुलाई को उसकी ओर से जमानत याचिका दाखिल की गई थी, जिस पर अदालत ने 28 जुलाई को याचिका खारिज कर दी थी।

सरायकेला में आपस में दो मालगाड़ियां टकराईःट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतरे

जमशेदपुर, एजेंसी। आद्रा रेल मंडल के चांडिल जंक्शन स्टेशन के पास शनिवार तड़के दो मालगाड़ियों के बीच भीषण टक्कर हो गई। घटना सुबह करीब 4 बजे हुई। जानकारी के मुताबिक टाटानगर से पुरुलिया की ओर डाउन लाइन पर जा रही आयरन लदी मालगाड़ी चांडिल स्टेशन पार करने के बाद पटरी से उतर गई। पटरी से उतरे डिब्बे विपरीत दिशा से आ रही दूसरी मालगाड़ी से टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दूसरी ट्रेन के कई डिब्बे भी पटरी से उतर गए। हादसे के तुरंत बाद रेल यातायात बाधित हो गया।

रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची, जांच शुरू- घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के कर्मचारी और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गईं। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह दुर्घटना किस वजह से हुई। रेलवे अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक तौर पर पटरियों या सिग्नल सिस्टम में तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है।

जोरदार धमाके जैसी सुनाई दी आवाज

स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह-सुबह मालगाड़ी के चांडिल स्टेशन पार करने के कुछ ही मिनट बाद जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े तो देखा कि कई डिब्बे पटरी से उतरे हुए थे और लोहे का माल इधर-उधर बिखरा पड़ा था। यह हादसा पितकी रेलवे गेट और स्टेशन के बीच हुआ। लोगों का कहना है कि यदि यह टक्कर यात्री ट्रेन के साथ होती, तो जनहानि बहुत अधिक होती। दुर्घटना के चलते कुल 10 ट्रेनों को रद्द करना पड़ा, जबकि लगभग 20 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। रद्द की गई ट्रेनों में शालीमार-तंबारम एक्सप्रेस, बक्सर-टाटा एक्सप्रेस, दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस, पटना-टाटा वंदे भारत, भुवनेश्वर-आनंद विहार साप्ताहिक, टाटा-कटिहार, अमृतसर-टाटा, पुरी-आनंद विहार, झारग्राम-पुरुलिया मेमू और टाटा-आसनसोल ट्रेन शामिल हैं।

इसके अलावा भुवनेश्वर-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, राजधानी एक्सप्रेस, बिलासपुर-पटना और हावड़ा-रांची इंटरसिटी जैसी कई ट्रेनों को डायवर्ट या अन्य मार्गों से चलाया जा रहा है। यात्री सेवाओं के प्रभावित रहने की संभावना अगले 24 घंटे तक जताई जा रही है।

शहीद निर्मल महतो की 38वीं पुण्यतिथि, जमशेदपुर और सरायकेला में कार्यक्रम का आयोजन कर किया गया याद

जमशेदपुर, एजेंसी। सरायकेलाः झारखंड आंदोलनकारी शहीद निर्मल महतो की 38वीं पुण्यतिथि पर आजसू द्वारा संकल्प सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि आज शहीदों के बोल को भुला दिया गया है। राजनीति की भीड़ बढ़ी है लेकिन जनता की भूख नहीं मिटी है।

जमशेदपुर में आजू पार्टी द्वारा शहीद निर्मल महतो की 38वीं पुण्यतिथि पर बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में संकल्प सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, मांडू के विधायक के अलावा आजसू के सभी पदाधिकारी और भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। बिष्टुपुर स्थित चमरिया गेस्ट हाउस के पास शहीद निर्मल महतो की मूर्ति पर श्रद्धांजलि अर्पित कर सुदेश महतो संकल्प सभा में पहुंचे। देर शाम आयोजित संकल्प सभा में सुदेश महतो ने झारखंड आंदोलनकारी शहीद निर्मल महतो को राज्य गठन का एक मुख्य सूत्रधार बताया। उन्होंने कहा कि अलग राज्य के लिए निर्मल महतो का अहम योगदान रहा है। उन्होंने ही इस लड़ाई को तेज करने के

लिए जो आजसू की नींव रखी।

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि निर्मल महतो हमारे लिए प्रेरणा है। शोषण विहीन झारखंड बनाने के लिए आज निर्मल महतो की विचारधारा को बताने की जरुरत है, जिसे आजसू पूरा करेगी, आज राजनीति का स्तर गिर गया है। राजनीति को मुद्दे से भटकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज राजनीति मे भीड़ बढ़ी है लेकिन राज्य की जनता की भूख नहीं मिटी है।

वहीं सरायकेला में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक जयराम महतो शुक्रवार को आदित्यपुर स्थित फुटबॉल मैदान में शहीद निर्मल महतो शहादत दिवस पर आयोजित जनसभा में शामिल हुए। विधायक जयराम महतो ने शहीद निर्मल महतो के शहादत को नमन करते हुए कहा कि शहीद निर्मल महतो भी सवाल करते थे, तो गलत करने वालों को तकलीफ होती थी। मैं भी झारखंड राज्य में गिरती व्यवस्था को लेकर सवाल करता हूं तो लोगों को तकलीफ होती है।

जयराम महतो ने जमशेदपुर औद्योगिक नगरी को इंडस्ट्रियल टाउन घोषित किए जाने के मुद्दे पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि स्थानीय उद्योग एवं उद्योगपतियों ने यहां के मूलवासियों के साथ छलावा किया है। आज भी इन बड़े कल-कारखानों में काम करने वाले मजदूर हक और अधिकार से वंचित हैं। लेकिन अब वह दिन दूर नहीं जब इन मुद्दों को लेकर एक व्यापक जन आंदोलन तैयार होगा।

पूरे झारखंड राज्य में बीते कई सालों से लंबित नगर निगम चुनाव के संबंध में पूछे जाने पर विधायक जयराम महतो ने कहा कि झारखंड में नगर निगम चुनाव की आवश्यकता है ही नहीं। चुनाव कराने का मतलब बेवजह समय बर्बाद करना है। आयोजित जनसभा के समापन पर जयराम महतो को बहनों ने राखियां भी बांधी।

14 करोड़ से होगा हरमू, अरगोड़ा और सहजानंद चौक का सौंदर्यीकरण

रांची, एजेंसी। सौम्य, सुंदर और आकर्षक रांची की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की परिकल्पना के तहत राजधानी के राजमार्ग स्थित तीन चौकों के सुंदरीकरण को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार के निर्देश पर पर्यटकीय विकास के आधार पर अरगोड़ा, हरमू और सहजानंद चौक के सौंदर्यीकरण के लिए लगभग 14 करोड़ रुपए स्वीकृत किये गए है।

नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने रांची की गरिमा के अनुरूप चौक- चौराहों को आकर्षक बनाने की पहल की है। कुमार ने विभाग के संस्थान जुडको को स्वीकृत चौराहों के सुंदरीकरण की प्रक्रिया जल्द शुरू करने का निर्देश दिया है।

हरमू चौक के लिए 5.44 करोड़, अरगोड़ा चौक के लिए 4.27 करोड़ और सहजानंद चौक के लिए 4.29 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं। प्रधान सचिव ने कहा है कि तीनों चौक- चौराहों के सुंदरीकरण के तहत सुव्यवस्थित गोलबंर बनाया जाएगा। इनके कायाकल्प के तहत फौव्वारे, सुंदर फूल, आकर्षक पौधे और झारखंड के वृक्ष भी लगेंगे। यही नहीं हरे-भरे विदेशी घास से लैंड स्केपिंग भी की जाएगी। कुमार ने कहा है कि अरगोड़ा चौक के वर्तमान 8 मीटर के गोलंबर के आकार को बढ़ाकर 18 मीटर तथा सहजानंद चौक के गोलबंर को 6 से बढ़ाकर 24 मीटर किया जाएगा। हरमू चौक पर अंडाकार स्वरूप दिया जाएगा। इससे यातायात संचालन में सुविधा होगी।

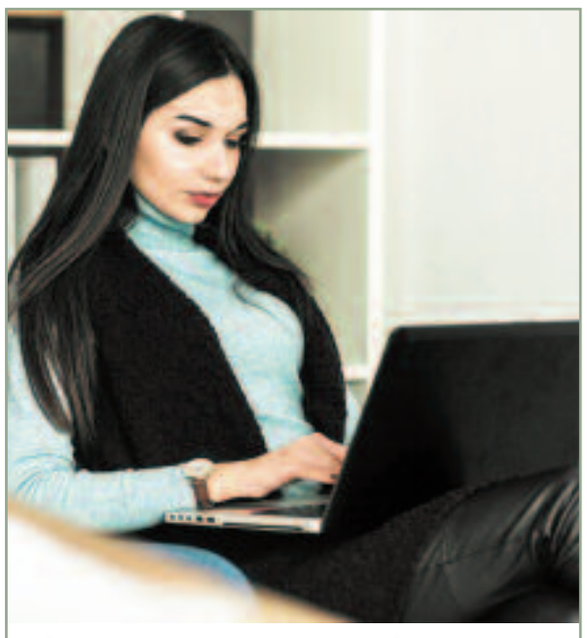

ग्रेजुएशन कर चुके युवा डिजिटल मार्केटिंग में बनाएं शानदार कॅरियर

युवाओं के लिए हमेशा से रोजगार एक बड़ा मुद्दा रहा है। एक सर्वे के मुताबिक देश में कॉलेज पास करने वाले हर दो युवाओं में सिर्फ एक युवा ही रोजगार के योग्य है। करीब 48.75 फीसदी युवा रोजगार के योग्य नहीं हैं। ऐसे में युवाओं के पास डिग्री होने के बाद भी अच्छी नौकरी नहीं मिल रही हैं। इसलिए आप डिग्री के अलावा अन्य स्किल्स पर भी काम कर सकते हैं।

एक सर्वे के मुताबिक मौजूदा कर्मचारियों में करीब 50 फीसदी ऐसे कर्मचारी हैं, जिनको डिजिटल स्किल सीखने की जरूरत है। क्योंकि आज के समय में तेजी से बढ़ती टेक्नोलॉजी में हर कंपनी में डिजिटली काम होने लगा है। वहीं साल 2026 तक देश को करीब 3 करोड़ से अधिक डिजिटली स्किल्ड प्रोफेशनल्स की आवश्यकता होगी। ऐसे में अगर आप भी नौकरी की तलाश में हैं, तो आप प्रोफेशनल सर्टिफिकेट इन डिजिटल मार्केटिंग और एडवांस सर्टिफिकेट इन ग्राफिक डिजाइन जैसे स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स की सहायता ले सकते हैं। बता दें कि यह दोनों ही प्रोग्राम भविष्य में रोजगार को ध्यान में रखते हुए एक्सपर्ट द्वारा तैयार किए गए हैं। इन कोर्स को घर बैठे कोई भी युवा, प्रोफेशनल, छात्र या गृहिणी कर सकते हैं। जिससे वह बड़े पैकेज की नौकरियां पा सकते हैं। ऐसे में आप इन कोर्सेज के लिए रजिस्टर कर डिजिटल सेक्टर में शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

कोर्स के फायदे

- 100 घंटे की लाइव व रिकॉर्डेड क्लासेज
- 25+ लाइव प्रोजेक्ट्स एवं केस स्टडीज
- 2 महीने की ऑन जॉब ट्रेनिंग
- एक्सपर्ट द्वारा इंटरव्यू प्रिपरेशन
- ई-बुक्स, प्रोग्राम नोट्स और मॉक टेस्ट
- गूगल सर्टिफाइड मेंटर्स द्वारा पढ़ाई
- 10 इंडस्ट्री बेस्ड मॉड्यूल्स
- 40+ लर्निंग टूल्स
- इंडस्ट्री एक्सपर्ट द्वारा मास्टर क्लास
- साप्ताहिक डाउट क्लीयरिंग सेशन

बनाएं अपना कॅरिअर

अगर आप भी ग्रेजुएशन कर चुके हैं और करियर को लेकर तमाम तरह की चिंताओं से घिरे हैं। तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे में युवा कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेज कर सकते हैं। आप घर बैठे खुद को किसी फील्ड का प्रोफेशनल बनाकर अपने करियर को एक दिशा दे सकते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के शॉर्ट टर्म कोर्स कर पाएं लाखों कमाने के मौके

इन दिनों बहुत सारे लोग नौकरी, बिजनेस या फिर पढ़ाई करते हुए कई दूसरे स्किल भी सीख रहे हैं। ऐसे में जिन लोगों के पास समय नहीं होता है, वह शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि यह कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन होते हैं।

इन दिनों बहुत सारे लोग नौकरी, बिजनेस या फिर पढ़ाई करते हुए कई दूसरे स्किल भी सीख रहे हैं। लेकिन रेग्यूलर कोर्स करने के लिए आपको किसी संस्थान में जाना होता है, इसके लिए आपके पास पर्याप्त समय होना चाहिए। ऐसे में जिन लोगों के पास समय नहीं होता है, वह शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि यह कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन होते हैं। वहीं इनमें से बहुत सारे कोर्स ऐसे भी होते हैं, जिनको करने के लिए आप किसी खास या तय समय पर कंप्यूटर के सामने नहीं बैठना पड़ता, बल्कि आप अपने समयानुसार इन कोर्स को कर सकते हैं।

राज्य और केंद्र सरकार के अलावा Google, IBM, Reuters जैसी कंपनियां भी इन कोर्सेज को कराती हैं। इन कोर्स की फीस 500 रुपए से लेकर 15 हजार रुपए तक हो सकती है। इनमें से कुछ कोर्स फ्री होते हैं, लेकिन सर्टिफिकेट लेने के लिए कुछ पैसे देने पड़ते हैं।

AI कोर्स

आपको बता दें कि गूगल समेत कई कंपनियों की तरफ से कई तरह के AI कोर्स जारी किए गए हैं। यह कोर्स ऑनलाइन और पूरी तरह फ्री हैं। करियर में आगे बढ़ने के लिए यह कोर्स आपकी मदद कर सकते हैं। हालांकि यह कोर्स अंग्रेजी में होते हैं और आपको थोड़ी-बहुत कंप्यूटर की जानकारी होनी चाहिए। बाकि इन कोर्स को करने के लिए किसी खास तरह की योग्यता की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में आप यह कोर्स को अपनी रेज्यूमे में जोड़कर अच्छी नौकरी की तलाश पूरी कर सकते हैं।

लार्ज लैग्वेज मॉडल्स

इस कोर्स को करने के बाद आप भी ChatGPT जैसा प्लैटफॉर्म बना सकते है। इस कोर्स में आपको यह सिखाया जाता है कि किस तरह से ChatGPT जैसे प्लेटफॉर्म पर इमेज और कंटेंट क्रिएट किया जाता है। आप इस कोर्स को करने के बाद किसी भी टॉपिक पर आर्टिकल बना सकते हैं। यह किसी भी कंटेंट को दूसरी भाषा में ट्रांसफर कर सकते हैं। मिनटों में लंबे असाइनमेंट या प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं। लार्ज लैग्वेज मॉडल्स कोर्स में यह भी बताया व सिखाया जाता है कि आप किस तरह प्रॉम्प्ट ट्यूनिंग की मदद से आउटपुट पर कंट्रोल पा सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है।

इमेज जनरेटर

इमेज जनरेटर का कोर्स कर आप AI की मदद से कैसा भी कोई भी फोटो जनरेट कर सकते हैं। इस कोर्स में आप यह भी सीख सकते हैं कि कम रिजॉल्यूशन वाली फोटो को हाई रिजॉल्यूशन में कैसे बदलें। इस कोर्स को करने के बाद आप किसी का चेहरा भी डिजाइन कर सकते हैं और लैंडस्केप इमेज भी तैयार कर सकती हैं। इस कोर्स में टेक्स्ट प्रॉम्प्ट के आधार पर इमेज, स्केच और कार्टून आदि बनाने की ट्रेनिंग दी भी जाती है। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है।

6 महीने का समय

इन कोर्स को करने का समय 3 घंटे से लेकर 6 महीने तक का हो सकता है। कोर्स को कब करना है, कितने बजे से कितने बजे तक करना है, यह फिक्स नहीं होता है। अपनी सुविधानुसार आप किसी भी समय इस कोर्स को कर सकते हैं।

AI में कैसे जॉब पाएं?

जबसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आया तबसे यह हर एक सेक्टर में काफी डिमांड में आ गया है। आज के समय AI तकनीक से कई सारे काम संभव हो रहे है। अगर आप AI में अपना करियार बनाना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए है। AI जॉब के लिए टेक्निकल एजुकेशन होना काफी जरुरी है। AI से संबंधित जॉब देने वाली कंपनियां कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, मैथ्स और एप्लाइड साइंस को कुछ मेन डिग्री है, जिनकी उन्हें तलाश रहती है। आज के डिजिटल युग में नई-नई तकनीक से काफी विकास हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने से तकनीक क्षेत्र लेकर मीडिया लाइन में इसका काफी प्रयोग हो रहा है। यह आज के समय में काफी डिमांड में है। AI क्षेत्र में नौकरियां भी काफी तेजी से बढ़ रही हैं। AI को करियर के रुप में देखा जा रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियां AI पर फोकस कर रही हैं, इसी तरह लोग भी AI बेस्ड नई नौकरी पाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। आपको बता दें कि, AI में कई नौकरियां शामिल हैं जैसे मशीन लर्निंग इंजीनियर, प्रॉम्पट इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट या AI रिचर्स इत्यादि। अगर आप इसे करियर बनाना चाहते हैं तो आपको बता दें किस तरह की पढ़ाई करनी है और कंपनियां को किस तरह की प्रोफाइल वाले रिज्यूम पसंद आते हैं।

टेक्निकल पढ़ाई

दरअसल, बिजनेस इंसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ रिक्रूटर्स का कहना है कि AI जॉब के लिए टेक्निकल एजुकेशन होना काफी जरुरी है। उनका मानना है कि अक्सर AI बेस्ड जॉब देने वाली कंपनियां कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, मैथ्स और एप्लाइड साइंस को कुछ मेन डिग्री के रुप में देखते हैं।

कानून की समझ हो

टैलेंट फर्म कैरेक्स कंसल्टिंग ग्रुप के एक टेक्निकल रिक्रूटर एंड्री मेंडोजा ने कहा कि क्योंकि AI एक नया फील्ड है, इसलिए इसकी ट्रेनिंग एक अच्छा ऑप्शन है। आगे उन्होंने बताया कि कानून की गहरी समझ होना जरुरी है और बेस्ट सिक्योरिटी प्रैक्टिस भी होनी जरुरी है। लेकिन शुरुआत में इतना काफी नहीं है। अगर आप इस नई फील्ड में अपनी जगह बनाने चाहते हैं तो आपका टेक्निकल बैकग्राउंड से होना बहुत जरुरी है। जो लोग अलग-अलग पढ़ाई या करियर वाले स्कूल से आत हैं, उन्हें AI में नौकरी नहीं मिल सकती है।

प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आना चाहिए

अगर आप AI में नौकरी पाना चाहते हैं तो AI की स्पेफिक टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी और इंजीनियर होना बहुत जरुरी है, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आना भी जरुरी है। AI में नौकरियों के लिए आवेदकों के लिए पायथन या जावास्क्रिप्ट की समझ होनी चाहिए।

कोडिंग की समझ भी जरुरी

एक्सपर्ट के मुताबिक, कोडिंग सर्टिफिकेट्स नौकरी पाने की संभावनाएं बढ़ा देते हैं। अगर AI में बेहतरीन नौकरी चाहिए तो कोडिंग की अच्छी समझ होनी चाहिए।

फार्मासिस्ट बनकर कॅरियर को दें नई ऊंचाइयां

फार्मासिस्ट बनकर आपको समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है। ऐसे में यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो इससे जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में आपको जानकारी होना जरूरी है।

अक्सर छात्र अपने करियर को लेकर काफी परेशान रहते हैं। क्योंकि मेहनत के साथ ही सही कोर्स का चुनाव करना भी जरूरी होता है। ऐसे में आप फार्मासिस्ट बन करने करियर को नई दिशा दे सकते हैं।

फार्मासिस्ट बनकर आपको समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है। ऐसे में यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो इससे जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में आपको जानकारी होना जरूरी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस कोर्स की सारी डिटेल्स बताने जा रहे हैं।

क्वालिफिकेशन

फार्मासिस्ट बनने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं है। छात्र को फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी या मैथ्स विषय से 12वीं पास होना चाहिए। 12वीं के बाद बैचलर ऑफ फॉर्मेसी की डिग्री हासिल करनी होगी। बी फार्मा का कोर्स 4 साल का होता है। वहीं आप चाहें तो मास्टर ऑफ फार्मेसी भी कर सकते हैं, यह दो साल का कोर्स होता है। इसमें पीएचडी का भी एक ऑप्शन होता है, पीएचडी कर आप शोध और शिक्षण के क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

चयन प्रक्रिया

बी.फार्मा में एडमिशन के लिए अधिकतम राज्यों और विश्वविद्यालयों द्वारा एंट्रेंस एग्जाम आयोजित कराए जाते हैं। तो वहीं कुछ प्रमुख परीक्षाओं में CUET और राज्य स्तरीय परीक्षाएं आदि भी शामिल हैं। एंट्रेस एग्जाम के बाद मेरिट लिस्ट के आधार पर काउंसलिंग की जाती है।

झझन जगहों पर कर सकते हैं नौकरी

- अस्पताल और क्लीनिक
- फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री
- रिटेल फार्मेसी
- रेगुलेटरी अफेयर्स
- शिक्षण

सैलरी

फार्मासिस्ट की सैलरी अनुभव, कार्यक्षेत्र और नौकरी की लोकेशन आदि पर निर्भर करती है। बता दें कि एक फार्मासिस्ट की औसत सैलरी 2.5 लाख से 4 लाख रुपए प्रति वर्ष हो सकती है। एक्सपीरियंस के साथ ही सैलरी बढ़ती जाती है। अनुभवी फार्मासिस्ट की सैलरी 8 लाख से 12 लाख रुपए प्रति वर्ष या इससे भी ज्यादा हो सकती है।

सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट परीक्षा की तैयारी के लिए छात्रों के लिए टिप्स

सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट (सीपीए) एक महत्वपूर्ण प्रमाणन है जो पेशेवरों को विविध और अत्यधिक मांग वाले कौशल सेट से लैस करता है। यह योग्यता न केवल शैक्षणिक ज्ञान और नौकरी की आवश्यकताओं के बीच अंतर को पाटती है बल्कि वैश्विक स्तर पर करियर के अवसरों को भी बढ़ाती है।

सीपीए परीक्षा, अमेरिकन इंस्टीट्यूटऑफ सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट्स (एआईसीपीए) द्वारा विकसित और नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टेट बोर्ड्स ऑफ अकाउंटेंसी (एनएएसबीए) द्वारा प्रशासित एक व्यापक चार-भागीय परीक्षा, यूएस आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और यूएस आम तौर पर विशेषज्ञता रखती है। स्वीकृत लेखापरीक्षा मानक (जीएएएस)। कई छात्रों के लिए व्यस्त कामकाजी जीवन को संतुलित करना और यूएस सीपीए प्रमाणन प्राप्त करना भारी पड़ सकता है। हालाँकि, सही रणनीतियों और मानसिकता के साथ, वित्तीय रिपोर्टिंग और ऑडिटिंग में उन्नत पेशेवर स्थिति हासिल करना पूरी तरह से संभव है।

अपनी योग्यता का निर्धारण करें

- किसी प्रतिष्ठित संस्थान से स्नातक की डिग्री प्राप्त करें।
- परीक्षा में बैठने के लिए 120 क्रेडिट घंटे पूरे करें; लाइसेंस के लिए 150 क्रेडिट घंटे आवश्यक हैं।
- अतिरिक्त राज्य-विशिष्ट आवश्यकताओं की समीक्षा करें।

अपना मूल्यांकन करें

- सभी शैक्षणिक प्रतिलेख अपने चुने हुए राज्य लेखा बोर्ड को जमा करें।
- आवश्यक शुल्क का भुगतान करें।

अपना परीक्षा आवेदन और शुल्क जमा करें

- सीपीए परीक्षा के लिए आवेदन करें और आवश्यक दस्तावेज जमा करें।
- आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

परीक्षण के लिए प्राधिकरण प्राप्त करें (एटीटी)

- राज्य बोर्ड से एटीटी प्राप्त करें और 90 दिनों के भीतर परीक्षा के लिए साइन अप करें।
- परीक्षा अनुभाग शुल्क का भुगतान करें।

शेड्यूल के लिए अपना नोटिस सत्यापित करें (एनटीएस)

एनटीएस प्राप्त करें और सत्यापित करें, जो आपको अपने परीक्षा अनुभागों को शेड्यूल करने की अनुमति देता है।

अपनी परीक्षा शेड्यूल करें

- प्रोमेट्रिक परीक्षण केंद्र पर अपने परीक्षा अनुभागों को शेड्यूल करें।
- अपनी पसंदीदा तिथि, स्थान और परीक्षा अनुभाग चुनें।

यूनिफॉर्म सीपीए परीक्षा उत्तीर्ण करें

- सीपीए परीक्षा के सभी चार अनुभागों को सफलतापूर्वक पूरा करें।

यूएस सीपीए लाइसेंस प्राप्त करें

- आवश्यक 150 क्रेडिट घंटे और प्रासंगिक कार्य अनुभव पूरा करें।
- अपने राज्य के लिए आवश्यक नैतिकता परीक्षा उत्तीर्ण करें।

कुछ अध्ययन टिप्स

- एक विस्तृत अध्ययन योजना बनाएं
- अपने कार्य शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए एक व्यवहार्य अध्ययन दिनचर्या विकसित करें।
- परीक्षा पाठ्यक्रम को प्रबंधनीय भागों में विभाजित करें और यथार्थवादी समय सीमा निर्धारित करें।

गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री चुनें

- विश्वसनीय समीक्षा पाठ्यक्रम और अध्ययन सामग्री चुनें।
- तैयारी के लिए अच्छे विशेषज्ञ व्याख्यान, ऑनलाइन संसाधनों और अध्ययन समूहों पर विचार करें।

प्रभावी समय प्रबंधन

- अपने अध्ययन सत्र को प्राथमिकता दें और ध्यान भटकाने से बचें।
- अध्ययन के समय के लिए कार्य अवकाश, सप्ताहांत और सुबह-सुबह का उपयोग करें।
- उत्पादकता बढ़ाने के लिए अध्ययन सत्र के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें।

सीखें और दोहराएं

- पाठ्यक्रम को अच्छी तरह से समझें और विशेष रूप से अपने कमजोर क्षेत्रों की पहचान करें।
- बुनियादी अवधारणाओं से शुरुआत करें और धीरे-धीरे अधिक कठिन विषयों की ओर बढ़ें।
- अपनी शिक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिदिन रिवीजन करें।

मॉक टेस्ट के साथ अभ्यास करें

- मुख्य परीक्षा के दौरान अच्छी तैयारी के लिए नियमित मॉक टेस्ट शेड्यूल करें।
- अपने प्रदर्शन का स्वयं मूल्यांकन करें और गलतियों की पहचान करें।

अध्ययन समूहों में शामिल हों

- आभासी अध्ययन समूहों के माध्यम से साथी छात्रों से जुड़ें
- दूसरों का दृष्टिकोण जानने के लिए चुनौतीपूर्ण विषयों और प्रश्नों पर चर्चा करें।

प्रेरित रहो

- अपने लक्ष्य को ध्यान में रखें और अपनी तैयारी के दौरान प्रेरित रहें।
- छोटी-छोटी जीतों का जश्न मनाएं और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखें।

रूस से खरीद बंद होने पर दुनिया में 10 फीसदी बढ़ेंगे क्रूड के दाम

- यहीं से हो रहा 10 प्रतिशत कच्चा तेल आपूर्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उच्च टैरिफ के दबाव में आकर अगर सभी देशों ने रूस से कच्चे तेल की खरीदारी बंद कर दी, तो इससे वैश्विक स्तर पर क्रूड के दाम 10 फीसदी बढ़ जाएंगे। एसबीआई ने शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, कच्चे

तेल की वैश्विक आपूर्ति में रूस की हिस्सेदारी करीब 10 फीसदी है। रूस से तेल खरीदारी बंद करने पर दुनियाभर में क्रूड की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। ऐसा तब तक होगा, जब तक कोई अन्य तेल उत्पादक देश इस कमी को पूरा करने के लिए आगे न आए। रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से न सिर्फ देशों का आयात बिल बढ़ेगा, बल्कि लागत और महंगाई के मोर्चे पर भी चुनौतियों का सामना करना होगा। कुल मिलाकर, अनिश्चितताओं और अस्थिरता के इस दौर में इन सबका नकारात्मक असर वैश्विक जीडीपी की वृद्धि दर पर पड़ेगा।

ट्रंप पर पनगढ़िया का कटाक्ष

लाशें चलती ही होंगी.. तभी 7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थशास्त्री अरविंद पनगढ़िया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था वाले कटाक्ष पर कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। डॉलर के संदर्भ में तो यह इससे भी अधिक है। ट्रंप के बयान पर तो यही कहा जा सकता है कि हो सकता है लाशें चलती हों। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष पनगढ़िया ने शुक्रवार को कहा, यदि

अर्थव्यवस्था मृत है तो आप 7 प्रतिशत से अधिक की दर से विकास नहीं कर सकते। मुझे नहीं पता कि इस परिभाषा का क्या अर्थ है। ट्रंप ने 31 जुलाई को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था, मुझे इसकी परवाह नहीं कि भारत रूस के साथ क्या करता है। वे मिलकर अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को नीचे गिरा सकते हैं, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। पनगढ़िया ने कहा, भारत को यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाना चाहिए। भूमि और श्रम बाजार सुधारों को आगे बढ़ाना चाहिए। विकास की गति तेज करने के लिए नियमों में ढील देना चाहिए। निर्यात पर उच्च शुल्क के बाद निर्णायक मोड़ का सामना कर रहे भारत को सुधार एजेंडे पर तेजी लानी चाहिए।

दिल्ली में टमाटर हुआ लाल

त्योहारी सीजन में सब्जियां हुई महंगी

तेल के भाव भी बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। सब्जियों की बढ़ी में दाम (प्रति किलो) कीमतों ने लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी है। आलम यह है कि टमाटर के साथ गोभी, शिमला मिर्च के दाम में पिछले महीने के मुकाबले काफी इजाफा हुआ है। रिटेल बाजार में सब्जियों के दाम लगभग दोगुने हो गए हैं। इसी बीच सरसों के तेल में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों के मुताबिक, बीते 15 दिनों के अंदर सरसों के तेल के दाम में 25 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

जिसकी वजह से लोगों के किचन का बजट बिगड़ गया है। आने वाले दिनों में इसके दाम में और बढ़ोतरी होने के आसार है। आजादपुर सब्जी मंडी के एक कारोबारी ने बताया कि इन दिनों शिमला मिर्च, गोभी, भिंडी, टमाटर, बीस समेत कई सब्जियों के दाम में तेजी आई है। आजादपुर सब्जी मंडी के वेजिटेबल ट्रेडर्स असोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी अनिल

मल्होत्रा ने बताया कि बारिश के चलते सब्जियां तेजी से खराब हो रही है, जिसकी वजह मंडी में सब्जियों की आवक घट गई है। जिससे सब्जियां अब महंगी होने लगी है। उन्होंने बताया कि पिछले एक हफ्ते में शिमला मिर्च से लेकर गोभी, धनिया के रेट आसमान छू रहे थे, लेकिन इस हफ्ते उनके रेट में थोड़ी गिरावट आई है। हालांकि, आशंका है कि लगातार बारिश होने के बाद फिर से सब्जियों के दाम में बढ़ोतरी हो सकती है।

सरसों तेल में तेजी

तेल के दाम में भी तेजी आई है। रोहिणी के रिटेल कारोबारी प्रवीण गोयल ने बताया कि 15 दिन पहले एक लीटर सरसों तेल 170 रुपये का था, अब 195 का मिल रहा है। हर दिन सरसों के तेल के दाम में वृद्धि देखने को मिल रही है। एक अन्य थोक कारोबारी ने बताया कि इस साल लगभग 111 लाख टन सरसों की फसल होने का अनुमान था, लेकिन अब तक करीब 95 लाख टन ही मार्केट में सरसों आई है।

दिल्ली में टमाटर हुआ लाल

केंद्र सरकार ने कहा कि दिल्ली में टमाटर का मौजूदा औसत भाव 73 रुपये प्रति किलों चल रहा है और इस ऊंचे भाव की एक बड़ी वजह देश के उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी इलाकों में हुई। भारी बारिश है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि चेन्न और मुंबई जैसे शहरों में हाल के हफ्तों में मौसम असामान्य नहीं होने से टमाटर के भाव इस तरह नहीं बढ़े। उसने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में 47 से 60 रुपये प्रति किलो तक के भाव पर सरकारी एजेंसियां टमाटर बेच रही है।

कहीं अमेरिका पर ही भारी न पड़ जाए टैरिफ

विश्लेषकों की राय, ट्रंप के रवैये से बढ़ सकती हैं मुश्किलें

वाशिंगटन/लंदन, एजेंसी। रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर जुर्माने से लेकर दर्द निवारक दवा का बेजा इस्तेमाल रोकने के लिए फेंटेनाइल के आयात पर रोक लगाने तक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को अपनी विदेश नीति का पसंदीदा हथियार बना लिया है। भारी-भरकम टैरिफ लगातार दुनियाभर के बाजारों में हलचल मचा देने वाले ट्रंप अब इसी के बलबूते रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को घुटनों पर लाने की कोशिश में जुटे हैं। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इससे पुतिन के तेवरों में कोई कमी आने के आसार नहीं हैं। ट्रंप ने रूस को धमकाने के लिए एकदम नायाब तरीका निकाला है। उन्होंने रूस से कहा है कि या तो वह एक दिन के भीतर यूक्रेन के साथ जंग रोके या फिर उसका तेल खरीदने वाले देशों पर द्वितीयक टैरिफ के तौर पर जुर्माना लगाए जाने के लिए तैयार रहे। ट्रंप का मानना है कि द्वितीयक शुल्क (भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ की तरह) से बचने के लिए संबंधित देश रूस से कच्चा तेल आयात करना बंद कर देंगे। इससे एक प्रमुख वित्तीय स्रोत बंद होने से रूस के लिए जंग लड़ना मुश्किल हो जाएगा।

एक साल में 93.21 फीसदी बढ़ी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री

ई-दोपहिया वाहनों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। नीतिगत समर्थन और चार्जिंग बुनियादी ढांचे में सुधार से इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों (ई-कारों) की खुदरा बिक्री जुलाई, 2025 में सालाना आधार पर 93.21 फीसदी बढ़कर 15,528 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में 8,037 ई-यात्री वाहन बिके थे। कुल बिक्री में टाटा मोटर्स का योगदान सर्वाधिक रहा।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 6,047 ई-यात्री वाहनों की बिक्री के साथ टाटा मोटर्स सबसे आगे रही। यह संख्या जुलाई, 2024 में बेचे गए 5,100 इकाइयों से 18.57 फीसदी अधिक है। दूसरे स्थान पर काबिज एमजी मोटर इंडिया ने 5,089 ई-यात्री वाहन बिके, जो सालाना आधार पर 214.91 फीसदी की वृद्धि है।

- **ई-वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री-** ई-तिपहिया वाहनों की बिक्री 9 फीसदी बढ़कर 69,146 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में 63,675 ई-तिपहिया वाहन बिके थे। महिंद्रा समूह 9,766 इकाइयों के पंजीकरण के साथ इस क्षेत्र में अग्रणी रहा।
- **बाजार हिस्सा बढ़ा, त्योहारों में अच्छी बिक्री की उम्मीद-** विक्री बढ़ने से ई-वाहनों की बाजार हिस्सेदारी में भी तेजी देखने को मिली है। ई-यात्री वाहनों की बाजार हिस्सेदारी जुलाई में बढ़कर 4.7 फीसदी पहुंच गई, जो जुलाई, 2024 में 2.4 फीसदी रही थी। ई-दोपहिया वाहनों की बाजार हिस्सेदारी 7.4 फीसदी से बढ़कर 7.5 फीसदी, ई-तिपहिया की 57.6 फीसदी से बढ़कर 62.1 फीसदी और ई-वाणिज्यिक वाहनों की हिस्सेदारी 1.07 फीसदी से बढ़कर 1.63 फीसदी पहुंच गई।

विदेशी मुद्रा भंडार 9.32 अरब डॉलर घटकर 688.87 अरब डॉलर पर, रिजर्व बैंक ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक अगस्त को समाप्त होने वाले हफ्ते के दौरान 9.322 अरब डॉलर कम होकर 688.871 अरब डॉलर रह गया। यह हाल के दिनों में हुई सबसे बड़ी गिरावटों में से एक है। आरबीआई ने शुक्रवार को फॉरेक्स रिजर्व से जुड़े आंकड़े जारी किए। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में समग्र विदेशी मुद्रा भंडार 2.703 बिलियन डॉलर बढ़कर 698.192 बिलियन डॉलर हो गया था। केंद्रीय बैंक ने अपने आंकड़ों में बताया कि एक अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 7.319 अरब डॉलर घटकर 581.607 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों की मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 1.706 अरब डॉलर घटकर 83.998 अरब डॉलर रह गया। शीर्ष बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 237 मिलियन अमरीकी डॉलर घटकर 18.572 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गए। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ में भारत की आरक्षित स्थिति भी 59 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 4.694 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गई।

एअर इंडिया ने सेवानिवृत्ति आयु सात साल तक बढ़ाई

पायलट के साथ इन कर्मियों को भी मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विमानन कंपनी एअर इंडिया ने पायलटों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 65 वर्ष और गैर-उड़ान कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 60 वर्ष करने का फैसला किया है। वर्तमान में एयरलाइन में पायलटों और गैर-उड़ान कर्मचारियों दोनों की सेवानिवृत्ति की आयु 58 वर्ष है। सूत्रों ने बताया कि सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने की घोषणा सीईओ और एमडी कैंपबेल विल्सन ने गत दिनों कंपनी की बैठक में की।

एअर इंडिया के पास कितने कर्मचारी- फिलहाल, एअर इंडिया की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया में लगभग 24,000 कर्मचारी हैं, जिनमें 3,600 पायलट और 9,500 केबिन क्रू सदस्य शामिल हैं। यह तुरंत पता नहीं चल सका है कि केबिन क्रू की सेवानिवृत्ति की आयु, जो वर्तमान में एयर इंडिया में 58 वर्ष है, बढ़ाई गई है या नहीं।

इलेक्ट्रिक बस और ट्रक पर सब्सिडी दो साल के लिए बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने 10,900 करोड़ रुपये की पीएम ई-ड्राइव स्कीम की वैलिडिटी इलेक्ट्रिक बसों, ई-एम्बुलेंस और ई-ट्रकों जैसी कुछ खास कैटिगरी के वाहनों के लिए दो साल बढ़ाकर मार्च 2028 तक कर दी है। नोटिफिकेशन के मुताबिक, इस स्कीम के प्रोविजन अब मार्च 2026 की बजाय मार्च 2028 तक लागू रहेंगे। हालांकि, यह भी बताया गया है कि रजिस्टर्ड ई-2डब्ल्यू (इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर), रजिस्टर्ड ई-रिक्शा और ई-कार्ट, और रजिस्टर्ड ई-3डब्ल्यू (रू) के लिए आखिरी तारीख 31 मार्च 2026 ही रहेगी। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि यह फंड लिमिटेड स्कीम है।

ईवी की बिक्री बढ़ी

इलेक्ट्रिक पैसेंजर वीइकल की रिटेल बिक्री जुलाई में पिछले साल के मुकाबले 93 फीसदी बढ़ी है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स असोसिएशंस (स्न्नष्ठ) ने शुक्रवार को बताया कि इसमें टाटा मोटर्स सबसे आगे रही। वहीं, इलेक्ट्रिक टू-वीलर सेगमेंट में 4 फीसदी की गिरावट आई। इलेक्ट्रिक थ्री-वीलर सेगमेंट में 9 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली।

हरदीप पुरी बोले- भारत ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा

लेकिन आयात अब भी महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को स्वच्छ ऊर्जा और घरेलू ईंधन उत्पादन में भारत की प्रगति के बारे में बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि देश अब भी अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। पेट्रोलियम मंत्री ने जैव ऊर्जा और प्राकृतिक गैस क्षेत्र की प्रगति पर कहा, हमारे पास पहले से ही 113 संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र कार्यरत हैं और 73 निर्माणाधीन हैं। मंत्री ने यहां राष्ट्रीय राजधानी में पायनियर बायोफ्यूल्स 360 शिखर सम्मेलन के अवसर पर संवाददाताओं से कहा, यदि आप बाजार में आने वाले कार मॉडलों को देखें, तो पाएंगे कि उनमें से कई नए मॉडल सीएनजी-संगत हैं। इसलिए यह एक सफलता की कहानी है। पुरी ने ऊर्जा पहुंच में प्रगति के एक अन्य उदाहरण के रूप में भारत के लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) वितरण की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, आज हम सभी आंकड़ों से उलट चल रहे हैं। देश में 33.5 करोड़ एलपीजी कनेक्शन हैं, जिनमें उज्ज्वला योजना के तहत 10.5 करोड़ कनेक्शन शामिल हैं, फिर भी हम अपनी जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करते हैं। आयात पर निर्भरता को स्वीकार करते हुए, पुरी ने दोहराया कि देश घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए निर्णायक कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा, हमारी रिफाइनरियां अधिक उत्पादन करने जा रही हैं। हम अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी) में और अधिक काम करने जा रहे हैं। प्राकृतिक गैस के बारे मंत्री पुरी ने कहा कि घरेलू उत्पादन में अच्छी वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा, हां, हमारा उत्पादन प्रति वर्ष 18 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, लेकिन फिर भी हम अब भी लगभग 50 प्रतिशत आयात कर रहे हैं। मंत्री पुरी ने आत्मनिर्भर भारत के प्रति देश की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

देसी में है दम... तभी तो यह शख्स कर रहा करोड़ों रुपये की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। कौन कहता है कि देसी चीजों में दम नहीं है एक बार आप उसे करिए तो सही, पैसा आना अपने आप शुरू हो जाता है। ऐसा ही कुछ किया है कोयंबटूर के रहने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट विकास कुमार ने। विकास कुमार केमिकल फ्री स्विमिंग पूल बनाते हैं। इसके जरिए वह आज करोड़ों रुपये की कमाई कर रहे हैं। विकास कुमार अपने छोटे बेटे के लिए केमिकल-फ्री स्विमिंग पूल खोज रहे थे। उन्होंने देखा कि शहर के ज्यादातर पूल में क्लोरीन होता है। क्लोरीन त्वचा, बालों और फेफड़ों के लिए हानिकारक होता है। विकास को अपने बचपन के गांव के नेचुरल

तालाबों से प्रेरणा मिली। उन्होंने बिना सीमेंट और केमिकल के नेचुरल चीजों से स्विमिंग पूल बनाने का फैसला किया।

कैसे लिया फैसला- विकास ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं नहीं चाहता था कि मेरा बेटा हर बार तैरने के बाद चश्मा पहने, उसकी आंखें लाल हों और उसमें से ब्लीच की गंध आए। इसलिए विकास ने साधारण पूल से अलग कुछ करने का सोचा। उन्होंने तमिलनाडु के पोल्लाची में अपने फार्महाउस पर बिना सीमेंट, क्लोरीन या सिंथेटिक चीजों का इस्तेमाल किए नेचुरल, सेल्फ-क्लीनिंग स्विमिंग तालाब बनाया।

कंपनी बनाकर शुरू किया काम

सीए होने के बावजूद विकास को रिस्क पता थे। लेकिन उन्हें पर्यावरण और आर्थिक दोनों तरह से यह सही लगा। उन्होंने बायोस्फीयर नाम से एक कंपनी शुरू की। यह कंपनी इंडियन क्लाइमेट, मटेरियल और लाइफस्टाइल के हिसाब से बायो स्विमिंग पूल डिजाइन और बनाती है। उनके पूल पूरी तरह से नेचुरल और लोकल मटेरियल से बने होते हैं। एक कम एनर्जी वाला पंप हर समय चलता रहता है। यह पानी को बजरी, जलीय पौधों और फायदेमंद बैक्टीरिया की परतों से होकर गुजारता है। ये बैक्टीरिया और पौधे नेचुरल फिल्टर की तरह काम करते हैं। वे पानी से गंदगी निकालते हैं और उसे बैलेंस रखते हैं। इसके लिए किसी भी तरह के केमिकल या हर साल पानी बदलने की जरूरत नहीं होती है।

कितनी हो रही कमाई- आज बायोस्फीयर सिर्फ एक आदमी की कंपनी नहीं है। यह एक बढ़ता हुआ बिजनेस है। यह पूरे भारत में इको-फ्रेंडली घर मालिकों, रिसॉर्ट और फार्महाउस को सर्विस देता है। एक नेचुरल स्विमिंग तालाब बनाने में लगभग 45 दिन लगते हैं। इसे कस्टमाइज भी किया जा सकता है। इसमें कोई तालाब, झरने और नेचुरल स्ट्रीम भी बनाए जा सकते हैं। इन पूल को ज्यादा मेंटेनेंस की जरूरत नहीं होती है। इनमें कंक्रीट या प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं होता है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले रन मशीन विराट कोहली ने लंदन में शुरू की ट्रेनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम इंडिया के रन मशीन के नाम से मशहूर विराट कोहली पिच पर लौट आए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन की मौजूदगी में अभ्यास किया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, हिट में मदद के लिए शुक्रिया, भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है। उन्होंने सेशन के दौरान अमीन के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की। अमीन ने अपने अकाउंट पर स्टोरी दोबारा शेयर करते हुए कहा, भाई, आपको देखकर अच्छा लगा! जल्द ही मिलते हैं। अमीन बर्कशायर, बकिंघमशायर और लंदन में माइटी विलो अकादमी चलाते हैं और इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के कोचिंग स्टाफ में थे। इससे पहले, भारत के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी अच्छे अभ्यास सत्रों के लिए अमीन की अकादमी में आ चुके हैं। विराट कोहली टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। कोहली का ध्यान अब पूरी तरह से भारत के लिए वनडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की प्रतिबद्धताओं पर है। कोहली ने 302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 के फाइनल में शानदार पारी खेली थी। विराट कोहली ने 43 रनों की पारी खेली थी, जिससे आरसीबी ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर आखिरकार अपनी पहली ट्रॉफी जीती थी। कोहली को फिर से मैदान पर देखने के लिए प्रशंसक बेताब हैं। हालांकि, फैंस को अभी अक्टूबर माह तक इंतजार करना होगा।

यूएस ओपन

पाउला बडोसा ने अमेरिकी ओपन से नाम वापस लिया, चोट से जूझ रही हैं सितसिपास की गर्लफ्रैंड

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाउला बडोसा ने पीठ की चोट के कारण शुक्रवार को अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। वह 30 जून को विंबलडन में पहले दौर में हार के बाद से चोट से जूझ रही थीं। बडोसा टेनिस में पुरुष एकल के स्टार खिलाड़ी ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास की गर्लफ्रैंड हैं। अमेरिकी टेनिस संघ ने बडोसा के हटने की घोषणा की और कहा कि उनकी जगह जिल टेचमैन को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। अमेरिकी ओपन के मुख्य ड्रॉ के मैच 24 अगस्त को शुरू होंगे। स्पेन की 27 वर्षीय बडोसा 2022 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर दो पर पहुंची थी। वह अभी विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं। वह पिछले साल अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

बेंगलुरु में देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बनेगा

RCB भगदड़ केस के बाद फैसला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के पास नया क्रिकेट स्टेडियम बनवाने की घोषणा की है। इस स्टेडियम में एक साथ 80 हजार दर्शक मैच देख सकेंगे।

यह दर्शक क्षमता के हिसाब से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। सिद्धारमैया ने कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड के सूर्या सिटी, बोम्मासंद्रा में स्टेडियम के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसे 1650 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। नया स्टेडियम पहले से मौजूद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से 22 किलोमीटर दूर है। इसे बनाने का फैसला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विक्ट्री सेलिब्रेशन में मची भगदड़ के बाद लिया गया है।

स्टेडियम 100 एकड़ में बनाया जाएगा

1,650 करोड़ रुपए की इस परियोजना का पूरा खर्च कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड उठाएगा। इसमें सिर्फ क्रिकेट मैदान ही नहीं, बल्कि आठ इनडोर और आठ आउटडोर खेलों की सुविधाएं, आधुनिक जिम, ट्रेनिंग सेंटर, स्विमिंग पूल, गेस्ट हाउस, हॉस्टल, होटल और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक कन्वेंशन हॉल भी होगा। यह स्टेडियम बेंगलुरु में बीसीसीआई के नए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी जैसा बन सकता है।

एशिया कप के लिए तैयार हो रहे हैं सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में चल रहे रिहैब के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी की। अपनी बल्लेबाजी से इस दिग्गज बल्लेबाज ने आगामी एशिया कप से पहले फिटनेस हासिल करने के महत्वपूर्ण संकेत दिए। जुलाई माह में, सूर्यकुमार यादव ने जर्मनी के म्यूनिख में हर्निया की सर्जरी करवाई थी और इसके बाद बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैबिलिटेशन के लिए भर्ती हुए थे। उन्होंने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दिखाया गया कि उन्होंने सीओई में फिर से बल्लेबाजी शुरू कर दी है। हालांकि सूर्यकुमार ने पिछले हफ्ते के अंत से ही नेट्स में बल्लेबाजी का अभ्यास शुरू कर दिया था। यह उनके एशिया कप से पहले पूरी फिटनेस हासिल करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। सूर्यकुमार ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, मैं उस काम को फिर से करने के लिए बेताब हूं जो मुझे पसंद है।

नेट्स पर शुरू की बल्लेबाजी

वीडियो में वह व्यायाम और दौड़ते हुए भी दिखाई दे रहे हैं, और फिट नजर आ रहे हैं। सूर्यकुमार यादव ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी बदौलत उनकी टीम ने टूर्नामेंट में दूसरा क्वालीफायर खेला। वह मुंबई इंडियंस (एमआई) के लिए 717 रन बनाकर टूर्नामेंट के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी थे। वह इस सीजन के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे और ऑरेंज कैप विजेता साई सुदर्शन से बस कुछ रन ही पीछे थे, जिन्होंने गुजरात टाइटन्स (जीटी) के लिए 759 रन बनाए थे। भारत का अगला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले एशिया कप में होगा। रोहित शर्मा के 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जीत के बाद इस प्रारूप से संन्यास लेने के बाद, अब तक सूर्यकुमार का भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के रूप में एक प्रभावशाली रिकॉर्ड रहा है। सूर्यकुमार ने 22 मैचों में भारत का नेतृत्व किया है।

भारत का वेलम्मल स्कूल बना फीडे विश्व स्कूल्स टीम शतरंज चैम्पियन

एलेक्ज़ेंड्रिया, वर्जीनिया ,अमेरिका, एजेंसी। विश्व चंपोइओन डी गुकेश और प्रज्ञानन्दा के स्कूल के नाम से पहचान रखने वाले भारत की वेलम्मल एमएचएस स्कूल चेन्नई ने एक बार फिर अपने शतरंज प्रभुत्व का प्रदर्शन करते हुए 2025 फीडे विश्व स्कूल्स टीम चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। अमेरिका के एपिस्कोपल हाई स्कूल के सुंदर परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वभर से युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। आठ राउंड में सभी मैच जीतकर वेलम्मल एमएचएस ने स्वर्ण पदक पर कब्ज़ा जमाया। यह जीत भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी सफलता है। वेलम्मल स्कूल इससे पहले भी कई प्रतिष्ठित खिताब जीत चुका है, और इस स्कूल के पूर्व छात्र ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ,आर. प्रग्गानंधा और लियॉन मेंडोंका जैसे नाम आज विश्व शतरंज में प्रसिद्ध हैं। प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में वेलम्मल पहले ही अपराजेय बढ़त बना चुका था। दूसरे स्थान के लिए संघर्ष बेहद रोमांचक रहा, जहां सात टीमें आखिरी राउंड तक रेस में थीं।

...तो रोहित शर्मा ही होंगे 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के कप्तान?

ICC के पोस्टर से मची सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था. रोहित शर्मा टी20 इंटरनेशनल को पहले ही अलविदा कह चुके थे. ऐसे में वो भारत के लिए सिर्फ वनडे क्रिकेट नजर आएंगे. भारतीय टीम को अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे मुकाबले भी खेलने हैं, जिसमें रोहित शर्मा खेलते नजर आ सकते हैं.

इसी बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने रोहित शर्मा से जुड़ा एक ऐसा पोस्टर जारी किया, जिसने भारतीय क्रिकेट फैन्स के बीच हलचल मचा दी. यह पोस्टर आईसीसी ने 2026 में भारत-इंग्लैंड के बीच इंग्लिश जमीन पर होने वाली व्हाइट बॉल सीरीज को लेकर जारी किया था. इस पोस्टर में रोहित शर्मा के अलावा हैरी ब्रूक की भी तस्वीर थी. रोहित जहां भारत की वनडे टीम के कप्तान हैं, वहीं ब्रूक व्हाइट बॉल क्रिकेट में इंग्लैंड की कप्तानी करते हैं.

आईसीसी के पोस्टर ने फैन्स को सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या रोहित शर्मा ही 2027 वर्ल्ड कप तक भारत की वनडे टीम की कमान संभालेंगे. दिलचस्प बात यह है कि आईसीसी ने इस पोस्टर को कुछ समय बाद अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स से बिना कारण बताए हटा दिया. हालांकि तब तक आईसीसी का ये पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका था.

भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ किया था कि 2027 वर्ल्ड कप को लेकर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा. गंभीर ने कहा था, हमारे पास उससे पहले एक टी20 वर्ल्ड कप है, जो अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होगा. फिलहाल पूरा फोकस उसी पर है. नवंबर-दिसंबर 2027 अब भी ढाई साल दूर है. अगर आप प्रदर्शन करते रहते हैं, तो उम्र सिर्फ एक नंबर है.

शुभमन और सूर्यकुमार ने कप्तानी में दिखाया है दम

रोहित शर्मा के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव को इस फॉर्मेट में भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया था. वहीं रोहित ने जब टेस्ट से संन्यास लिया तो शुभमन गिल ने क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट में भारतीय टीम की कमान संभाली. शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराई थी. जबकि टी20 में बतौर कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अभी तक अच्छा नहीं रहा है.

रोहित शर्मा 2027 के क्रिकेट वर्ल्ड कप तक भारतीय वनडे टीम के कप्तान रहेंगे या नहीं, यह अभी तय नहीं है. लेकिन आईसीसी के इस पोस्टर ने सनसनी जरूर मचा दी है. 2027 वर्ल्ड कप में अब भी दो साल से ज्यादा का वक्त है. तब तक रोहित शर्मा 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे.

चेन्नई सुपर किंग्स को लग सकता है बड़ा झटका

अलग हो सकता है ये खिलाड़ी

चेन्नई, एजेंसी। क्या आर अश्विन और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच दूरियां बढ़ रही हैं? हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स खेमे में चल रही ताजा गतिविधियों से ऐसा लग रहा है कि अश्विन - जो लाल गेंद के क्रिकेट में भारत के सबसे महान मैच विजेताओं में से एक हैं - चेन्नई सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी से अलग हो सकते हैं। इस अपरिहार्य अलगाव का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने अपना मन बना लिया है और फ्रेंचाइजी को इस बारे में बता दिया है।

उन्हें ष्ट्रस्य की भविष्य की योजनाओं के बारे में कोई संकेत मिले हैं या नहीं, यह तो पता नहीं है, लेकिन जैसा कि क्रिकबज ने कल बताया था, पिछले कुछ दिनों से चेन्नई में मौजूदा और पूर्व कप्तान एमएस धोनी और रुतुरान गायकवाड़ सहित ष्ट्रस्य के शीर्ष अधिकारी और खिलाड़ी बैठक कर रहे हैं। संभावना है कि फ्रेंचाइजी ने आगामी सीजन की योजनाओं पर चर्चा की होगी। यह एक अपरिहार्य कदम प्रतीत होता है, क्योंकि यह अनुभवी स्पिनर ष्ट्रस्य अकादमी में संचालन निदेशक के रूप में अपनी भूमिका छोड़ सकता है - यह वह पद है जो वह पिछले एक साल से संभाल रहे हैं। अगर वह किसी अन्य फ्रेंचाइजी से जुड़ते हैं, तो ष्ट्रस्य की भूमिका में बने रहना हितों के टकराव की स्थिति पैदा कर सकता है, जिससे बचने के लिए वह उत्सुक हैं। 221 मैचों में 187 विकेट (7.29 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ) और 833 रन (118 की स्ट्राइक रेट के साथ) के अनुभवी अश्विन को आईपीएल सर्किट में खरीदार जरूर मिलेंगे। दिलचस्प बात यह है कि क्या इस खिलाड़ी को किसी अन्य फ्रेंचाइजी में ट्रेड किया जाएगा या वह नीलामी में जाएगा। पिछले सीजन में उन्होंने फ्रेंचाइजीके लिए नौ मैच खेले थे। अश्विन को चेन्नई सुपर किंग्स ने 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था, जो नौ साल बाद अपनी घरेलू फ्रेंचाइजी में उनकी वापसी का प्रतीक था। 2016 से 2024 के बीच, उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेला। इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने अपना आईपीएल सफर चेन्नई सुपर किंग्स के साथ शुरू किया था, जहां उन्होंने अपने पहले आठ सीजन (2008-2015) एमएस धोनी की कप्तानी वाली टीम के साथ बिताए थे; उन्होंने 2009 में अपना डेब्यू किया था। यह खबर उस खबर के एक दिन बाद आई है जिसमें बताया गया था कि संजू सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी से उन्हें रिलीज करने का अनुरोध किया है। क्रिकबज ने टिप्पणी के लिए चेन्नई सुपर किंग्स के अधिकारियों से संपक किया। अश्विन तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए उपलब्ध नहीं थे।

पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश का कमाल

दिल्ली प्रीमियर लीग में इतने शतक लगाने वाले पहले बैटर बने

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में शानदार रहा था और ये टीम उप-विजेता रही थी। इस सीजन में दिल्ली के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्या का भी उदय हुआ जिन्होंने पंजाब की इस शानदार जर्नी में अपना पूरा सहयोग दिया। प्रियांश ने 17 मैचों में लगभग 180 की स्ट्राइक रेट के साथ 475 रन बनाए थे और एक शतक (103) भी लगाया था।

दिल्ली प्रीमियर लीग में 3 शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने प्रियांश आर्या- आईपीएल 2025 के बाद अब प्रियांश आर्या दिल्ली प्रीमियर लीग में इस सीजन में आउटर दिल्ली वॉरियर्स के लिए खेल रहे हैं और उन्होंने इस सीजन में अपना पहला शतक ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ लगाया। प्रियांश ने 8 अगस्त यानी शुक्रवार को अपनी टीम के लिए ओपन करते हुए 56 गेंदों पर 9 छक्के और 7 चौकों की मदद से 111 रन की पारी खेली और ये दिल्ली प्रीमियर लीग में प्रियांश का तीसरा शतक रहा।

प्रियांश ने दिल्ली प्रीमियर लीग 2024 यानी पहले सीजन में 2 शतक लगाए थे जबकि उन्होंने इस लीग के दूसरे सीजन में अब तक खेले मैचों में एक शतक लगाया है। यानी दिल्ली प्रीमियर लीग में उनके नाम पर अब तक 3 शतक हो चुके हैं और वो इस लीग में 3 शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने। प्रियांश ने दिल्ली प्रीमियर लीग में अपना पहला शतक पिछले सीजन में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के लिए खेलते हुए 26 अगस्त 2024 को पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ लगाया था और उस मैच में उन्होंने 55 गेंदों पर नाबाद 107 रन की पारी खेली थी और इस दौरान 7 छक्के और 9 चौके लगाए थे।

निशानची से डेब्यू करने जा रहे ऐश्वर्य ने ली बाबिल खान की जगह

बॉलीवुड में नए चेहरों का आना कोई नई बात नहीं, लेकिन अगर किसी की पहली फिल्म रिलीज भी न हुई हो और वो एक और बड़ी फिल्म साइन कर ले, तो जाहिर है कि वो चेहरा खास है। हालांकि अभी इसे लेकर सिर्फ एक बज बना हुआ है कि ऐश्वर्य ठाकरे, जो जल्द ही अनुराग कश्यप की फिल्म 'निशानची' से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने जा रहे हैं उन्हें एक और बड़ी फिल्म मिल गई है। खास बात ये है कि वो फिल्म की इसलिए चर्चाओं में हैं क्योंकि उसमें पहले दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान को कास्ट किया गया था। जिस फिल्म के बारे में हम बात कर रहे हैं वो है तेलुगु सुपरहिट फिल्म 'बेबी' का हिंदी रीमेक। इस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बज बना हुआ है कि इसमें अब बाबिल खान की जगह ऐश्वर्य ठाकरे को कास्ट कर लिया गया है।

बाबिल खान ने क्यों छोड़ी फिल्म?

फिल्म 'बेबी' के हिंदी रीमेक की घोषणा के समय खबरें थीं कि बाबिल खान इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उनके फैंस इस खबर से काफी उत्साहित थे। लेकिन अचानक यह खबर आई कि बाबिल अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इसके पीछे की वजह एक इमोशनल वायरल वीडियो को बताया गया, जिसमें बाबिल ने अपने संघर्ष और मानसिक स्थिति को लेकर बात की थी। इस वीडियो के बाद उनकी निर्देशक के साथ बातचीत बिगड़ गई और दोनों के बीच प्रोफेशनल असहमति की बात सामने आई।

एक्टिंग से ब्रेक पर हैं बाबिल?

बाबिल खान की अब तक की फिल्में जैसे काला और द रेलवे मैन में उन्हें सराहना जरूर मिली है, लेकिन वह अभी भी अपनी पहचान को पुख्ता करने की कोशिश में हैं। ऐसे में किसी चर्चित फिल्म से बाहर होना उनके करियर के लिए झटका माना जा सकता है। कुछ सूत्रों का कहना है कि बाबिल एक छोटे ब्रेक पर हैं और जल्द ही किसी नई फिल्म के साथ वापसी करेंगे।

प्यार, कानून और धोखा, द ट्रायल के सीजन 2 के साथ फिर लौटीं काजोल

काजोल एक बार फिर अपने पुराने रूप में वापसी कर रही हैं, लेकिन इस बार पहले से कहीं ज्यादा सख्त और मजबूत इरादों के साथ। 'द ट्रायल' के पहले सीजन में जब उन्होंने नोयोनिका सेनगुप्ता की भूमिका निभाई थी, तो दर्शकों ने उनकी खूब तारीफ की थी। अब इस बेहद चर्चित कोर्टरूम ड्रामा का सीजन 2 तैयार है और काजोल उसी किरदार में लौट रही हैं, जिसने उनके ओटीटी करियर को शानदार दिशा दी थी।

काजोल ने अनोखे ढंग से किया ऐलान

हाल ही में जब ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार ने सीजन 2 की घोषणा की, तो उसका तरीका भी बेहद खास था। वीडियो में काजोल गुस्से में नजर आती हैं और कहती हैं कि मैं तो लगातार काम कर रही हूं, फिर कितनी बार कमबैक करूंगी? लेकिन जब उन्हें क्यू कार्ड पलटने को कहा जाता है, तो उस पर लिखा होता है — मैं एक बार फिर द ट्रायल सीजन 2 के साथ लौट रही हूं। अभिनेत्री के इस वीडियो को देखने के बाद दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई। खासकर जब इस सीजन की टैगलाइन सामने आई और वो है प्यार, कानून और धोखा। इससे साफ हो गया कि इस बार कहानी और भी गहरी और टकराव और भी तीखा होने वाला है।

'द ट्रायल सीजन 2' को 19 सितंबर 2025 से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाएगा। पहले सीजन की तरह ही, इस बार भी कहानी कोर्टरूम और निजी जीवन के टकराव के इर्द-गिर्द घूमेगी। लेकिन सूत्रों की मानें तो इस बार नोयोनिका का किरदार और भी ग्रे और रियलिस्टिक होगा। जहां पहले वो अपने परिवार के लिए मजबूरी में कोर्ट लौटी थीं, वहीं अब वो एक पेशेवर और महिला के तौर पर खुद के लिए न्याय चाहती हैं। कहानी में इस बार सिर्फ रिश्तों की नहीं, बल्कि खुद से जंग की भी परतें खुलने वाली हैं।

दिलजीत दोसांझ की सरदार जी 3 की रिलीज पर वाणी कपूर ने रखी राय

पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान के साथ वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल इस साल पहलगाम हमले की वजह से रिलीज नहीं हो सकी। इस मामले के बाद दिलजीत दोसांझ की फिल्म सरदार जी 3, जिसमें पाकिस्तानी कलाकार हानिया आमिर भी हैं को विदेशों में रिलीज किया गया। फिल्म की रिलीज पर काफी हंगामा हुआ। इसके बहिष्कार की मांग की गई। हाल ही में एक बातचीत में वाणी कपूर ने सरदार जी 3 का बचाव किया है। वाणी कपूर ने कहा मुझे याद है कि यह फिल्म पहलगाम हमले से पहले शूट की गई थी। ऐसे में मुझे लगता है कि अगर फिल्म रिलीज नहीं होगी तो निर्माता के पैसे फंस जाएंगे। मुझे लगता है कि इस फिल्म को बनाने में 100 से ज्यादा लोग लगे थे। जब फिल्म की शूटिंग हो रही थी तब हालात दूसरे थे।

दिलजीत वैश्विक स्टार हैं वाणी कपूर ने आगे कहा मुझे नहीं लगता कि उनका मकसद देश की बेहुरमती करना था। वह एक वैश्विक स्टार हैं। उन्हें विश्व स्तर पर देखा जाता है। उन्हें जो ठीक लगा उन्होंने वैसा काम किया। मुझे लगता है कि इससे कोई भी कानून नहीं टूटा है।

मुश्किलों में फंसी थी अबीर गुलाल

आपको बता दें कि इसी साल अप्रैल में फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल मुश्किलों में फंस गई थी। इस फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान ने अभिनय किया था। यह फिल्म कश्मीर के पहलगाम में हमले के बाद विवादों में आई थी। लोगों का कहना था कि इस फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार ने काम किया है और पाकिस्तानी आतंकियों ने ही पहलगाम में हमले को अंजाम दिया था। पाकिस्तानी हमले में कई पर्यटक मारे गए थे।

अमृता प्रीतम की बायोपिक करना सम्मान की बात होगी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता बीते 31 साल से हिंदी फिल्मों में काम कर रही हैं। इसके अलावा वो पंजाबी, उर्दू, तमिल, मलयालम और अंग्रेजी सिनेमा में भी काम कर चुकी हैं। अब दिव्या फिल्म 'माया सभा' से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। बातचीत में उन्होंने अपने किरदार, इंडस्ट्री के अनुभव और फिल्मी सफर के बारे में बात की। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

तेलुगु में डेब्यू करने के लिए फिल्म 'माया सभा' को ही क्यों चुना?

मुझे लगा कि शुरुआत करने के लिए ऐसा प्रोजेक्ट होना चाहिए, जिसमें वजन हो। यह एक पॉलिटिकल ड्रामा है, पीरियड सेटअप में बनी हुई एक फिक्शनल स्टोरी है। हर किरदार की अपनी अहमियत है और मेरा किरदार भी बहुत खास है। ऐसा किरदार, जो बिना शोर मचाए खेल पलट सकता है।

वो समय कब आया, जब आपने तय किया कि अब सिर्फ वही काम करेंगे, जो दिल कहे?

आजा नचले के बाद मैंने एक साथ कई फिल्में साइन कर ली थीं। तभी आदित्य चोपड़ा से बात हुई। उन्होंने कहा, तुम बहुत अच्छी एक्टर हो, मशीन मत बनो। वो बात दिल को छू गई। मैंने खुद से सवाल किया.. क्या मैं सिर्फ डेट्स भर रही हूं या कहानियां जी रही हूं? उसके बाद मैंने कई फिल्में छोड़ीं और फिर दिल्ली-6 जैसी फिल्में आईं, जो मुझे बहुत करीब लगीं।

क्या कभी इंडस्ट्री में हीरोइन टाइप लुक का दवाब महसूस किया?

नहीं, कभी ऐसा नहीं लगा। करियर की शुरुआत में हीरो के साथ गाने भी किए हैं, रोमांस भी किया है, लेकिन फिर मुझे ट्रेन टू पाकिस्तान जैसी फिल्में मिलीं और श्याम बेनेगल जैसे निर्देशकों के साथ काम मिला। मैंने खुद वो रास्ता चुना जो अलग था और मुझे अच्छा भी लगा। मुझे हमेशा अलग कहानियां ही पसंद आई हैं।

अगर किसी की बायोपिक करनी हो तो किसे चुनेंगी?

अमृता प्रीतम। उनकी लेखनी, उनकी भावनाएं और उनकी बेबाकी ने मुझे हमेशा गहराई से प्रभावित किया है। वो सिर्फ कवयित्री नहीं थीं, वो एक सोच थीं, एक क्रांति थीं। उनका किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

ऐश्वर्या से तलाक के बाद मृणाल ठाकुर को डेट कर रहे हैं धनुष?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा रहा है, जिसमें धनुष एक पार्टी में मृणाल ठाकुर का हाथ थामे बातों में मशगूल हैं। वीडियो को देख उनके अफेयर की चर्चा शुरू हो गई है। धनुष का 2024 में ही पत्नी से तलाक हुआ। एक्टर धनुष का पत्नी ऐश्वर्या रजनीकांत से अप्रैल 2024 में तलाक हो गया था। हालांकि, कुछ महीने पहले दोनों बड़े बेटे यत्र के स्कूल की ग्रेजुएशन सेरिमनी में साथ दिखे थे। धनुष और ऐश्वर्या अपनी-अपनी जिंदगी में बिजी हैं, पर बच्चों के लिए साथ आ जाते हैं। इसी बीच खबरें हैं कि धनुष एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर को डेट कर रहे हैं। दोनों को कई इवेंट्स में साथ में स्पॉट किया गया, जिसके बाद उनकी डेटिंग की अफवाहें शुरू हो गईं। एक्टर धनुष हाल ही मृणाल ठाकुर की बर्थडे पार्टी में शामिल हुए थे, और अब उस पार्टी का अंदर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें धनुष ने मृणाल ठाकुर का हाथ पकड़ा हुआ है और बात कर रहे हैं। इसी वीडियो को देख फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। यह वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।

धनुष की फिल्म की पार्टी में नजर आई थीं मृणाल ठाकुर

इससे पहले 3 जुलाई को मृणाल ठाकुर, धनुष की फिल्म तेरे इश्क में की पार्टी में नजर आई थीं, जिसे राइटर और प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लन ने रखा था। कनिका ने बाद में कुछ तस्वीरें शेयर की की थीं, जिनमें वह, मृणाल ठाकुर और धनुष साथ में पोज देते नजर आए थे। हालांकि, अभी तक धनुष या मृणाल ठाकुर, दोनों में से किसी ने भी अफेयर की खबरों पर रिएक्ट नहीं किया है।

मृणाल ठाकुर का इन एक्टर्स संग जुड़ा नाम, धनुष का हो चुका तलाक

जहां मृणाल ठाकुर अनमैरिड और सिंगल हैं, पर उनका नाम कई एक्टर्स के साथ जोड़ा गया। इनमें बादशाह से लेकर सिद्धांत चतुर्वेदी, कुशाल टंडन, अर्जित तनेजा और शरद त्रिपाठी का नाम शामिल है। वहीं धनुष ने रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या से शादी की थी। लेकिन 18 साल की शादी के बाद धनुष और ऐश्वर्या ने साल 2022 में अलग होने का ऐलान कर दिया था। इसके बाद अप्रैल 2024 में धनुष और ऐश्वर्या का तलाक हो गया था।

अपनी एक्टिंग जर्नी पर बोले संग्राम

हाल ही में रेसलर संग्राम सिंह ने अमर उजाला डिजिटल से अपनी पर्सनल, प्रोफेशनल जिंदगी को लेकर लंबी बातचीत की। आखिर रेसलिंग से उनका फिल्मी और टीवी की दुनिया की तरफ कैसे आना हुआ? वह रेसलिंग से जुड़ी एक फिल्म का हिस्सा बने थे, उसका आखिर क्या हुआ? अपने करियर से जुड़ी और भी कई बातें संग्राम सिंह ने साझा की हैं।

संग्राम सिंह टीवी की दुनिया में शामिल होने के अपने शुरुआती दिनों के बारे में बताते हैं। वह कहते हैं, 'मैं रेसलिंग से होते हुए टीवी और फिल्मों की दुनिया में आया। शुरुआत में लोग मुझे सिर्फ मजाक उड़ाने वाला लड़का मानते थे। लेकिन धीरे-धीरे जब मेरा काम दिखने लगा तो वही लोग सराहने लगे। मैं उस वक्त साउथ अफ्रीका से प्रो रेसलिंग की ट्रेनिंग लेकर लौटा। कुछ वक्त के बाद 'बिग बॉस' रियलिटी शो में पहुंचा, जहां देश के नामी लोग थे। उस मंच पर सलमान खान ने मेरे स्ट्रगल का जिक्र किया, वो मोमेंट मेरे लिए एक टर्निंग प्वाइंट था।'

मैं सिर्फ सच्चाई के साथ खड़ा होता हूं

संग्राम सिंह ने कुछ वक्त में ही अपने लिए टीवी की दुनिया में पहचान बना ली थी, इसकी वजह उनकी सच्चाई थी। वह कहते हैं, 'सर्वाइवर शो में जब लोगों से पूछा गया कि लीडर कौन हो सकता है? तो सबने मेरा नाम लिया। मैं कभी भेदभाव नहीं करता हूं। हमेशा सच्चाई के साथ खड़ा रहता हूं। उसी शो में पायल से मुलाकात हुई, जिसने मेरे स्ट्रगल के पीछे की सच्चाई को पहचाना।'

फिल्म नहीं बनी लेकिन मेरा भरोसा बना रहा

संग्राम सिंह ने रियलिटी शो के बाद एक फिल्म पर काम करना शुरू किया, जो बन नहीं सकी। इस अनुभव पर वह कहते हैं, 'मेरी जिंदगी में श्याम बाबू एक मिरकल की तरह आए। कोई जान-पहचान वाला था, जिसने कहा कि एक फिल्म बन रही है। इंडिया के पहले रेसलर पर और तुम्हें बात करनी चाहिए। मुझे उस वक्त तक कुछ भी अंदाजा नहीं था, न सिनेमा के मायने, न कैमरे के सामने खड़े होने की समझ। मैं उस फिल्म के लिए इंडिया का पहला ब्रांड एंबेसडर और स्पीकर बना। फैमिली वेलफेयर से लेकर एंटरटेनमेंट तक की बात उस एक मीटिंग में हुई। लेकिन श्याम बाबू ने मुझसे एक वादा लिया कि मैं अगले कुछ साल सिर्फ इस प्रोजेक्ट पर फोकस करूंगा और कोई दूसरा काम नहीं करूंगा। मैंने हां कर दिया और वहीं से एक नई शुरुआत हुई।

तीन साल की मेहनत, सेविंग्स, उम्मीद...सब खत्म हो गया

संग्राम सिंह आगे बताते हैं, 'नितिन देसाई जी प्रोजेक्ट से जुड़ गए, एक बड़ी टीम तैयार होने लगी, फिल्म अनाउंस हो गई, नाम आने लगे, न्यूज में मेरी चर्चा होने लगी। लेकिन फिर किसी कारण से वो फिल्म रुक गई। कोई और होता तो टूट जाता, लेकिन मेरे पास टूटने का विकल्प कभी था ही नहीं। तीन साल तक कोई कमाई नहीं हुई। मैं हर रोज अपनी सेविंग्स से ही जिंदगी चला रहा था और खाली समय में मराठी, अभिनय और टेक्निकल चीजें सीखनी शुरू कर दीं। मुझे यह तक नहीं पता था कि कैमरे की लाइट कैसी होती है या डायलॉग कैसे बोलते हैं। लेकिन मैं सीखने में लगा, क्योंकि मुझे खुद पर भरोसा था। तीन साल की मेहनत, सेविंग्स, उम्मीद...सब खत्म हो गया था। लेकिन मैंने हिम्मत नहीं छोड़ी।

सिर्फ वो फिल्म करता हूं जो आत्मा से जुड़ती है

आगे भी संग्राम सिंह को फिल्म ऑफर होती हैं, उन्हें किस आधार पर सेलेक्ट करते हैं? यह पूछने पर वह कहते हैं, 'जब फिल्म नहीं बनी तो मैंने एक गाना किया। आगे भी प्रोजेक्ट्स आए, फिर रुके, फिर लौटे। एक फिल्म करने वाले थे, सुपरस्टार के साथ कुश्ती का सीन था। मैंने मना कर दिया क्योंकि अब मैं समझ चुका था कि सिनेमा सिर्फ शोहरत नहीं है, जिम्मेदारी है। कुछ लोग तो आए जिन्होंने 30-50 लाख देने की बात कही। लेकिन मैं सोचता था, अगर कहानी में जान नहीं है, तो पैसा किस काम का? मैं वो फिल्में करना चाहता था जो जिंदगी बदलें, कम से कम किसी एक की।' अब जब लोग स्क्रिप्ट लाते हैं, तो मैं सबसे पहले ये सोचता हूं कि क्या मैं इस कहानी में अपना सच देखता हूं? क्या ये मेरी आत्मा से मेल खाती है? अगर हां, तो मैं सब कुछ छोड़कर वो करता हूं। वरना मैं गर्मियों में उन लोगों को पानी पिलाता हूं, सर्दियों में रस और चुपचाप अलविदा कह देता हूं।'